जबलपुर
रविवार 16 नवंबर 2025
- अगहन मास कृष्ण पक्ष -12
- वर्ष : 20, अंक : 198
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 24
न्यून. 11

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में बड़ा धमाका

9 की मौत, 32 घायल डीजीपी ने कहा- हादसा था...कोई साजिश नहीं

- विस्फोटक फरीदाबाद से नौगाम लाए गए थे
- गृह मंत्रालय ने कहा धमाके के कारणों की जांच की जा रही

प्रेस कांफ्रेंस में डीजीपी नलिन प्रभात (मध्य में)

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर/नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात ने बताया कि नौगाम पुलिस स्टेशन में हुआ भीषण धमाका पूरी तरह दुर्घटनावश था और इसमें किसी साजिश का मामला नहीं है। इस हादसे में नौ लोगों की मौत और 32 लोग घायल हुए, जबकि धमाके से पुलिस स्टेशन और आसपास की इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। डीजीपी प्रभात ने बताया कि व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल मामले की जांच के दौरान बरामद किए गए विस्फोटक हरियाणा के फरीदाबाद से नौगाम पुलिस स्टेशन लाए गए थे। इन्हें पुलिस स्टेशन के परिसर में खुले स्थान पर सुरक्षित तरीके से रखा गया था। उन्होंने कहा कि नियमों के अनुसार इन विस्फोटकों के नमूनों को फोरेंसिक और रासायनिक जांच के लिए भेजना आवश्यक था। बरामद सामग्री की मात्रा अधिक होने की वजह से एफएसएल टीम पिछले दो दिनों से नमूने तैयार कर रही थी। विस्फोटक सामग्री बेहद संवेदनशील और अस्थिर थी, इसलिए टीम पूरी सावधानी से इसका परीक्षण कर रही थी। डीजीपी ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 11:20 बजे इसी प्रक्रिया के दौरान अचानक धमाका हो गया। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए विस्फोट पर दुख व्यक्त किया है। नौगाम धमाके पर गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव (जम्मू-कश्मीर प्रभाग) प्रशांत लोखंडे ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

धमाके में जान गंवाने वालों में कई अधिकारी शामिल

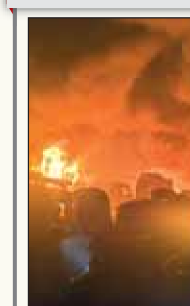

जान गंवाने वालों में एसआईए का एक अधिकारी, एफएसएल टीम के तीन सदस्य, दो क्राइम फोटोग्राफर, दो राजस्व अधिकारी (मजिस्ट्रेट टीम से जुड़े), और एक दर्जी शामिल हैं। धमाके में 27 पुलिसकर्मी, दो राजस्व अधिकारी और तीन स्थानीय नागरिक घायल हुए हैं। विस्फोट इतना बड़ा था कि पुलिस स्टेशन की इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, और आसपास की कई इमारतों पर भी इसका काफी असर पड़ा है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जबलपुर में हुआ राज्य स्तरीय 'जनजातीय गौरव दिवस' समारोह

पीएम ने कहा..जनजातियों की ओर से बोली जाने वाली सभी बोलियों पर अध्ययन होगा

◀ कार्यक्रम को राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संबोधित किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में प्रदेश भर से पहुंचे जनजातीय समाज के लोग मौजूद थे

पीएम मोदी ने वर्चुअली संबोधित किया

जनजातियों का समग्र कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

वंचितों को वरीयता देना ही हमारी नीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि स्वाधीनता संग्राम के प्रारंभिक काल में जनजातीय जननायकों के योगदान को इतिहासकारों और तत्कालीन सरकारों ने सिरे से नकार दिया था। किंतु हमने बीड़ा उठाया है कि जनजातीय वीरों और जननायकों के बारे में आज की नई पीढ़ी को भी अवगत कराया जाए।

हर साल 15 नवंबर को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का जन्मदिवस है। इस दिन को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने के पीछे हमारी मंशा है कि जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया, उनके बारे में जानें, समझें, विचार करें और इन शूरवीरों के योगदान को नमन करें।

महिला क्रिकेट विश्वकप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए क्रांति गौड़ को दिया गया एक करोड़ का चेक

सीएम डॉ. यादव ने की घोषणाएं

- ◀ अगले वर्ष से मप्र में होगी 5000 छात्रावास अधीक्षकों की भर्ती
- ◀ जनजातीय विभाग से संचालित प्रदेश के सभी बालिका आश्रम शालाओं एवं छात्रावासों के नाम रानी दुर्गावती के नाम पर रखे जाएंगे
- ◀ सभी बालक आश्रम शालाओं और छात्रावासों के नाम राजा शंकर शाह, रघुनाथ शाह के नाम पर रखे जाएंगे

स्वाधीनता का दीया सबसे पहले मप्र की पावन धरती पर जला

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिला क्रिकेट विश्वकप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए क्रांति गौड़ को एक करोड़ रुपए का चेक प्रदान किया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में प्रदेश के बड़वानी, आलीराजपुर और जबलपुर में जनजातीय वर्ग के लिए विशेष आयोजन हुए। इनमें केंद्र और प्रदेश के कई मंत्री शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वाधीनता का दीया सबसे पहले मप्र की पावन धरती में ही जला था और यह दीया जलाने का जिम्मा भी हमारे जनजातीय वीरों ही उठाया था। उन्होंने कहा कि मप्र में नमक सत्याग्रह ने ही जंगल सत्याग्रह की नींव रखी। सिवनी के जंगलों में हुआ टुरिया सत्याग्रह जनजातीय वीरों और वीरांगनाओं के शौर्य और साहस का जीवंत प्रमाण है।

जनजातीय समुदाय की प्रतिभाओं का किया सम्मान

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राज्यपाल पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विशिष्ट उपलब्धियां प्राप्त करने वाले जनजातीय समुदाय के युवाओं, चित्रकारों और सिकल सेल एनीमिया के निवारण के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले डॉक्टर्स को भी सम्मानित किया गया। महिला क्रिकेट विश्वकप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छतरपुर जिले की महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ को एक करोड़ का चेक और प्रशस्ति-पत्र दिया गया। पद्मश्री अर्जुन सिंह धुर्वे, श्रीमती फुलझारिया बाई, श्रीमती उजियारो बाई, विक्रम अवॉर्डी सुश्री रागिनी मार्को, सुश्री सृष्टि सिंह को सम्मानित किया गया।
राज्यपाल पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में प्रतियोगी परीक्षा पास करने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति समूह (पीवीटीजी) के चयनित 6 अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र दिया गया। कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जनजातीय वर्ग के दो मेधावी विद्यार्थियों को महाराजा शंकर शाह और रानी दुर्गावती मेधावी पुरस्कार प्रदान किए गए। विभिन्न योजनाओं में जनजातीय हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए गए।

खबर संक्षेप

जया किशोरी का धीरेंद्र शास्त्री ने किया सम्मान

कोसीकलां। बागेश्वर पीठाधीश्वर पं.धीरेंद्र शास्त्री की पदयात्रा में शनिवार सुबह मशहूर कथावाचक जया किशोरी पहुंचीं। उनका धीरेंद्र शास्त्री ने सम्मान किया। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ और बाबा की पदयात्रा अगले पढ़ाव के लिए रवाना हो गई। इस दौरान पुंडरीक गोस्वामी और परमार्थ निकेतन आश्रम के प्रमुख चिदानंद सरस्वती भी यात्रा में शामिल हुए।

आरके सिंह सहित 3 नेताओं को पार्टी से निकाला

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में जीत के बाद भाजपा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह समेत तीन नेताओं को पार्टी से निकाला है। यह कार्रवाई पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए की गई। सिंह पर एक्शन लेते हुए उन्हें 6 साल के लिए पार्टी से निलंबित किया है। कटिहार की मेयर ऊषा अग्रवाल और एमएलसी अशोक अग्रवाल के खिलाफ भी कार्रवाई की है।

समस्या के चलते 39 हजार ग्रांड विटारा बुलाई

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी ने ग्रांड विटारा मॉडल के लिए एक बड़ा रिकॉल जारी किया है। कंपनी के अनुसार, लगभग 39,506 यूनिट्स प्रभावित हुई हैं, जो 9 दिसंबर 2024 से 29 अप्रैल 2025 के बीच बनाई गई थीं। रिकॉल का कारण है एसयूवी के फ्यूल लेवल इंडिकेटर और वार्निंग सिस्टम में संभावित खराबी बताई जा रही है।

कक्षा दूसरी की छात्रा की मौत, अधीक्षिका निलंबित

आलीराजपुर। जिले के कट्ठीवाड़ा स्थित कन्या आश्रम काबरीसेल छात्रावास में कक्षा 2 की एक छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। छात्रा की पहचान चचरिया उम्दा निवासी कृतिका पिता मुकेश बघेल (7) के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही कट्ठीवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। टीम ने छात्रावास का निरीक्षण कर मामले की प्राथमिक जांच शुरू कर दी है।

भाजपा की टोली बैठक में हो चुका विचार-विमर्श

मुख्यमंत्री का दिल्ली दौरा... जल्द हो सकती हैं निगम-मंडलों में नियुक्तियां

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री निवास में संगठन और सरकार के समन्वय के लिए बनी टोली की बैठक के बाद निगम-मंडलों में नियुक्तियों का रास्ता खुल गया है। इस बैठक में नियुक्तियों पर चर्चा हुई और 'एक व्यक्ति एक पद' सिद्धांत का पालन करते हुए नियुक्तियां करने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार शाम को अचानक दिल्ली पहुंचे। उनके इस दौरे को नियुक्तियों से जोड़ कर देखा जा रहा है। दिल्ली से हरी झंडी मिलने बाद नियुक्ति आदेश जारी होना प्रारंभ हो जाएंगे।

भाजपा युवा महिला मोर्चा के अध्यक्ष भी होंगे घोषित

फाइल फोटो

नियुक्तियों के लिए इनका दावा मजबूत

निगम-मंडलों में नियुक्ति की पहली सूची में उन पूर्व मंत्रियों का दावा सबसे मजबूत माना जा रहा है, जो विधानसभा चुनाव हार गए थे या जिन्हें मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिल सकी थी। वे भी प्रमुख दावेदार हैं जिन्हें आश्वासन देकर कांग्रेस से तोड़ कर भाजपा में लाया गया था।

लालू की बेटी रोहिणी ने छोड़ी राजनीति

कहा- मैं अपने परिवार से भी नाता तोड़ रही हूं

एजेंसी ▶▶ पटना

- मेरे लिए मेरा आत्म सम्मान सर्वोपरि

राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पुत्री रोहिनी आचार्या ने राजनीति छोड़ने का ऐलान किया है। इतना ही नहीं उन्होंने अपने परिवार से दूरी बनाने की भी घोषणा कर दी है। रोहिणी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह वही बात है जो संजय यादव और रमीज़ ने मुझसे कहने को कहा था। राजद की हार की ओर करते हुए उन्होंने कहा कि मैं सारी ज़िम्मेदारी ले रही हूं।

वक्फ बोर्ड के प्रमुखों को आई धमकी

संघ पर फूल बरसाए तो सिर कलम की 'धमकी'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के चेयरमैन सनवर पटेल और वक्फ बोर्ड के डायरेक्टर फैजान खान को सिर कलम कर (काटकर) जान से मारने की धमकी मिली है। दोनों ने पिछले माह निकले आरएसएस के पथ संचलन का फूल बरसाकर स्वागत किया था। इसी से नाराज होकर इंस्टाग्राम पर दो अकाउंट से दोनों को धमकी दी गई।

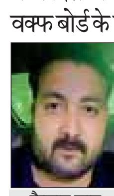
फैजान खान

सनवर पटेल

- इंस्टाग्राम अकाउंट की जानकारी जुटा रही पुलिस

भोपाल में लगातार 8वें दिन सीवियर कोल्ड वेव

आज भी एक दर्जन जिलों में अलर्ट

राजगढ़ में पारा 6.5 डिग्री... दो दिन बाद मिलेगी कड़ाके की सर्दी से राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित एक दर्जन जिलों में शीतलहर बरकरार है। शनिवार को भोपाल में लगातार 8वें दिन सीवियर कोल्ड वेव का असर रहा। राजगढ़ में प्रदेश में सबसे कम रात का पारा 6.5 डिग्री रहा, यहां ओस जमने के हालात बन गए हैं।

भोपाल में रात का पारा 1.6 डिग्री गिरकर 8 डिग्री रहा, जो सामान्य से 7.6 डिग्री कम है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार दो दिन बाद प्रदेश में कड़ाके की सर्दी से राहत मिलेगी।

मंगलवार से हवाएं होंगी पूर्वी, बढ़ेगा रात का पारा

राजधानी की स्मार्ट सिटी रोड, देर शाम 7:20 बजे का दृश्य

आज भी राहत नहीं

मौसम केंद्र ने रविवार को भी भोपाल, सीहोर, राजगढ़, इंदौर, देवास, शाजापुर, शिवपुरी, रीवा, सतना, शहडोल, उमरिया, कटनी, जबलपुर, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी और मैहर जिलों में कुछ जगह सीवियर कोल्ड वेव और शेष स्थानों पर कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया है।

बिहार का चुनाव परिणाम कई मायनों में रहा खास

यहां कोई 27 तो कोई 30 वोट से जीता.... कलाधर ने बना दिया रिकॉर्ड

जेडीयू के प्रत्याशी रामचरण सबसे कम अंतर से जीते

रामचरण साह जदयू

सतीश सिंह बसपा

महेश पासवान भाजपा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की सभी 243 सीटों के परिणाम जारी हो चुके हैं। चुनाव में जहां एक तरफ कुछ उम्मीदवार ऐसे हैं, जिन्होंने रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज करते हुए इतिहास रचा है तो वहीं कुछ प्रत्याशी ऐसे भी हैं, जो सबसे कम मार्जिन से चुनाव जीते हैं। इस सूची में सबसे पहला नाम जेडीयू के प्रत्याशी रामचरण साह का है, जिन्होंने संदेश सीट पर सिर्फ 27 वोटों के बेहद कम अंतर से चुनाव जीता है। उन्होंने आरजेडी के दीपू सिंह को हराया है। इस चुनाव में 31 उम्मीदवार 5000 के कम वोटों के अंतर से जीते हैं। इस बार 15 प्रत्याशी ऐसे हैं जो 50 हजार से अधिक मतों के अंतर से जीते है।

सतीश ने दूसरी बड़ी जीत हासिल की

रामगढ़ सीट से बसपा प्रत्याशी सतीश कुमार ने 30 वोटों से जीत हासिल की है। उन्होंने भाजपा के अशोक कुमार सिंह को हराया

अगिआंव सीट से भाजपा उम्मीदवार महेश पासवान मात्र 95 वोट के मार्जिन से जीते हैं। उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के प्रत्याशी शिव प्रकाश रंजन को हराया है। नबीनपुर सीट से जदयू प्रत्याशी चेतन आनंद ने 112 वोटों से जीत दर्ज की है। उन्होंने राजद के अमोद कुमार सिंह को हराया है। ढाका सीट से आरजेडी प्रत्याशी फैसल रहमान 178 वोट से जीते। उन्होंने भाजपा पवन कुमार जैसवाल को हराया है। फारबिसगंज सीट से कांग्रेस प्रत्याशी मनोज विश्वास 221 वोट से जीते हैं।उन्होंने भाजपा के विद्या सागर केशरी को हराया है। बलरामपुर सीट से एलजेपी (आर) उम्मीदवार संगीता देवी 389 वोट के अंतर से जीती हैं। उन्होंने एआईएमआईएम प्रत्याशी मोहम्मद आदिल हुसैन को हराया है। चनपटिया सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अभिषेक रंजन 602 वोट से जीते। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी उमाकांत सिंह को हराया है। जहानाबाद से आरजेडी के राहुल कुमार ने 793 वोटों से जीत हासिल की है। जेडीयू के चंदेश्वर प्रसाद को हराया। बोधगया सीट से आरजेडी प्रत्याशी कुमार सर्वजीत 881 वोट से जीते। उन्होंने एलजेपी (आर) प्रत्याशी श्यामदेव पासवान को हराया। बख्तियारपुर सीट से एलजेपी (आर) के प्रत्याशी अरुण कुमार 981 वोट से जीते। उन्होंने आरजेडी के प्रत्याशी अनिरुद्ध कुमार को हराया है।

नीतीश सरकार के 29 मंत्रियों में से 28 जीते

नीतीश कुमार सरकार के 2020 के मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। 29 मंत्रियों में से 28 ने जीत हासिल की है।चकाई से सुमित सिंह को शिकस्त मिली है।

जदयू के कलाधर मंडल ने रचा इतिहास

सबसे बड़े अंतर से जीत प्राप्त की

चुनाव में एनडीए की आंधी के आगे महागठबंधन फिसड्डी साबित हुआ है। कई उम्मीदवारों ने 50,000 वोटों के भारी अंतर से जीत दर्ज की है। जदयू उम्मीदवार कलाधर प्रसाद मंडल ने

सबसे बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। मंडल ने रूपौली में 73,572 वोटों के विशाल अंतर से राजद प्रत्याशी बीमा भारती को हराया है।

जनसुराज का बड़ा आरोप

एनडीए सरकार ने 40 हजार करोड़ खर्च कर जनता के ही वोट खरीदे

जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह और प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने बेली रोड स्थित शेखपुरा हाउस में प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने चुनाव के नतीजों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उदय सबसे पहले बिहार विधानसभा चुनाव में जीत पर एनडीए को बधाई दी और नई सरकार के बनने के लिए शुभकामनाएं भी दी। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में बनने वाली नई सरकार से हमारी मांग है कि अब साफ-सुथरी सरकार बने और दागी मंत्रियों को जगह न मिले। बिहार सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि एनडीए को मिला प्रचंड बहुमत खरीदा गया है। देश में पहले भी ऐसी कोशिशे होती रही हैं। लेकिन यह पहली बार है कि राज्य सरकार ने करीब 40 हजार करोड़ रुपया खर्च कर यह बहुमत प्राप्त किया है। जनता के पैसे से जनता का वोट खरीदा गया है। अब बिहार सरकार के पास शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य जैसी जरूरी चीजों पर खर्च करने लायक रुपए नहीं बचे हैं।

खबर संक्षेप

कर्नाटक के कांग्रेस विधायक पर चार्जशीट

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक के कांग्रेस विधायक सतीश कृष्ण सेल के खिलाफ विशेष अदालत में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में अभियोजन शिकायत दायर की। सतीश मल्लिकार्जुन शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं। ईडी ने पीएमएलए के तहत इस कंपनी के खिलाफ भी अभियोजन शिकायत दायर की है।

झारखंड के स्थापना पर शाह ने शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। हर साल 15 नवंबर को झारखंड का स्थापना दिवस मनाया जाता है। 2000 में बिहार से अलग होकर झारखंड अलग राज्य बना। यह प्रदेश शनिवार को अपना 25वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने शुभकामनाएं दी हैं। मंत्री शाह ने जनजातीय विरासत की पावन भूमि बताया है।

सोनभद्र में ब्लास्टिंग से दरका पहाड़, 1 की मौत

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में एक बड़ा हादसा हो गया। हादसा मुख्यमंत्री योगी के सभा स्थल से केवल पांच किलोमीटर की दूरी पर बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में हु, जहां कृष्णा माइनिंग वर्क्स के बिल्ली मारकुंडी खदान में अचानक पहाड़ दरक गया और मलबे में कई मजदूर दब गए। एक मजदूर की मौत की पुष्टि हुई है, वहीं कई मजदूर दबे हैं।

जोधपुर में दोस्तों की कार पलटी, 3 की मौत

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर में भीषण सड़क हादसा सामने आया है। शुक्रवार देर रात को 11 लोगों से भरा एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई और 8 लोग घायल हैं। यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग 25 पर खारिया मीठापुर गांव के पास हुआ। गाड़ी में 11 लोग सवार थे। ड्राइवर ने अचानक कार से संतुलन खो दिया था। कार बेकाबू होकर पलट गई।

भाजपा को स्वीकार नहीं करेगा बंगालः सागरिका

कोलकाता। टीएमसी की सांसद सागरिका घोष ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल कभी भी भाजपा को स्वीकार नहीं करेगा। उनकी यह टिप्पणी तब सामने आई है, जब प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य के अगले विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करेगी। घोष ने यह भी कहा कि बंगाल में ममता बेनर्जी जैसी नेता हैं,जो हमेशा लोगों के बीच रहती हैं।

पीएम मोदी ने गुजरात को 9,700 करोड़ रुपए की सौगात दी

कांग्रेस सरकारों ने भगवान बिरसा की अनदेखी की, आदिवासियों के 'योगदान' को भुलाया

आदिवासियों ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में 'अमिट' योगदान दिया

पूजार्चन करते हुए प्रधानमंत्री

रैली निकालकर लोगों को किया संबोधित, गृह प्रवेश में हुए शामिल

जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान सम्मान

एजेंसी ▶▶ नर्मदा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को गुजरात पहुंचे। पीएम मोदी प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत बने एक लाख घरों के गृह प्रवेश कार्यक्रम में भी शामिल हुए। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती समारोह में प्रधानमंत्री ने जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि पीएम मोदी ने कहा कि डेडियापाड़ा और सागबारा का एक क्षेत्र कबीर की शिक्षाओं से प्रेरित है। मैं संत कबीर की भूमि वाराणसी से सांसद हूं। इसलिए, यह स्वाभाविक है कि संत कबीर का मेरे जीवन में एक विशेष स्थान है। मैं उन्हें इस मंच से नमन करता हूं। हमने यहां एक लाख परिवारों को पक्के घर दिए गए। एकलव्य मॉडल स्कूलों का शिलान्यास किया गया। पीएम मोदी ने कहा कि आदिवासियों ने हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम में बहुत बड़ा योगदान दिया, लेकिन कांग्रेस ने 60 साल के शासन में आदिवासियों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया।

बुलेट ट्रेन स्टेशन का पीएम मोदी ने किया निरीक्षण

रैली के दौरान फूलों की बारिश की गई

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार ने आदिवासी समाज के कल्याण को हमेशा प्राथमिकता दी है और उन्हें सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। दिन में पहले पीएम मोदी ने सूरत में बन रहे बुलेट ट्रेन स्टेशन का निरीक्षण किया। यह स्टेशन मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का हिस्सा है, जो देश की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती समारोह में पहुंचे

पीएम मोदी ने जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती समारोह में भी शिरकत की। इस दौरान प्रधानमंत्री नर्मदा जिले में 9700 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इन परियोजनाओं में आदिवासी कल्याण, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और विरासत पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इनमें प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीए-जगुआ) के तहत बने एक लाख घरों का गृह प्रवेश शामिल है। लगभग 1900 करोड़ की लागत वाले 42 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों, डिब्रूगढ़ में असम मेडिकल कॉलेज में एक सक्षमता केंद्र और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए इंफाल में एक जनजातीय अनुसंधान संस्थान भवन का भी उद्घाटन किया।

10 वर्षों में कई धामों का विकास किया

उन्होंने कहा कि पहले बिरसा मुंडा को याद नहीं किया जाता था। हमने तय कि हमारी अगली पीढ़ी को पता चले कि बिरसा मुंडा ने हमारे लिए क्या किया है? इसलिए हमने देश में कई जनजातीय संग्रहालय बनाए जा रहे हैं। मैंने छत्तीसगढ़ शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय का शिलान्यास किया। बहुत कम लोग जानते होंगे कि 2003 में जब मैं मुख्यमंत्री के तौर पर डेडियापाड़ा आया था, तो मां के चरणों में प्रार्थना करने गया था।

आदिवासी कल्याण भाजपा की प्राथमिकता

प्रधानमंत्री ने कहा कि आदिवासी कल्याण भाजपा की प्राथमिकता है। हमने ये परेशानी खत्म करने का फैसला लिया है। 1947 में देश आजाद हुआ, लेकिन उनकी स्थिति में सुधार नहीं किया गया। आदिवासी समाज का नाम भगवान राम से भी जुड़ा है। लेकिन कांग्रेस ने इनके विकास के लिए कुछ नहीं किया। पहली बार जब अटल जी प्रधानमंत्री बने, तब आदिवासियों के लिए अलग मंत्रालय बनाया।

स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासियों का योगदान अमिट

पीएम मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'जनजातीय गौरव दिवस' कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव हजारों वर्षों से हमारे भारत की चेतना का अभिन्न हिस्सा रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन में ट्राइबल समाज के योगदान को हम भुला नहीं सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मां नर्मदा की ये पावन धरती आज एक और ऐतिहासिक आयोजन की साक्षी बन रही है। हमारी एकता और विविधता को सेलिब्रेट करने के लिए भारत पर्व शुरू हुआ है। आज भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के इस भव्य आयोजन के साथ हम भारत पर्व की पूर्णता के साक्षी बन रहे हैं।

एनडीए ने कई राज्यों को दिए आदिवासी मुख्यमंत्री

उन्होंने कहा कि एनडीए ने हमेशा आदिवासी समाज के लोगों ने शीर्ष पदों पर बिठाया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री राज्य का कायाकल्प कर रहे हैं। हमारे जनजातीय समाज के ओड़िशा के मुख्यमंत्री राज्य का विकास कर रहे हैं। हमने कई राज्यों में आदिवासी मुख्यमंत्री दिए। भाजपा ने कई राज्यों में आदिवासियों को जगह दी।

लाडो लक्ष्मी योजना में बदलाव

अब महिलाओं को हर माह नहीं इकट्ठे पैसे देगी नायब सरकार

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा में पात्र महिलाओं को हर महीने 2100 रुपए देने की भाजपा सरकार की सरकार और फ्लैगशिप स्कीम लाडो लक्ष्मी योजना में अब बदलाव होगा। अब हर महीने की बजाय महिलाओं को सरकार इकट्ठे पैसे देगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज हिसार में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को हर माह दी जाने वाली 2100 रुपए की लाडो लक्ष्मी योजना में बदलाव होगा। सरकार इस रकम को हर महीने देने की बजाए साल में दो किस्तों में देने पर विचार कर रही है ताकि एक बड़ी रकम एक साथ मिल सके। इस रकम को महिलाएं अपने किसी कार्य के लिए एक साथ उपयोग कर सकेंगी। चाहें तो किसी रोजगार या छोटे व्यवसाय की शुरुआत भी कर पाएंगी। सैनी ने कहा कि लाडो लक्ष्मी योजना को विस्तार देने पर भी मंथन चल रहा है। अभी एक लाख तक की आय वाले परिवारों की महिलाओं को लाभ दिया जा रहा है।

1 नवंबर को योजना हुई थी लागू

हरियाणा सरकार ने इस योजना के लिए 5,000 करोड़ का प्रावधान किया है। हरियाणा में एक लाख रुपए सालाना आय वाली 23 से 60 साल तक की 19 लाख 62 हजार महिलाएं हैं। इस योजना को प्रदेश में तीन विभाग संचालित कर रहे हैं। समाज कल्याण विभाग, पंचायत विभाग और क्रीड संयुक्त रूप से इस योजना को सुचारू करने में लगे हुए हैं। राज्य के स्थापना दिवस यानि 1 नवंबर को योजना की पहली किस्त जारी की गई थी। पात्र महिलाओं के खातों में 2100 रुपए प्रति माह की पहली किस्त सीधे ट्रांसफर की थी।

सिर्फ एप के माध्यम से आवेदन करें

योजना का लाभ लेने के लिए महिला की उम्र 23 वर्ष या इससे अधिक होनी चाहिए। वह कम से कम 15 वर्ष से हरियाणा की निवासी होनी चाहिए। परिवार की आय एक लाख रुपए वार्षिक होनी चाहिए। वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, विधवा, निराश्रित महिला के लिए वित्तीय सहायता, दिव्यांग या अन्य पेंशन पाने वाली महिलाएं इस योजना की पात्र नहीं होंगी। आवेदन फॉर्म मोबाइल एप के जरिए ही भरा जाएगा। इसके लिए सबसे मोबाइल में लाडो लक्ष्मी योजना का मोबाइल एप डाउनलोड करना होगा।

गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस पर किया जा रहा आयोजन

500 किमी लंबी साइकिल यात्रा, दिल्ली के चांदनी चौक में शीशगंज गुरुद्वारे से शुरू होकर यह अमृतसर पहुंचेगी

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मनजीत ने कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस पर दिल्ली से अमृतसर तक 500 किलोमीटर की साइकिल यात्रा निकाली गई। यह यात्रा दिल्ली के चांदनी चौक में शीशगंज गुरुद्वारे से शुरू हुई और अमृतसर पहुंचेगी, जहां गुरु तेग बहादुर सिंह जी का जन्म स्थल है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष सरदार मनजीत सिंह ने बताया कि यात्रा में 250 लोगों ने शुरुआत की है, लेकिन अमृतसर पहुंचने हजारों लोग इसका हिस्सा बनेंगे।

यात्रा में कश्मीरी पंडित भी शामिल हुए

साइकिल यात्रा में कश्मीरी पंडित भी शामिल हुए, जिन्होंने इस यात्रा पर फूल भी बरसाए। बच्चों से लेकर बुजुर्ग और विकलांग लोग भी इस यात्रा का हिस्सा बने। गुरू तेग बहादर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में गुरू साहिब जी के शहीदी स्थल गुरुद्वारा सीसगंज साहिब, दिल्ली से साइकिल यात्रा शुरू होकर उनके जन्म स्थान गुरुद्वारा गुरू का महल, अमृतसर तक जा रही है। यात्रा का आयोजन साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मनजीत के द्वारा किया जा रहा है।

साइकिल यात्रा का एक दृश्य

पानीपत-अंबाला से होकर जाएगी यात्रा

इस यात्रा में सैकड़ों सिख नौजवान, श्रद्धालु और समाजसेवी भाग ले रहे हैं। यात्रा का उद्देश्य गुरु तेग बहादुर जी के त्याग, बलिदान और धर्म की रक्षा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। ये यात्रा दिल्ली के चांदनी चौक से लेकर अमृतसर जोकि शहीदी स्थान तक जाएगी। यह यात्रा दिल्ली से पानीपत,अंबाला, लुधियाना, जालंधर होते हुए अमृतसर जाएगी।

देश ने भगवान बिरसा मुंडा को किया नमन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज और अन्य लोगों के साथ शनिवार को नई दिल्ली में संसद भवन परिसर में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 'जनजातीय गौरव दिवस' समारोह के दौरान नमन करते हुए।

राजस्थान के गांव में नशे की गुप्त लैब

100 किलो मेफेड्रोन तैयार करने वाला केमिकल जब्त

एजेंसी ▶▶ सिरोही

केंद्र सरकार के नशीले पदार्थों के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस के दृष्टिकोण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और राजस्थान पुलिस ने राजस्थान के सिरोही जिले के एक सुदूर गांव में एक गुप्त लैब का भंडाफोड़ किया है। सैकड़ों किलोग्राम केमिकल ज़ब्त किए गए हैं, जो लगभग 100 किलोग्राम मेफेड्रोन बनाने के लिए पर्याप्त थे। इनकी अनुमानित बाज़ार कीमत 40 करोड़ है। लैब के मास्टरमाइंड और 4 अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में मेफेड्रोन का इस्तेमाल साइकोट्रोपिक ड्रग्स के तौर पर बढ़ रहा है। ब्यूरो ने जिला पुलिस को संवेदनशील बनाने के लिए मासिक जिला स्तरीय एनसीओआरडी तंत्र का इस्तेमाल करते हुए कई बैठकें की और कार्रवाई की।

केमिकल बनाने के जब्त उपकरण

बिहार में हार के बाद कांग्रेस में बढ़ी रार और तकरार

प्रधानमंत्री की भविष्यवाणी कांग्रेस चौथी बार टूटेगी! सही होगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बिहार चुनाव में महागठबंधन की करारी हार हुई है।कांग्रेस की स्थिति बेहद बुरी है। 61 सीटों पर लड़ी कांग्रेस बामुश्किल 6 सीट ही ला पाई। इससे कांग्रेस में सिरफुटव्वल शुरू हो गई है। कुछ नेता हार के बाद बचाव करते दिख रहे तो कुछ अपनी ही पार्टी के दूसरे नेता पर हार का ठीकरा फोड़ रहे हैं। नतीजे के बाद प्रधानमंत्री ने बिहार को धन्यवाद करने के लिए संबोधन किया तो इस दौरान कांग्रेस में संभावित एक और बड़े विभाजन की आशंका जता दी। पीएम मोदी ने कांग्रेस को 'मुस्लिमलीगी माओवादी कांग्रेस' करार देते हुए दावा किया कि आने वाले समय में कांग्रेस का एक और बड़ा विभाजन होगा और यह स्थिति दिखाई भी देने लगी है।

एक-दूसरे पर हार का ठीकरा फोड़ रहे कांग्रेस के नेतागण

बिहार हार के बाद सिरफुटौव्वल, बाहरी को दिया 'ठेका'

खरगे और राहुल गांधी बात करते हुए। -फाइल फोटो

करारी हार के बाद कांग्रेस के भीतर जो सिरफुटव्वल शुरू हुआ, वो अब खुलेआम दिख रहा है। पार्टी के भीतर ही नेताओं ने टिकट बंटवारे से लेकर चुनावी रणनीति तक पर सवाल खड़े किए हैं। बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने सीधे तौर पर बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और आरजेडी के संजय यादव को हार के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर फ्रेंडली फाइट की नौबत क्यों आई?' और आरोप लगाया कि वरिष्ठ नेताओं को किनारे लगाकर बाहर के लोगों को बिहार कांग्रेस ठेके पर दे दिया गया।

पार्टी में गंभीर संकट की चेतावनी आई सामने

बिहार चुनाव के बाद उभरे असंतोष की लहर सिर्फ एक राज्य तक सीमित नहीं है। कांग्रेस नेता कृपानंद पाठक ने सीधे तौर पर कहा कि 'बिहार में जिम्मेदार लोगों ने सही जानकारी नहीं दी' और चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं सुधारा गया तो यह 'गंभीर संकट की वजह' बनेगा।

थरूर ने की आत्म निरीक्षण की मांग

कांग्रेस के भीतर मौजूद असंतुष्ट नेताओं में शशि थरूर की आवाज भी शामिल है, जिन्होंने बिहार चुनाव में पार्टी की हार पर गंभीर आत्मनिरीक्षण की मांग की। थरूर ने कहा कि हमें अध्ययन करना है कि क्या रणनीतिक, संदेशात्मक या संगठनात्मक गलतियां थीं। इसके पहले थरूर कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं और पार्टी के भीतर एक अलग विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं।

युद्धाभ्यास में भाग ले रहे भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों के पायलट

फ्रांस में भारतीय वायुसेना आज से दिखाएगी अपनी सैन्य क्षमता

> इस युद्धाभ्यास का मुख्य उद्देश्य वास्तविक युद्ध स्थितियों जैसे एयर-टू-एयर कॉम्बैट, एयर डिफेंस मिशन और संयुक्त स्ट्राइक ऑपरेशंस में समन्वय और तालमेल को मजबूत करना है। भारतीय वायुसेना ने बताया कि ऐसे अभ्यासों से न सिर्फ रणनीति और संचालन तकनीक में सुधार होता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दोनों सेनाओं की इंटरऑपरेबिलिटी भी बढ़ती है

एजेंसी ⏭ पेरिस

भारतीय वायुसेना ने फ्रांस में शुरू हो रहे द्विपक्षीय वायु युद्धाभ्यास 'गरुड़-25' के 8वें संस्करण में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करा दी है। 16 नवंबर से 27 नवंबर 2025 तक चलने वाले इस संयुक्त अभ्यास में भारतीय वायुसेना के सुखोई-30 एमकेआई फ्रांस के मोंट-डे-मार्सन में फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष बल (एफएएसएफ) के उन्नत मल्टीरोल लड़ाकू विमानों के साथ कई जटिल युद्ध स्थितियों का अभ्यास करेंगे। इस युद्धाभ्यास का मुख्य उद्देश्य वास्तविक युद्ध स्थितियों जैसे एयर-टू-एयर कॉम्बैट, एयर डिफेंस मिशन और संयुक्त स्ट्राइक ऑपरेशंस में समन्वय और तालमेल को मजबूत करना है। भारतीय वायुसेना ने बताया कि ऐसे अभ्यासों से न सिर्फ रणनीति और संचालन तकनीक में सुधार होता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दोनों सेनाओं की इंटरऑपरेबिलिटी भी बढ़ती है। 'गरुड़-25' में भारत और फ्रांस अपने पायलटों, तकनीकी स्टाफ और संचालन विशेषज्ञों के बीच पेशेवर समन्वय को और बेहतर बनाएंगे।

» लड़ाकू विमानों के साथ कई जटिल युद्ध स्थितियों का अभ्यास

» पायलटों, तकनीकी स्टाफ, विशेषज्ञों के बीच बनेगा समन्वय

भारतीय लड़ाकू विमान सुखोई-30 एमकेआई

वास्तविक युद्ध स्थिति की नकल

अभ्यास के दौरान भारतीय सुखोई विमान फ्रांसीसी बहु-भूमिका लड़ाकू विमानों के साथ संयुक्त मिशन उड़ाएंगे। इसमें हाई-थ्रेट एयरस्पेस, मल्टी-एसेट स्ट्राइक पैकेज, इंटरसेप्शन मिशन और एयर डिफेंस की उन स्थितियों का अभ्यास शामिल है, जो वास्तविक युद्ध परिस्थितियों में सामने आती हैं। दोनों देशों के पायलट साझा तौर पर इन मिशनों की प्लानिंग और डी-ब्रीफिंग करेंगे, जिससे तकनीकी दक्षता और अनुभव का आदान-प्रदान हो सके।

मुख्य भूमिका में सुखोई30 एमकेआई लड़ाकू विमान

भारतीय वायुसेना का दल 10 नवंबर को फ्रांस पहुंच चुका है। अभ्यास के लिए सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान मुख्य भूमिका में रहेंगे। उनकी लॉजिस्टिक और परिचालन जरूरतों के लिए सी-17 ग्लोबमास्टर-III एयरलिफ्ट विमान का इस्तेमाल इंडक्शन और डी-इंडक्शन चरणों में किया जा रहा है। वहीं, आईएल-78 एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग टैंकर सुखोई विमानों की रेंज बढ़ाने और लंबे समय तक मिशन को जारी रखने में मदद करेंगे।

दोनों देश के सैन्य विशेषज्ञ अनुभव साझा करेंगे

'गरुड़-25' भारतीय और फ्रांसीसी वायुसेना के बीच पेशेवर संवाद का एक बड़ा मंच भी है। इसमें रणनीतिक संचालन, मिशन प्लानिंग, विमानन सुरक्षा और आधुनिक युद्ध तकनीकों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। दोनों देशों के सैन्य विशेषज्ञ अपने-अपने अनुभव साझा करेंगे और यह मूल्यांकन करेंगे कि भविष्य के संयुक्त अभियानों को और अधिक प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है। यह अभ्यास भारत की वैश्विक सैन्य साझेदारी को और मजबूत करेगा।

मजबूत रक्षा साझेदारी को मिलेगी नई रफ्तार

भारतीय वायुसेना ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय अभ्यास दोस्ती और रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई देते हैं। 'गरुड़-25' भारत की इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वह मित्र देशों के साथ मिलकर आधुनिक हवाई संचालन की क्षमता को विकसित और परिष्कृत करता रहेगा। यह अभ्यास दोनों देशों के बीच दशकों से चले आ रहे मजबूत रक्षा संबंधों को और प्रतिष्ठित करता है और आने वाले समय में संयुक्त अभियानों की क्षमता को बढ़ाने का भी आधार बनेगा।

खबर संक्षेप

लाहौर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का इस्तीफा

लाहौर। पाकिस्तान में लाहौर उच्च न्यायालय के एक वरिष्ठ न्यायाधीश शम्स महमूद मिर्ज ने उच्चतम न्यायालय के दो न्यायाधीशों के इस्तीफे के बाद पद छोड़ दिया। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने एक नया संवैधानिक संशोधन लागू करने के माध्यम से संविधान और न्यायपालिका पर हमले का विरोध करते हुए पद से इस्तीफा दे दिया। संशोधन के तहत, सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को 2030 तक रक्षा बलों के प्रमुख के रूप में पद पर बने रहने की अनुमति भी मिल जाएगी।

सिंगापुर जा रहे तेल जहाज को ईरान ने रोका

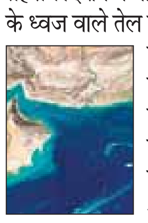

तेहरान। ईरान ने मार्शल द्वीप समूह के ध्वज वाले तेल टैंकर को जब्त करने की शनिवार को पुष्टि की। इसने कहा कि टैंकर को तब जब्त किया गया जब यह अवैध खेप ले जाने सहित विभिन्न नियमों का उल्लंघन कर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहा था। रिवोल्यूशनरी गार्ड के हवाले से कहा कि टैंकर को ईरानी जलक्षेत्र में ले जाया गया है। तेल टैंकर की पहचान 'तलारा' के रूप में की गई और कहा गया कि इसमें 30,000 टन पेट्रोकेमिकल उत्पाद थे। यह जहाज सिंगापुर जा रहा था जिसे ईरानी सेना ने रोक लिया।

दिल्ली बम धमाका मामले में डॉ. मुज्जमिल की डायरी से नया खुलासा

30 से अधिक नाम और नंबर, हवाला नेटवर्क से पहुंचाई जा रही थी 'रकम'

जांच एजेंसियां धमाके में संलिप्त हर व्यक्ति से जुड़े लोगों के रिकॉर्ड खंगाल रहीं

डायरी में मिली सूची के आधार पर मोबाइल नंबरों के जरिये जांच कर पता लगाया जा रहा है कि ये कौन लोग हैं और देश के किस हिस्से में सक्रिय हैं। ये भी शक है कि जिन कुछ नामों के आगे रकम लिखी हुई

एजेंसी ⏭ फरीदाबाद

दिल्ली में हुए बम धमाकों के लिए फंडिंग हवाला नेटवर्क के जरिये पहुंच रही थी। खुफिया विभाग के एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि धमाके में पकड़े गए संदिग्ध आतंकी डॉक्टरों के बैंक खातों की ट्रांजेक्शन की जांच की जा रही है। डॉ. मुज्जमिल के कमरे से उन्हें एक डायरी के अलावा लैपटॉप समेत अन्य सामान मिला। उस पर जांच चल रही है। उस डायरी में 30 से अधिक लोगों के नाम व मोबाइल नंबर लिखे हुए हैं। इसके साथ ही कई नाम के आगे कुछ रकम भी लिखी हुई है। इस सूची के आधार पर मोबाइल नंबरों के जरिये जांच कर पता लगाया जा रहा है कि ये कौन लोग हैं और देश के किस हिस्से में सक्रिय हैं।

डॉ. मुजम्मिल

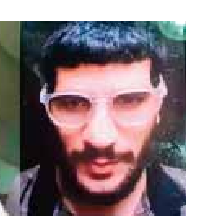
डॉ. उमर नबी

बंगाल के उत्तर दिनाजपुर से एमबीबीएस छात्र गिरफ्तार

एनआईए ने पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर से एक एमबीबीएस छात्र जानिसुर उर्फ निसार आलम को आतंक संगठनों से कथित संबंधों के शक के आधार पर गिरफ्तार किया है। निसार हरियाणा की अल-फलाह यूनिवर्सिटी का छात्र है और लुधियाना में रहता है। उसका पैतृक घर दलखोला के पास कोनाल गांव में है। अधिकारियों ने उसके मोबाइल लोकेशन डेटा के आधार पर उसकी गतिविधियों पर नजर रखी थी।

एटीएम से पैसे निकालने का किया था प्रयास

ब्लास्ट से पहले नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका शहर में स्थिति एक एटीएम मशीन से आतंकी डॉ. उमर नबी ने पैसे निकालने का प्रयास किया था। हालांकि, एटीएम बंद था, लेकिन एटीएम मशीन पर तैनात गार्ड को उमर ने पैसों को लालच देकर एटीएम खुलाया लिया। लेकिन पैसे नहीं निकले। जिसके बाद वह दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे से होते हुए निकल गया।

बंद सड़क यातायात के लिए खोली गई

घटनास्थल के आसपास की सड़क अब यातायात के लिए खोल दी गई है। दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि जांच के लिए इस सड़क को अस्थायी रूप से बंद किया गया था लेकिन अब इसे खोल दिया गया है, गुरु तेग बहादुर की 350वीं जयंती पर एक बड़ा कार्यक्रम होना है।

एनएमसी ने तीन डॉक्टरों का लाइसेंस रद्द किया

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने दिल्ली ब्लास्ट मामले से जुड़े तीन डॉक्टरों का लाइसेंस तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया है। यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर मेडिकल काउंसिल की सिफारिश और जांच एजेंसियों द्वारा जुटाए गए ठोस साक्ष्यों के आधार पर की गई है। आदेश के अनुसार डॉ. मुजफ्फर अहमद, अदील अहमद राठर और मुजमिल शकील जम्मू-कश्मीर मेडिकल काउंसिल में पंजीकृत थे।

दो यूट्यूबर हिरासत में

जम्मू-कश्मीर पुलिस, एटीएस और अन्य एजेंसियां अब उन सभी लोगों की पहचान कर रही हैं जो किसी भी तरह से डॉ. आदिल के संपर्क में रहे थे। इसी अभियान में शुक्रवार को दो खुफिया विभाग ने यूट्यूबरों को हिरासत में लिया, जिनसे घंटों पूछताछ की गई। दोनों युवक पिछले कई महीनों से मेडिकल फील्ड से जुड़े डॉक्टरों से संपर्क में रहते थे और सोशल मीडिया पर भी लगातार सक्रिय थे। दिल्ली धमाके के बाद जब एजेंसियों ने आदिल के संपर्कों की डिजिटल ट्रेल खंगाली, तो युवकों के नाम कई बार सामने आए।

मेट्रो स्टेशन के गेट 2 और 3 फिर से खोले

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने घटना के बाद लाल किला मेट्रो स्टेशन को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया गया था, जिसे अब फिर से खोल दिया गया है। डीएमआरसी नेएक्स पर लिखा कि सेवा अपडेट: लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 2 और 3 अब यात्रियों के लिए खुल गए हैं।

अल-फलाह विवि पर कसा शिकंजा
एक्रिडटेशन के झूठे दावों पर दो एफआईआर

अल फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े मान्यता और एक्रीडिटेशन के विवादों की जांच में दिल्ली क्राइम ब्रांच की इंटर-स्टेट सेल की टीम सुबह जामिया नगर स्थित ट्रस्ट ऑफिस पहुंची और प्रशासनिक दस्तावेजों, मान्यता संबंधी पत्रों और एक्रीडिटेशन रिकॉर्ड की जांच शुरू की। टीम ने कई फाइलें अपने कब्जे में भी ली हैं। दिल्ली पुलिस को लेकर दो अलग-अलग शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इन शिकायतों के आधार पर क्राइम ब्रांच की इंटर-स्टेट सेल ने दो एफआईआर दर्ज की हैं, जिनमें चिटिंग और फॉर्जरी की धाराएं शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की मांग

यूएनएससी के कामकाज में पारदर्शिता होना बेहद जरूरी

पार्वथानेनी हरीश, यूएन में प्रतिनिधि राजदूत

एजेंसी ⏭ न्यूयॉर्क

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के कामकाज में अधिक पारदर्शिता की जोरदार मांग की है। न्यूयॉर्क में शुक्रवार को 'कार्य पद्धतियां' पर आयोजित यूएनएससी की खुली बहस में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथानेनी हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने की सबसे महत्वपूर्ण संस्था है, इसलिए इसके कामकाज का ईमानदार, स्पष्ट और पारदर्शी होना बेहद जरूरी है। हरीश ने कहा कि यूएनएससी की कई सहायक संस्थाओं का कामकाज अभी भी अस्पष्ट है।

यूएनएससी में सुधार की जरूरत

भारत ने सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार की अपनी पुरानी मांग को दोहराया। हरीश ने कहा कि आठ दशक पुराना यूएनएससी ढांचा बदलते समय और नई चुनौतियों के लिए अब फिट नहीं माना जा सकता। उन्होंने सुरक्षा परिषद में स्थायी और अस्थायी दोनों तरह की सदस्यता का विस्तार करने और अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका जैसे कम-प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों को पर्याप्त जगह देने की बात कही। भारत ने यह भी कहा कि यूएनएससी की समितियों और सहायक संस्थाओं के चेयर और पेन-होल्डर पद जिम्मेदारी वाले पद हैं, जिन्हें किसी भी तरह के स्वार्थ या टकराव से दूर रखा जाना चाहिए। जिन देशों के हित टकरा रहे हों, उन्हें इन पदों की जिम्मेदारी देना उचित नहीं है।

» जिन मिशनों का उद्देश्य पूरा उन्हें बंद करें

दुनिया में सबसे ज्यादा सैनिक देने वाले देश के रूप में भारत ने शांति मिशनों में योगदान देने वाले देशों की राय को अहम बताया। हरीश ने कहा कि ऐसे मिशन जिनका उद्देश्य पूरा हो चुका है या जो अब उपयोगी नहीं हैं, उन्हें सिर्फ कुछ देशों के राजनीतिक हित बचाने के लिए जारी नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने ऐसे मिशनों को समाप्त करने के लिए 'सनसेट क्लॉज' लागू करने की वकालत की। अपने संबोधन में भारत ने साफ कहा कि सुरक्षा परिषद का कामकाज पारदर्शी, निष्पक्ष और समय के हिसाब से जिम्मेदार होना चाहिए, तभी दुनिया की बदलती चुनौतियों से प्रभावी तरीके से निपटा जा सकेगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यूटर्न

महंगाई के दबाव को कम करने के लिए बीफ कॉफी और ट्रॉपिकल फलों से हटाए टैक्स

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

अमेरिका में बढ़ती महंगाई और उपभोक्ताओं की शिकायतों के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा आर्थिक कदम उठाते हुए बीफ, कॉफी और ट्रॉपिकल फलों पर लगे शुल्क खत्म कर दिए हैं। शुक्रवार को जारी एक कार्यकारी आदेश के जरिए ट्रंप प्रशासन ने इन प्रमुख खाद्य वस्तुओं को आयात शुल्क से मुक्त करने की घोषणा की। ट्रंप के इस फैसले का मकसद रोजमर्रा की खाने-पीने की चीजों की कीमतों में राहत पहुंचाना है।

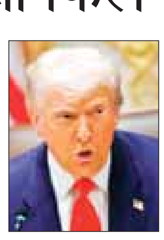
राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

कैलिफोर्निया विवि की फंडिंग नहीं रूकेगी

अमेरिकी अदालत ने एक फैसले में कहा कि ट्रंप प्रशासन फिलहाल कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (यूसी) की संघीय फंडिंग न तो तुरंत रोक सकता है और न ही उस पर जुर्माना लगा सकता है। यह रोक सैन फ्रांसिस्को की संघीय जज रीटा लिन ने लगाई, जिन्होंने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाली यूनियनों की याचिका पर अस्थायी निषेधाज्ञा जारी की।

एपस्टीन मामले में जांच आगे बढ़ेगी

अमेरिका में जेफ्री एपस्टीन के मामले में ट्रंप के कहने पर अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने न्यूयॉर्क के टॉप फेडरल प्रॉसिक्यूटर जे क्लेटन को जेफ्री एपस्टीन के रिश्तों की जांच शुरू करने का आदेश दिया है। यह जांच खासतौर पर उन राजनीतिक लोगों पर केंद्रित होगी, जिन्हें ट्रंप अपने विरोधी बताते हैं जैसे पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन।

अंगोला के मंत्री ओलिवेरा बोले

भारत एक मजबूत अर्थव्यवस्था वाला देश दोनों देशों के बीच संबंधों पर बनी सहमति

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अंगोला के उद्योग व वाणिज्य मंत्री रुई मिगुएन्स डी ओलिवेरा भारत को एक बहुत मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में देखते हैं। उन्होंने केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ हुई अपनी बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि यह एक बहुत ही उपयोगी बैठक थी। हमने इस बात पर विचारों का आदान-प्रदान किया कि अंगोला और भारत के बीच कैसे मजबूत संबंध बनाए जा सकते हैं। यह बैठक हमारे लिए अपने संबंधों को बेहतर बनाने के तरीके तलाशने का एक अवसर थी। हम भारतीय अर्थव्यवस्था को, विशेष रूप से हाल के दिनों में, बहुत मजबूत देखते हैं, और इसमें काफी तेजी से वृद्धि हो रही है।

अंगोला के वाणिज्य मंत्री रुई मिगुएन्स डी ओलिवेरा

इसके अलावा गोयल ने मोजाम्बिक के व्यापार राज्य सचिव एंटोनियो ग्रिस्पोस के साथ द्विपक्षीय व्यापार पर भी बातचीत की। दोनों की मुलाकात सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2025 के दौरान हुई।

न्यूयॉर्क में विदेश मंत्री ने भारतीय राजदूतों से की मुलाकात

न्यूयॉर्क। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका में भारतीय महावाणिज्य दूतों के एक सम्मेलन की अध्यक्षता की। सम्मेलन में भारत-अमेरिका द्विपक्षीय सहयोग और भारतीय प्रवासियों से जुड़ाव की समीक्षा के लिए देशभर के मिशनों के वरिष्ठ भारतीय राजनयिकों को बुलाया गया। शुक्रवार को न्यूयॉर्क में आयोजित इस बैठक में यूएस में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा सहित वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास के अलावा न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को, शिकागो, अटलांटा, ह्यूस्टन, बोस्टन, लॉस एंजिल्स और सिएटल स्थित वाणिज्य दूतावासों के वरिष्ठ राजनयिक शामिल हुए। जयशंकर ने एक्स पर लिखा कि उन्होंने न्यूयॉर्क में महावाणिज्य दूतों के सम्मेलन की अध्यक्षता की। हमारे द्विपक्षीय संबंधों और प्रवासी गतिविधियों के लिए समर्थन की समीक्षा की। भारत-अमेरिका साझेदारी को मजबूत करने के लिए हमारे दूतावास और वाणिज्य दूतावासों की प्रतिबद्धता और प्रयासों की सराहना करता हूं।

अमेरिका के परमाणु परीक्षण को लेकर रूसी मीडिया का बड़ा खुलासा

नेवादा साइट में गुप्त रूप से किया बी61-12 परमाणु बम का टेस्ट

अगस्त में दोपहर में किया सफल परीक्षण, टेस्ट से पहले वॉशिंगटन में हुई थी गुप्त बैठक

एजेंसी ⏭ मॉस्को

रूस के मीडिया रिपोर्टस के अनुसार अमेरिका ने बिलकुल गुपचुप तरीके से और बिना किसी शोर-शराबे के परमाणु परीक्षण को अंजाम दे दिया है। अमेरिका ने यह परमाणु परीक्षण अपनी उसी नेवादा साइट पर किया है, जो उसका प्रमुख केंद्र है। रूसी मीडिया का दावा है कि अमेरिका ने चुपचाप बी61-12 परमाणु बम का परीक्षण कर लिया है मगर इसका किसी को पता नहीं चलने दिया।

हैरानी की बात है कि यह परीक्षण अमेरिका ने अगस्त के महीने में ही पूरा कर लिया। जबकि राष्ट्रपति ट्रंप का परमाणु परीक्षण करने वाला बयान इसके बाद आया है, जिसमें वह कह रहे थे कि अब अमेरिका परमाणु परीक्षण करना चाहता है। यानी साफ है कि ट्रंप परमाणु परीक्षण कर लेने के बाद ऐसा बयान दे रहे थे, ताकि वह राज छुपा रहे। मगर अब पोल खुल गई है।

प्रतीकात्मक फोटो : अमेरिका की नेवादा क्षेत्र पर परमाणु परीक्षण का दृश्य

'ऑपरेशन शैडो ड्रॉप' कोडनेम दिया

इस अभियान को इसको 'ऑपरेशन शैडो ड्रॉप' कोडनेम दिया गया। फिर अमेरिकी सरकार ने चुपचाप बी61-12 परमाणु बम का परीक्षण करने का फैसला किया था। परीक्षण में कोई वास्तविक वारहेड नहीं था, सिर्फ निष्क्रिय बम थे, जो गुरुत्वाकर्षण से गिराए जाने थे। कंट्रोल रूम से मिले आदेश के बाद परमाणु बम गिरा दिया गया। एफ-35 ने तेजी से ऊंचाई ली, जबकि नीचे रेत पर धूल और धुएं का भयंकर गुबार उठा।

एफ-35 लड़ाकू विमान का किया उपयोग

अमेरिका ने इस परमाणु परीक्षण में एफ-35 लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया। इन विमानों ने अगस्त महीने में नेवादा नेशनल सिक्योरिटी साइट के तपते रेगिस्तान से दोपहर में इस परमाणु परीक्षण के लिए उड़ान भरी थी। जहां से नीचे, 1,350 वर्ग मील का वर्जित क्षेत्र फैला था। इस परमाणु परीक्षण के दौरान अमेरिकी वायुसेना के लेफ्टिनेंट जैक हार्पर का रोल अहम रहा।

पुराने बमों की एक्सपायरी 20 साल बढ़ाई

दावा किया जा रहा है कि इस परमाणु परीक्षण से 3 महीने पहले ही अमेरिका के वॉशिंगटन में गुप्त बैठक हुई थी। इसमें अमेरिकी रक्षा विभाग के वैज्ञानिकों ने बताया था कि बी61-12 बमों की सेवा अवधि को 20 साल बढ़ा दिया गया है। पुराने बी61 मॉडल्स को नष्ट करने के बजाए, इन्हें आधुनिक बनाया गया।

यूक्रेन पर रूसी सैनाओं का बड़ा हमला

430 ड्रोन और 18 मिसाइलों का इस्तेमाल, 6 की मौत, 35 घायल

एजेंसी ⏭ कीव

रूस द्वारा शुक्रवार तड़के यूक्रेन पर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 35 लोग घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि देश भर में हुए इस हमले में कम से कम 430 ड्रोन और 18 मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। देश के अन्य क्षेत्रों में हुए इस हमले का निशाना कीव था। यह हमला आम नागरिकों को यथासंभव अधिक नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया था। दार्नित्स्की जिले में

दार्नित्स्की जिले में हमले से तबाह इमारत

मलबा एक आवासीय इमारत के प्रांगण और एक शैक्षणिक संस्थान के परिसर में गिर गया। गिरते हुए मलबे की चपेट में आने से एक कार में आग लग गई। द्निप्रोव्स्की जिले में हमले के कारण तीन अपार्टमेंट, एक घर और खुले क्षेत्र में आग लग गई। हमले से पोदिल्स्की जिले में पांच भवन क्षतिग्रस्त हो गए।

शेयर बाजार Vs एसआईपी बेहतर है कौन

प्लानिंग | बिजनेस डेस्क

अगर आप भी एक नए निवेशक हैं और अपने पैसों को शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं, तो पहले आपको दोनों में से कहां से शुरुआत करनी चाहिए। आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं। आइए जानते हैं।

पैसों का निवेश जरूरी

पैसों का निवेश करना बहुत ही जरूरी होता है। ऐसे में हर व्यक्ति को अपनी बचत को एक अच्छी जगह निवेश जरूर करना चाहिए, जिससे वह अपनी वेल्थ को बढ़ा सकें। पैसों को निवेश करने के लिए कई सारे विकल्प मौजूद हैं। कुछ लोग सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं, जिसके लिए वह बैंक एफडी और स्मॉल सेविंग स्कीम में अपने पैसों का निवेश करते हैं। वहीं कुछ लोग ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए रिस्क लेते हैं और शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में अपने पैसों का निवेश करते हैं। अगर आप भी एक नए निवेशक हैं, और अपने पैसों को शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं, तो पहले आपको दोनों में से कहां से शुरुआत करनी चाहिए. आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं।

आइए जानते हैं नए निवेशक कहां से शुरू करें निवेश

बात करें शेयर बाजार में निवेश की तो शेयर बाजार में निवेश काफी रिस्क भरा होता है। किसी भी कंपनी के शेयर खरीदने पर आपको कितना रिटर्न मिलेगा, यह सीधा शेयर की कीमत पर निर्भर करता है। शेयर की कीमत बढ़ भी सकती है और घट भी सकती है। कीमत घटने पर आपको नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले आपको कंपनी के कारोबार, बैलेंस शीट और सेक्टर ट्रेंड्स की समझ जरूर होनी चाहिए। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले आपको म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए।

नए निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड बेस्ट

अब बात कर लेते हैं म्यूचुअल फंड में निवेश की, तो शेयर बाजार में पहले न निवेश कर आपको सबसे पहले एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए। म्यूचुअल फंड के जरिए भी आपके पैसे शेयर बाजार में ही लगाए जाते हैं लेकिन यह पैसे कब और कैसे और कितना लगाना है, यह फंड मैनेजर तय करते हैं। एसआईपी में आप बस हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करते हैं। लंबे समय तक निवेश कर आप यहां औसतन 12 प्रतिशत की दर से रिटर्न पा सकते हैं। शुरुआत में म्यूचुअल फंड में निवेश कर आप बाजार की चाल को समझ सकते हैं और आपको शेयर बाजार की समझ भी होगी। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले एक बार म्यूचुअल फंड में निवेश जरूर करें।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

▸▸ आप 80 हजार रुपये या 2 लाख रुपये महीना कमाएं। बिना किसी सही मनी प्लान के यह पैसा आपकी सोच से भी तेज गायब हो जाता है।'

अनजाने और अनचाहे खर्च को रोकना होगा, मिडिल क्लास को नहीं रहेगी टेंशन

सैलरी मिलने के कुछ दिन बाद ही पर्स हो जाता है खाली, ये टिप्स आएंगे काम

उदाहरण से समझें : रिया 90,000 रुपये महीना कमाती है। वह हर महीने लगभग 20,000 रुपये सिर्फ रोज की कॉफी, लंच, स्नैक्स और वीकेंड पर बाहर घूमने में खर्च कर देती है। यह साल का 2.4 लाख रुपये हो जाता है। अगर इसकी आधी रकम भी 11% सालाना रिटर्न के साथ निवेश की जाए तो पांच साल में 8.4 लाख रुपये का फंड बन सकता है।

महीने की शुरुआत में जब फोन पर सैलरी अकाउंट में क्रेडिट होने का मैसेज आता है तो काफी खुशी होती है। लेकिन यह खुशी कुछ दिनों तक ही रहती है। 15-20 दिन गुजरने के बाद आर्थिक तंगी के हालात शुरू हो जाते हैं। ऐसा काफी लोगों के साथ होता है। मिडिल क्लास के साथ तो लगभग हर महीने यही स्थिति रहती है। 15-20 दिन बीतने के बाद चिंता सताने लगती है कि आखिर सैलरी का पैसा कहां खर्च हो गया? एक्सपर्ट ने कुछ सुझाव दिए हैं जिसमें इसका कारण और समाधान भी बताया है गया है। एक्सपर्ट के अनुसार हमसे कुछ अनजाने और अनचाहे खर्च ऐसे हो जाते हैं जिनके कारण धीरे-धीरे सैलरी का पैसा खर्च होना शुरू हो जाता है। हालात कई बार ऐसे आ जाते हैं कि सैलरी मिलने के 20 दिन बाद ही बटुआ खाली हो जाता है। समस्या यह नहीं है कि आप कितना कमाते हैं, बल्कि यह है कि आप उस पैसे को कैसे मैनेज करते हैं।

कहां गया सारा पैसा?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक 'आपकी सैलरी अभी-अभी क्रेडिट हुई है। वो खुशी वाला अलर्ट देखकर मुस्कान आ जाती है, है ना? लेकिन 20 दिन बाद आपका यूपीआई बैलेंस आपको सोचने पर मजबूर कर देता है- सारा पैसा कहां गया? यह कहानी कई मिडिल क्लास भारतीयों की है।'

आपकी लाइफ कैसी होगी यह आपके कमाने पर निर्भर नहीं होता है, बल्कि यह निर्भर करता है कि आप बचाते कितना है। उन्होंने लिखा है, 'आप 80 हजार रुपये या 2 लाख रुपये महीना कमाएं। बिना किसी सही मनी प्लान के यह पैसा आपकी सोच से भी तेज गायब हो जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि दौलत सिर्फ कमाई से नहीं, बल्कि मैनेजमेंट और लगातार कोशिशों से बनती है।

उदाहरण से समझें गणित

अपनी बात को समझाने के लिए हम एक उदाहरण का सहारा लेते हैं। एक लड़की रिया जो एक कंसल्टेंट हैं और 90,000 रुपये महीना कमाती हैं। वह हर महीने लगभग 20,000 रुपये सिर्फ रोज की कॉफी, लंच, स्नैक्स और वीकेंड पर बाहर घूमने में खर्च कर देती हैं। यह साल का 2.4 लाख रुपये हो जाता है। अगर इसकी आधी रकम भी 11% सालाना रिटर्न के साथ निवेश की जाए तो पांच साल में 8.4 लाख रुपये का फंड बन सकता है। छोटे-छोटे फैसले चुपके से बड़ी दौलत बन जाते हैं।

आखिर क्यों 'गायब' हो जाती है सैलरी

सैलरी गायब होने के पीछे असली वजह अनकॉन्शियस स्पेंडिंग यानी ऐसे खर्च है जो अनजाने में होता है। कई बार ऐसे छोटे खर्चे होते हैं जिन पर ध्यान नहीं दिया जाता। उनके मुताबिक हमारा दिमाग बड़े खर्चे पहचान लेता है लेकिन छोटे खर्चे जैसे- रोजाना का खर्च, सब्सक्रिप्शन, अचानक कुछ खरीदना आदि खर्च का पता ही नहीं चलता। इस कारण हर महीने 25 से 40 हजार रुपये चुपके से खर्च हो जाते हैं। यही कारण है कि सैलरी आने के बाद महीना खत्म होने से पहले ही बटुआ खाली हो जाता है।

ये हैं काम के टिप्स

ऐसे अनचाहे खर्च को रोकने और पैसे पर कंट्रोल के लिए 4 टिप्स हैं। अपनी सैलरी की तरह हर महीने बचत को ऑटोमेटिक कर लें। इसके लिए किसी मुश्किल अकाउंट की जरूरत नहीं है। **बस 4 आसान पॉकेट बना लें।**

ये इस प्रकार हैं :

1. सैलरी हब : यह आपका मुख्य इनकम अकाउंट है। यानी आपकी सैलरी इसी अकाउंट में आती है।
2. सेफ्टी नेट : इसमें इमरजेंसी फंड और लक्ष्य-आधारित बचत के लिए पैसा रखें। यह रकम 60:40 के रेश्यो में होनी चाहिए।
3. ग्रोथ इंजन : यह अकाउंट सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) और ऑटोमेटेड इन्वेस्टमेंट के लिए है।
4. डेली एक्सपेंसेसः यह अकाउंट यूपीआई और बिल पेमेंट के लिए है। यह आपकी सेविंग से अलग होगा।

टाइमिंग का रखें ध्यान

ऊपर बताए चार पॉकेट में पैसा समय पर इन्वेस्ट कर दें। यहां टाइमिंग बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोगों की सैलरी महीने की आखिरी तारीख (30 या 31) या 1 तारीख को आ जाती है। ऐसे में हर महीने की 2 तारीख को ऑटोमेटिक ट्रांसफर सेट करें। महीने के बीच में खर्चों की समीक्षा करें और 25 तारीख तक अगले महीने की तैयारी कर लें।

ये तीन मंत्र काम के

पैसा कमाना एक स्किल है। पैसा बचाना एक आर्ट है और पैसे को कंपाउंड करना (ब्याज पर ब्याज कमाना) साइंस है। इन तीनों में महारत हासिल करें। ऐसे में फाइनेंशियल फ्रीडम अपने आप मिल जाएगी। पैसे का सही प्रयोग ही हमें जल्दी अमीर बना सकता है।

एक लाख 3 साल की एफडी में निवेश करने पर कौन सा बैंक दे रहा है सबसे ज्यादा रिटर्न

नॉलेज | बिजनेस डेस्क

“आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं। आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं।

आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं. आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं। जब भी पैसों को निवेश करने की बात आती है, तो ज्यादातर लोग अपने पैसों को बैंक एफडी में ही निवेश करना पसंद करते हैं. इसका कारण एफडी में मिलने वाला फिक्स्ड रिटर्न और पैसों की सुरक्षा है. देश के अलग अलग बैंकों द्वारा अपनी अलग अलग अवधि वाली एफडी पर अलग अलग ब्याज दर से रिटर्न ऑफर किया जाता है. आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं. आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं।

प्राइवेट बैंक इंडसइंड बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में सबसे ज्यादा ब्याज दर से रिटर्न ऑफर कर रहा है। इस बैंक की 3 साल की एफडी की ब्याज दरें 6.65 प्रतिशत हैं। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,950 रुपये मिलेंगे।

एक्सिस बैंक की 3 वर्ष की एफडी

प्राइवेट बैंक एक्सिस बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.60 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,800 रुपये मिलेंगे।

एचडीएफसी की 3 वर्ष की एफडी

प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.40 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,200 रुपये मिलेंगे।

एसबीआई की 3 साल की एफडी

सरकारी बैंक एसबीआई अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.30 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,18,900 रुपये मिलेंगे

केनरा बैंक की 3 वर्षीय एफडी

सरकारी बैंक केनरा बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.25 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,18,750 रुपये मिलेंगे।

एफडी के अलावा इन 5 सरकारी स्कीम में करें पैसों का सुरक्षित निवेश

बैंक एफडी के अलावा भी सुरक्षित निवेश के लिए कई सारे विकल्प मौजूद हैं। एफडी के अलावा आप सरकार की स्मॉल सेविंग स्कीम में अपने पैसों का निवेश कर सकते हैं। आइए जानते हैं।

जब भी पैसों को निवेश करने की बात आती है तो ज्यादातर लोग अपने पैसों को केवल बैंक एफडी में ही निवेश करते हैं क्योंकि बैंक एफडी में पैसा सुरक्षित रहता है यानी पैसों के खो जाने का कोई डर नहीं होता है लेकिन बैंक एफडी के अलावा भी ऐसी कई स्कीम हैं, जहां लोग अपने पैसों को सुरक्षित तरीके से निवेश कर सकते हैं और काफी अच्छा रिटर्न पा सकते हैं। हम बात कर रहे हैं सरकार की स्मॉल सेविंग स्कीम के बारे में। स्मॉल सेविंग स्कीम में आपको एक निश्चित ब्याज दर से रिटर्न मिलता है, और यह सरकारी स्कीम है. ऐसे में आपको पैसों की पूरी सुरक्षा भी मिलेगी। आइए जानते हैं बैंक एफडी के अलावा आप किस-किस सरकारी स्कीम में पैसों का निवेश कर सकते हैं

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट यानी एनएससी पोस्ट ऑफिस की सरकारी स्कीम है, जहां आपको 5 साल की अवधि के लिए अपने पैसों का निवेश करना होता है। नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट में आपको 7.7 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है।

सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम

अगर आपकी उम्र 60 साल से अधिक है तो आप सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम में 5 सालों के लिए अपने पैसों को निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम में 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है। यहां आप अधिकतम 30 लाख रुपये का निवेश कर सकते हैं।

पोस्ट ऑफिस आरडी

अगर आप एक साथ निवेश न कर थोड़ा थोड़ा निवेश करना चाहते हैं तो आप पोस्ट ऑफिस की आरडी में निवेश कर सकते हैं. यहां आपको हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करनी होती है. इस स्कीम का मैच्योरिटी पीरियड 5 साल का होता है। आरडी में 6.7 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है।

किसान विकास पत्र

पोस्ट ऑफिस की किसान विकास पत्र यानी केवीपी स्कीम में आप अपने पैसों को 115 महीनों के लिए निवेश करके उन्हें डबल बना सकते हैं। किसान विकास पत्र स्कीम में 7.5 प्रतिशत सालाना की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है. ऐसे में आप यहां भी निवेश कर सकते हैं।

स्मार्ट निवेशक ऐसे पहचानते हैं म्यूचुअल फंड बेचने का सही वक्त

सुझाव
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में इन्वेस्टमेंट करने की बात तो हर निवेशक करता है, कौन सा फंडसबसे अच्छा है, कौन सा फंड मैनेजर बेहतर रिटर्न दे रहा है, या कौन सी स्कीम में पैसा लगाना चाहिए। हालांकि जब बात आती है म्यूचुअल फंड बेचने की, तो ज्यादातर लोग या तो गलत समय पर बेच देते हैं या फिर कभी बेचते ही नहीं, जबकि सच यह है कि जितना जरूरी इन्वेस्टमेंट करना है, उतना ही जरूरी है सही समय पर बेचना भी। अगर आप यह नहीं जानते कि म्यूचुअल फंड कब बेचना चाहिए, तो आपका अच्छा फंड भी नुकसान में बदल सकता है। अक्सर ऐसा होता है कि मार्केट में गिरावट आते ही निवेशक घबरा जाते हैं और अपने फंड को बेच देते हैं। यह सबसे आम लेकिन सबसे बड़ी गलती होती है। जैसे कि 2008 के वित्तीय संकट के दौरान कई निवेशकों ने डरकर अपने फंड बेच दिए थे, लेकिन उस टाइम पर अगर उन्होंने धैर्य रखा होता, तो अगले पांच सालों में उनकी रकम दोगुनी हो सकती थी, तो इसलिए, मार्केट गिरने पर डरकर फंड बेचना नहीं, बल्कि धैर्य रखना जरूरी होता है।

गलत समय पर म्यूचुअल फंड बेचने से हो सकता है भारी नुकसान

कब नहीं बेचना चाहिए?

कई बार फंड कुछ महीनों के लिए खराब प्रदर्शन करते हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि फंड खराब है। हर इन्वेस्टमेंट प्रोडक्शन के उतार-चढ़ाव के चक्र होते हैं। अगर आपने किसी उद्देश्य के लिए निवेश किया है, जैसे बच्चे की पढ़ाई, शादी या रिटायरमेंट, तो बीच में फंड बेचने की गलती न करें। इसके अलावा, सिर्फ इसलिए फंड न बेचें क्योंकि आपका कोई दोस्त या रिश्तेदार किसी नए फंड में निवेश कर रहा है। वैसे निवेशकों को औसतन करीब 3-4% कम रिटर्न मिल सकता है क्योंकि वे गलत समय पर फंड बेच देते हैं, यानी निवेशक खुद अपने नुकसान के जिम्मेदार बन जाते हैं।

कब बेचना चाहिए फंड?

म्यूचुअल फंड में निवेश जितना जरूरी है, उतना ही अहम है सही समय पर उसे बेचना। फंड को बेचना किसी जल्दबाजी का नहीं बल्कि एक रणनीतिक फैसला होना चाहिए। अगर आपका फाइनेंशियल टारगेट जैसे बच्चे की शिक्षा, घर खरीदना या रिटायरमेंट पूरा हो गया है, तो मुनाफा बुक कर लेना समझदारी है। वहीं, अगर कोई फंड लगातार 2-3 साल से खराब प्रदर्शन कर रहा है या अपने बेंचमार्क से पिछड़ रहा है, तो इसे बदलने का समय आ गया है। जिंदगी में फाइनेंशियल बदलाव जैसे नौकरी छूटना या रिटायरमेंट की स्थिति में जोखिम कम करना चाहिए। इसके अलावा, जब मार्केट ऊंचाई पर हो, तब आंशिक मुनाफा निकालकर अपनी पूंजी सुरक्षित करना बेहतर प्लानिंग मानी जाती है।

फंड बेचने से पहले ये रखें ध्यान

म्यूचुअल फंड बेचने से पहले जल्दबाजी में कोई कदम उठाना नुकसानदायक हो सकता है। सबसे पहले अपने फंड की पूरी समीक्षा करें, क्या फंड मैनेजर, निवेश प्लानिंग या खर्च संरचना में कोई बड़ा बदलाव हुआ है? अगर हां, तो स्थिति को समझकर निर्णय लें। किसी भी कदम से पहले अपने फाइनेंशियल सलाहकार की राय जरूर लें, ताकि नुकसान से बचा जा सके। तो याद रखें, म्यूचुअल फंड एक लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट है इसलिए बाजार के उतार-चढ़ाव में घबराने की बजाय धैर्य रखें और अपनी वित्तीय योजना से भटकें नहीं। भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। जुलाई 2024 से जुलाई 2025 के बीच इसका आकार 64.96 लाख करोड़ से बढ़कर 75.35 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को पेश करता है।

सही डिसीजन पर टिका है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड में असली सफलता सिर्फ अच्छे फंड चुनने से नहीं, बल्कि सही समय पर निर्णय लेने से आती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए गिरावट से घबराने की बजाय अपने फाइनेंशियल टारगेट पर फोकस रखें। समय पर फंड बेचना न सिर्फ आपकी पूंजी बचाता है, बल्कि मुनाफे को भी दोगुना कर सकता है।

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में जबरदस्त ग्रोथ

भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। जुलाई 2024 से जुलाई 2025 के बीच इसका आकार 64.96 लाख करोड़ से बढ़कर 75.35 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को पेश करता है। यह साबित करता है कि लोग अब पारंपरिक निवेश की बजाय म्यूचुअल फंड्स को दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण का साधन मान रहे हैं। हालांकि, केवल निवेश करना ही काफी नहीं है। सही समय पर फंड बेचना भी एक समझदार निवेशक की पहचान होती है। बाजार की स्थिति, अपने लक्ष्य और फंड के प्रदर्शन को समझकर निर्णय लेना ही सफल निवेश की कुंजी है।

सही डिसीजन पर टिका है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड में असली सफलता सिर्फ अच्छे फंड चुनने से नहीं, बल्कि सही समय पर निर्णय लेने से आती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए गिरावट से घबराने की बजाय अपने फाइनेंशियल टारगेट पर फोकस रखें। समय पर फंड बेचना न सिर्फ आपकी पूंजी बचाता है, बल्कि मुनाफे को भी दोगुना कर सकता है।

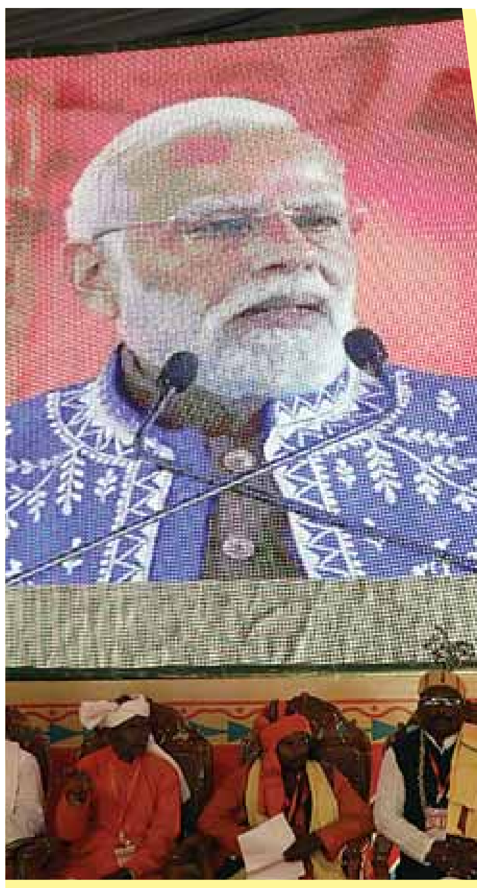

जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े प्रधानमंत्री

स्वाधीनता संग्राम में जनजातियों का योगदान अतुलनीय : मोदी

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि स्वाधीनता संग्राम में देश के विभिन्न अचंलों में जनजातीय वीरों और जननायकों ने आजादी के लिए अपना लहू बहाया। इन वीरों ने अपना त्याग किया, पर अंग्रेजों को चैन से बैठने नहीं दिया। स्वाधीनता संग्राम के उस प्रारंभिक काल में जनजातीय जननायकों ने जो योगदान दिया, उसे हम भुला नहीं सकते, पर इतिहासकारों और तत्कालीन सरकारों ने इनके योगदान को सिरे से नकार दिया। देश के स्वाधीनता संग्राम में जनजातियों का योगदान अतुलनीय है, अभूतपूर्व है। इसीलिए हमने यह बीड़ा उठाया है कि जनजातीय वीरों और जननायकों के बारे में आज की नई पीढ़ी को भी अवगत कराया जाए। हर साल 15 नवम्बर को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी का जन्मदिन होता है। इस विशेष दिन को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने के पीछे हमारी यही मंशा है कि जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सबकुछ न्यौछावर कर दिया, हम सब उनके बारे में जानें, समझें, विचार करें और इन शूरवीरों के योगदान को श्रद्धानवत होकर नमन् करें। प्रधानमंत्री श्री मोदी शनिवार को गुजरात के नर्मदा जिले से राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह का देशव्यापी सीधा प्रसारण किया गया। मध्यप्रदेश के जबलपुर में आयोजित राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के इस वर्चुअल संबोधन का सभी ने श्रवण किया तथा उनके आह्वान पर देश के सभी जनजातीय वीरों और जननायकों को नमन किया। राज्यस्तरीय कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल और केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उइके विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

जनजातीय प्रतिभाएं सम्मानित

कार्यक्रम में राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा विशिष्ट उपलब्धियां प्राप्त करने वाले जनजातीय समुदाय के युवाओं, चित्रकारों और सिकल सेल एनीमिया पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले डॉक्टर्स को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हाल ही में सम्पन्न आईसीसी महिला क्रिकेट विश्वकप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छतरपुर जिले की महिला क्रिकेटर सुश्री क्रांति गौड़ को 1 करोड़ का चेक और प्रशस्ति-पत्र दिया गया। अतिथियों द्वारा पद्मश्री श्री अर्जुन सिंह धुर्वे, श्रीमती फुलझारिया बाई, श्रीमती उजियारो बाई, विक्रम अवॉर्डी सुश्री रागिनी मार्को, सुश्री सृष्टि सिंह तथा राज्य शासन के सहयोग से विदेश में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी आशाराम पालवी एवं रवि मेड़ा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रतियोगी परीक्षा पास करने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति समूह (पीवीटीजी) के चयनित 6 अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र दिया गया। कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जनजातीय वर्ग के दो मेधावी विद्यार्थियों को महाराजा शंकर शाह और रानी दुर्गावती मेधावी पुरस्कार प्रदान किए गए।

शालिनी एप का लोकार्पण

अतिथियों द्वारा जनजातीय कार्य विभाग की योजनाओं की एक ही स्थान पर एकीकृत जानकारी के लिए तैयार शालिनी एप का लोकार्पण किया गया। अतिथियों द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत चयनित जनजातीय वर्ग हितग्राहियों को हितलाभ वितरण भी इस अवसर पर किया गया।

जनजातीय महानायकों ने अंग्रेजों के दांत खट्टे किए: डॉ यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर की धरती पर गोंडवाना के शहीद शंकर शाह और रघुनाथ शाह ने देशभक्ति की सबसे बड़ी मिसाल पेश की। निमाड़ की पावन धरती पर भील योद्धा भीमा नायक ने अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए। खंडवा-बुरहानपुर के टांट्या भील ने अंग्रेजी राज की कमर तोड़ दी। झाबुआ-आलीराजपुर में खाज्या नायक ने क्रांतिवीरों को संगठित कर अंग्रेजों को खुली चुनौती दी। भोपाल की रानी कमलापति ने विदेशी ताकतों के आगे झुकने के बजाय स्वाभिमान का रास्ता चुना। मंडला-जबलपुर की अमर नायिका महारानी दुर्गावती विदेशी शासन के विरुद्ध जनजातीय प्रतिरोध की सबसे बड़ी प्रेरणा बनी। महारानी दुर्गावती ने अपने जीवन में अकबर और शेरशाह सूरी से कुल 52 युद्ध लड़े और इनमें से 51 युद्ध जीते।

662 करोड़ के विकास कार्यों की मिली सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज प्रदेशभर के जनजातीय भाई-बहनों के सर्वांगीण विकास और कल्याण के लिए कुल 662 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले 133 विकास कार्यों की सौगात दी गई है। इसमें 564 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 106 विकास कार्यों का लोकार्पण और 98 करोड़ से अधिक लागत के 27 विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। इसके साथ ही हमने शालिनी ऐप का भी लोकार्पण भी किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल विज्ञान पुरस्कार योजना के हितग्राही छात्रों को भी सम्मानित किया गया है। जनजातीय वर्ग के हित में महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत संचालित सभी कन्या छात्रावास और आश्रमों का नाम अब वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर रखा जाएगा। इसी प्रकार बालक छात्रावासों को भी अब महाराजा शंकर शाह के नाम पर संचालित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय छात्रावासों के बेहतर संचालन के लिए छात्रावास अधीक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती की आवश्यकता बताते हुए अगले वर्ष से प्रदेश के 5000 छात्रावासों के अधीक्षकों की भर्ती करने की घोषणा की।

हाथों में होंगी योजनाएं: शाह

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि प्रदेश के जनजातीय बंधु बोलते थे कि शासन की सभी योजनाओं हमारे हाथों में कैसे आएं। इसके लिए जनजातीय कार्य विभाग ने ऐप तैयार किया है। आज राज्यपाल और मुख्यमंत्री की उपस्थिति में शालिनी ऐप का लोकार्पण कर दिया गया है। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि पूरा देश जनजातीय गौरव दिवस मना रहा है। उन्होंने प्रदेश भर में इस समारोह में आए सभी जनजातीय बंधुओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के आरंभ में राज्यपाल श्री मंगु भाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जनजातीय समुदाय की पारम्परिक वेशभूषा और मोर मुकुट पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत वंदे मातरम् गायन एवं समापन राष्ट्रगान जन-गण-मन गायन से हुआ।

जनजातीय संस्कृति की दिखी झलक

कार्यक्रम का परम्परागत जनजातीय विधि से साल, तेंदू और साजा वृक्ष की पूजा तथा दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ हुआ। आयोजन के दौरान आदिवासी धर्मगुरुओं को बिरन माला पहनाकर सम्मानित किया गया, वहीं धर्मगुरुओं ने भी राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत कर वातावरण को और अधिक गरिमामय बना दिया। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में विशेष उपलब्धियां हासिल करने वाली जनजातीय वर्ग की प्रतिभाओं का सम्मान भी किया गया।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में जनजातीय मामलों के केन्द्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, राज्यसभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा बाल्मिकी, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, डॉ. अभिलाष पांडे, नीरज सिंह एवं संतोष बरकड़े, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश भाजपा के कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, भाजपा के नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, भाजपा के जिला ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज व सोनू बचवानी भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

जनजातीय गौरव दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होने जबलपुर पहुँचे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आधारताल तिराहा स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ यादव भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पर गैरिसन ग्राउंड सदर में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होने के बाद आधारताल तिराहा पहुँचे थे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने माल्यार्पण करने के बाद भगवान बिरसा मुंडा अमर रहे के नारे भी लगाये। इस अवसर पर उनके साथ लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, जनजातीय कार्य मंत्री डॉ कुंवर विजय शाह, सांसद अशीषृ दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नु, विधायक सुशील तिवारी इंदु, डॉ अभिलाष पांडे, नीरज सिंह, भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, भाजपा के नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, भाजपा के जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) राजकुमार पटेल भी मौजूद थे।

आकर्षण का केंद्र रही प्रदर्शनी

जबलपुर में आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत लगाई गई भव्य प्रदर्शनी दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी। प्रदर्शनी में प्रदेश की जनजातीय परंपराओं, जनजातीय नायकों के योगदान तथा सरकार की जनजातीय हितैषी योजनाओं को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी में भगवान बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती, रानी कमलापति, झलकारी बाई, भीमा नायक, खाज्या नायक, बादल भोई, डेलन शाह सहित अनेक जनजातीय वीर-नायकों के जीवन संघर्ष, बलिदान और प्रेरक प्रसंगों को आकर्षक चित्र-पैनलों के माध्यम से दर्शाया गया। प्रदर्शनी के सांस्कृतिक अनुभाग में प्रदेश की भील, गोंड़, कोरकू, कोल, बैगा, सहरिया और भारिया जनजाति के कलाकारों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा, वाद्य-संगीत और लोकनृत्यों के माध्यम से अपनी संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने प्रदर्शनी स्थल पर पहुँचकर भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके, प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग मंत्री कुँवर विजय शाह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी तथा बड़ी संख्या में आगंतुक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया रोड शो

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आज शनिवार को पूरे शहर में जनजातीय गौरव दिवस की गरिमा देखते ही बनी। गौरव दिवस का राज्य-स्तरीय समारोह गैरीसन ग्राउंड में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहर में समन्वय चौक से सृजन चौक तक भव्य रोड शो निकाला। रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव के स्वागत के लिए आमजनों में भारी उत्सुकता दिखाई दी। आमजनों ने पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जोरदार स्वागत किया। जनजातीय परंपरागत लोक नृतक दलों ने रोड-शो के दौरान आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी।

ब्लेसिंग पब्लिक स्कूल में बाल दिवस पर लगाई गई विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी

जबलपुर। ब्लेसिंग पब्लिक स्कूल में बाल दिवस के अवसर पर विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सामूहिक गायन के साथ हुई।

विद्यालय की निदेशक डॉ. श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव, आस्था श्रीवास्तव एवं आर्या श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थियों ने तेज परिवहन व्यवस्था, प्रदूषण, डिजिटल क्रांति, नगर की सफाई व आधुनिक जीवनशैली जैसे विषयों पर रचनात्मक मॉडल प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि डॉ. अखिलेश गुमास्ता ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विद्यार्थियों को स्वस्थ दिनचर्या अपनाने और सूर्योदय पूर्व जागने की प्रेरणा दी।

विशिष्ट अतिथियों में प्रो. करुणा वर्मा, वरिष्ठ पत्रकार अनुरोध पटेरिया, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विवेक पटेल, अधिवक्ता अन्वेष वर्मा, डॉ. अंकिता वर्मा, एसआई शिखा पाठक सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत विद्यालय परिवार की ओर से राहुल पटेल, शैलेंद्र राय, निहाल पटेल तथा अन्य शिक्षकों ने किया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत राम मंदिर, स्वर्ण मंदिर, चर्च, जैन मंदिर, बौद्ध स्थल, काबा व मक्का-मदीना जैसे बहुधर्मीय मॉडल "विविधता में एकता" की उत्कृष्ट मिसाल रहे। अतिथियों ने बच्चों की कल्पनाशक्ति, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और टीमवर्क की सराहना की। अभिभावकों ने भी बच्चों के मॉडलों और उनके कार्यप्रणाली की जानकारी लेकर उनकी हौसला-अफ़जाई की। प्रदर्शनी में साक्षी पटेल, रीता कुर्मी, सिद्धिका अंसारी, अंश पटेल, हर्षल पटेल, पूर्णेश मिश्रा, माही पटेल, श्रद्धा लोधी, रितिका पटेल, शिवांक पटेल, कृति सेंगर, प्रिंस जायसवाल, रुद्राक्ष शर्मा, अंशिका वर्मा, अनुष्का वर्मा, आदित्य सोनी, तनीषा पटेल, गुनगुन यादव सहित अनेक विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन पंडित चंद्रशेखर शर्मा ने किया तथा आभार प्रदर्शन आर्या आस्था श्रीवास्तव ने किया। शिक्षक शिक्षिकाओं की टीम शारदा तिवारी, सिमरन कछवाहा, रुबी श्रीवास्तव, रितु साहू, विष्णु शुक्ला, अंजलि नामदेव, दिव्या चौधरी आदि ने प्रदर्शनी को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पूर्व सैनिकों के लिए मिलन समारोह आयोजित

जबलपुर। जम्मू एंड कश्मीर राइफल्स रेजिमेंट का 32वाँ द्विवार्षिक सम्मेलन जबलपुर स्थित रेजिमेंटल सेंटर में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता लेफ्टिनेंट जनरल एम.पी. सिंह ने की। कार्यक्रम की शुरुआत सैनिक सम्मेलन से हुई, जहाँ कर्नल ऑफ द रेजिमेंट ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी और सभी रैंकों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ बटालियन को "कर्नल ऑफ द रेजिमेंट बैनर" प्रदान किया गया। शाम को सभी रैंकों और पूर्व सैनिकों के लिए मिलन समारोह आयोजित हुआ, जिसने रेजिमेंट की परंपराओं और भाईचारे को उजागर किया। इसी दौरान फैमिली वेलफेयर मीट भी हुआ, जिसकी अध्यक्षता श्रीमती जसवीर कौर ने की। उन्होंने 'स्वावलंबन' एवं 'अन्नपूर्णा' जैसी कल्याणकारी परियोजनाओं की प्रशंसा की। समारोह में वरिष्ठ अधिकारियों, पूर्व सैनिकों तथा परिवारों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। दो दिवसीय सम्मेलन ने रेजिमेंट की गौरवशाली परंपराओं, एकता और राष्ट्र सेवा के संकल्प को और मजबूत किया।

आधा माह बीतने के पश्चात खुली दुकान उपभोक्ताओं को नहीं मिला राशन

बरेला। राज्य सरकार के स्पष्ट निर्देश है की प्रतिमाह प्रतिदिन नियमित तौर पर राशन दुकान खोली जावे तथा हितग्राहियों को शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों पर गेहूं, चावल, नमक और शक्कर प्रदान की जाए किन्तु ग्राम पंचायत बिलहरी स्थित राशन दुकान नियमित ना खुलने पर उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं। तथा राशन दुकानों के चक्कर काटने विवश हो रहे हैं। सहकारी समिति पड़वारअंतर्गत बिलहरी उचित मूल्य की दुकान संचालित की जा रही हैं। इन राशन दुकान में पदस्थ सेल्समैन मनमर्जी से संचालित

कर रहे हैं। शनिवार को सेल्समेन द्वारा इस महीने के 15 दिन बीत जाने के पश्चात दुकान खोली गई किंतु इस पर सेल्समैन द्वारा केवल उपभोक्ताओं के अंगूठे लगवाए गए तथा उपभोक्ताओं को कोई भी समग्र वितरित नहीं की। सेल्समैन द्वारा उपभोक्ताओं को पीओएस मशीन में अंगूठा लगवाने के 15 दिन और 1 महीने के बाद राशन दिया जाता है तथा उपभोक्ताओं को कोई पर्ची नहीं दी जा रही है ।ग्रामीणों का आरोप है कि सहकारी समिति में पदस्थ प्रबंधक कनिष्ठ खाद्य आपूर्ति अधिकारी द्वारा राशन दुकानों का निरीक्षण नहीं किया जाता है। ग्रामीणों ने ख़ाद्य विभाग के उच्च अधिकारियों से राशन दुकानों के औचक निरीक्षण की मांग की है तथा राशन दुकानों के भौतिक सत्यापन की मांग की है

ग्राम पंचायत अमगवां नवीन का मामला

सरपंच सचिव पर विकास कार्य शुरू करने के पहले ही राशि आहरित करने का आरोप

सिहोरा।

जनपद पंचायत सिहोरा की ग्राम पंचायत अमगवां नवीन में सरपंच,सचिव की मिली भगत से ग्राम विकास के लिए आई राशि को विकास कार्य शुरू किए बिना ही आहरित करने का आरोप ग्राम के पंच एंव ग्राम वासियों द्वारा कलेक्टर एंव जिला पंचायत जबलपुर को भेजी शिकायत में लगाया गया है।

आरटीआई से खुली पंचायत की पोल

ग्राम पंचायत के पंच विजय पटेल पंच आशीष पटेल आरटीआई कार्यकर्ता पवन सोनी को ग्राम पंचायत ने आरटीआई के तहत जो जानकारी दी गई है उसमें ग्राम पंचायत में केंद्र सरकार के पांचवें वित्त और राज्य सरकार के 15 वें वित्त मैं जिन कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई उनमें अधिकांश काम शुरू तक नहीं हुए । ग्राम पंचायत अमगवां नवीन के ग्राम अमगवां एवं मुरता में आंगनवाड़ी के नए भवन निर्माण के लिए पंचायत विभाग द्वारा 7 लाख 80 हजार रुपए तथा महिला एवं बाल विकास द्वारा 7 लाख 80 हजार रुपए की तकनीकी स्वीकृति प्रदान की गई शिकायतकर्ता के अनुसार सरपंच, सचिव ने आपसी मिली भगत कर स्वीकृत राशि से कई गुना अधिक 27 लाख 57 हजार 438 रुपए की राशि का आहरण कर लिया और दोनों ग्रामों में आंगनवाड़ी भवन का निर्माण पूरा नहीं हो सका।

निष्पक्ष जांच कराने की मांग

इसी प्रकार कार्यालय व्यय के नाम से फर्जी बिल लगाकर 17 लाख 4 हजार रुपए का भुगतान आकाश कंस्ट्रक्शन के नाम से कर दिया जबकि आकाश कंस्ट्रक्शन का काम रेत गिट्टी सीमेंट बेचने का है। पंचायत द्वारा पोल्ट्री फार्म शाला परिसर में फेवर व्लाक सहित अन्य कार्यों में अनियमितता का आरोप लगाया है ग्राम वासियों ने कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सिहोरा जबलपुर से ग्राम पंचायत अमगवां नवीन के सरपंच,सचिव द्वारा आपसी मिली भगत से की गई अनियमितता की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है।

इनका कहना है

शिकायत प्राप्त हुई थी इंजिनियर कार्य का मुलाकंन कर रहे हैं प्रथम द्रष्टया ऐसी कोई गड़बड़ी प्रतीत नहीं हो रही है पंचायत स्तर पर स्वीकृत कार्य के अनुरुप राशि आती है उससे अधिक की राशि आहरित नहीं की जा सकती।

आशा देवी पटले
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत सिहोरा

बारिश के बाद भी हिनोतिया भोई से बिलहरी मार्ग का नहीं किया जा रहा मेंटनेंस कार्य

बरेला। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत कुछ वर्षों पूर्व बरेला पड़वार मार्ग पर हिनोतिया भोई से बिलहरी मार्ग का निर्माण कराया गया था। वर्तमान में दो वर्ष पूर्व 37 लाख की लागत से इस रोड का नवीनीकरण किया गया था किंतु इस रोड पर हैवी वाहन चलने के कारण यह रोड कुछ माह में ही पूर्णतया क्षतिग्रस्त हो गई है तथा इस रोड में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं तथा रोड के दोनों तरफ शोल्डर पट्टी का नाम तक नहीं है इसके कारण लोगों को आने-जाने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस रोड का नवीनीकरण हो जाने के पश्चात भी ठेकेदार द्वारा इस रोड की बारिश के बाद भी मरम्मत नहीं की गई है जिसके कारण यह रोड वर्तमान में खस्ताहाल हो गई है। स्थानीय निवासी गुड्डा श्रीपाल,मुन्ना श्रीपाल ने बताया कि इस रोड से दोपहिया वाहन से भी निकलना मुश्किल है किंतु इसके बावजूद भी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों द्वारा इस रोड का निरीक्षण न करने और ठेकेदार द्वारा समय समय पर इस रोड की दुरुस्ती नहीं की

जा रही है। इसकी वजह से लोगों को बारिश के बाद भी इस गड्ढे वाली सड़क से होकर गुजरना पड़ रहा है । ग्राम बिलहरी की राशन दुकान के पास रोड पूर्णता गड्ढों में तब्दील हो गई है।बताया जाता है कि ठेकेदार द्वारा इस रोड का नवीनीकरण होने के पश्चात समय समय पर कार्य नहीं कराया गया है ।ठेकेदार द्वारा केवल बोर्ड वगैरह ही बदले गए हैं किंतु मेंटेनेंस के नाम पर कोई भी कार्य नहीं किया गया है जिसके कारण लोगों को अभी भी मुश्किलो से जूझना पड़ रहा है।

पहरेवा में सभी राजनैतिक दलों की बड़ी बैठक

प्रदेश गठन के साथ ही सिहोरा को जिले का दर्जा मिल जाना था पर सौतेला व्यवहार किया गया : खम्परिया

सिहोरा। सिहोरा के साथ हो रहे सौतेले व्यवहार को रोक न पाने के कारण ही सिहोरा आज भी अपने गौरव से वंचित हैं उक्त आशय के उद्गार पुर्व विधायक नित्यनिरंजन खम्परिया ने पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश पाण्डेय के पहरेवा स्थित निवास पर जिला आन्दोलन से

प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुप से जुडे राजनैतिक अराजनैतिक समाजिक संगठनों की बैठक में व्यक्त किये। पूर्व जिला प्रचारक प्रमोद साहू,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जयप्रकाश दुबे,नन्द कुमार परोहा,साहित्यकार अश्वनी कुमार पाठक,किसान यूनियन के संभागीय अध्यक्ष एड रमेश पटैल,एड साधना जैन,सुनील जैन सहित 26 शाल पहले हुए जिला आन्दोलन का हिस्सा रहे लोगों की उपस्थिती में आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए खम्परिया ने आगे कहा की सिहोरा देश का भौगोलिक केन्द्र बिन्दु एंव सहकारिता का जनक होने के साथ साथ स्तन्त्रता आन्दोलन में भी दिये गये योगदान के लिए जाना जाता है और इसे जिले का दर्जा मध्यप्रदेश गठन के साथ ही मिल जाना था।विदित हो संघ के पूर्व जिला प्रचारक के अगामी 06 दिसम्बर शौर्य दिवस से अन्न त्याग सत्याग्रह एंव 09 दिसम्बर से जल त्याग आमरण अनशन की घोषणा के पश्चात जिले के लिए अन्दोलनरत लक्ष्य जिला समिती को व्यापक समर्थन मिल रहा है। पूर्व में हुए आन्दोलनो में हुई कार्यवाही एंव अगामी सत्याग्रह की रुपरेखा बनाने उपस्थित सभी वरिष्ठों ने अपने सुझाव दिये। भाजपा नेता पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश पाण्डे ने बिना किसी राजनैतिक लालसा के जहां तन मन धन से आन्दोलन को सहयोग प्रदान करने की घोषणा की वही अनेक लोगों ने सत्याग्रह की पूर्ण सफलता के लिए हर स्तर पर अपने योगदान की बात कही। वहीं बैठक में अपने वाहनों में काले झंडे लगाने के साथ अनेक प्रस्ताव भी पास किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कांग्रेस सहित अन्य दलों के नेता, समाजिक संगठनों के अध्यक्ष,गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर संगोष्ठी आयोजित

सिहोरा। जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिहोरा के संयोजन में आज आदिवासी एवं वनवासी समाज के महानायक उनके स्वाभिमान,स्वतंत्रता, और संस्कृति के संरक्षण के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पर पुष्पांजलि एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिहारी पटेल अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिहोरा,राजेश चौबे,बाबा कुरैशी,ममता गोटिया,राजेश पटेल,आलोक पांडे,रमेश पटेल, गणेश दाहिया,लाल बहादुर पाठक,दिलीप जैन, डब्बू पाठक,ओम नारायण श्रीवास्तव,कोमल श्रीवास,अनुज ठाकुर,सुभाष ठाकुर दीपक गोटिया आदि उपस्थित थे।

अंतस ने आयोजित किया बाल महोत्सव

जबलपुर। बाल दिवस के अवसर पर अंतस साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संस्था के तत्वावधान में अंतस बाल महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें बाल कलाकारों ने सुंदर-सुंदर नृत्य, गीत, संगीत, चौपाई काव्य और फैंसी ड्रेस, जादू आदि विभिन्न विधाओं में नगर के 70 से अधिक बच्चों ने दर्शकों का मन मोह लिया।
कार्यक्रम के अध्यक्ष आचार्य डॉ. हरिशंकर दुबे, मुख्य अतिथि आचार्य भागवत दुबे, प्रतुल श्रीवास्तव, सारस्वत अतिथि मोती शिवहरे, प्रकाश वेरुलकर, डॉ. शिप्रा सुल्लेरे, प्रशांत सोनी एवं विशिष्ट अतिथि सुधीर कोरी, डॉ. एचबी पालन, डॉ. दुर्गेश ब्यौहार दर्शन, सुरेश दर्पण की उपस्थिति रही। इस अवसर पर अतिथियों ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। मंगलभाव राजेश पाठक प्रवीण ने व्यक्त किए। स्वागत उद्बोधन संस्थापक डॉ. अनिल कुमार कोरी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संयोजन विनीता पैगवार विधि ने किया एवं आभार शअनुराग कोरी सांई ने प्रकट किया। आयोजन समिति सदस्यों- राकेश पैगवार, निहारिका कुरवाने, प्रो. अभिषेक झारिया, रमाकांत गौतम, रचना श्रीवास्तव ने व्यवस्था बनाने में सहयोग दिया। बाल कलाकारों ने सराहनीय प्रस्तुतियां दी जिनमें- काव्य पाठ प्रस्तुति अंतरीक्ष कोरी, हर्षवर्धन दुबे, अनाया चौरसिया (रामचरित मानस की चौपाईया), कविष साध्वी तिवारी, एक युगल नृत्य अराध्या साहू, सौम्या साहू, एकल नृत्य में आरोही चौरसिया, अविका यादव, समृद्धि कोरी (भरत नाट्यम),

संतोषी (किनारे पर बैठकर नौका पार नहीं होती), आरवी जायसवाल, आरोही जायसवाल, अंशिका काछी। बाल नृत्य महोत्सव- नवरंग कथक कला केंद्र के विद्यार्थियों द्वारा एक समूह नृत्य कृष्टी, सान्या जैन, आरोही सहारे, अराध्या सितारे, तन्वी पाहुजा (पारंपरिक नृत्य), आनंदा खरे, लक्ष्मी झारिया, समूह नृत्य आराध्या, आरूषि पैगवार, आदित्य, अराध्या, अनुष्का कोरी, सान्वी पैगवार, पूर्वी यादव ने प्रस्तुत किया एवं बाल भवन की छात्रा काव्या वर्मा ने नृत्य की प्रस्तुति दी।

बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती पर गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ ने अर्पित की पुष्पांजलि

जबलपुर। 15 नवम्बर 2025 को गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ द्वारा धरती आवा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर एक विशेष आयोजन अमर शहीद राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह प्रतिमा स्थल पर किया गया। इस अवसर पर उनके तैलचित्र पर सभी ने माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सामाजिक विचारों, आदिवासी संस्कृति के संरक्षण में उनके योगदान और जल, जंगल, जमीन के अधिकारों के लिए उनके संघर्ष को आत्मसात करते हुए अपनी-अपनी बात रखी। जहां गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ के अध्यक्ष नेमसिंह मरकाम ने बताया कि बिरसा मुंडा, जो आदिवासी समुदाय में 'भगवान' की उपाधि से जाने जाते

हैं, ने आदिवासी संस्कृति की रक्षा और अपने समुदाय की पहचान को संरक्षित करने के लिए एक लंबा समय तय किया था। उन्होंने समाज के शोषण, आदिवासी अधिकारों की रक्षा और जल, जंगल, जमीन की सुरक्षा के लिए अनेक आंदोलन चलाए। उन्होंने अपने आंदोलन के माध्यम से समाज में एकता और साहस का संदेश दिया। हम आदिवासी हमेशा उन्हें याद करते हुए उनके द्वारा बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं।

इस अवसर पर पूर्व विधायक नन्हे लाल धुर्वे, नेमसिंह मरकाम, गया प्रसाद धुर्वे, अजय झारिया, अंजना इनवाती, दिशा इनवाती, एच.एल. मार्को, सारिका माडवी, मुकेश मार्को, डी.एल. कोचे, जगदीश नन्हेट, प्रमिला मरावी, वी.एस. मरावी, नागपुर से व्ही.पी. राठौर, दमोह से धीरज सिंह सरौते, दीपक मरकाम, सुनील धुर्वे, भानसिंह तेकाम के साथ आधा सैकड़ा आदिवासी संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्रिकेट विश्व कप जीतने वाली क्रांति गौड़ का गांधीग्राम आगमन पर किया स्वागत

सिहोरा।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 जीतकर देश का नाम रोशन करने वाली भारतीय टीम की सदस्य और मध्य प्रदेश की गौरव सुश्री क्रांति गौड़ का गांधीग्राम स्थित बघेल निवास पर भव्य स्वागत कर सम्मानित भी किया गया। क्रांति गौड़ के आगमन पर प्रताप सिंह बघेल, जनपद पंचायत अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री, भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मोनू सिंह, जनपद सदस्य धर्मेन्द्र सिंह राजपूत, ऋतुराज सिंह बघेल, आकाश जैन, अमित परिहार, अनिल चौधरी, हरिशंकर तिवारी, रेवाशंकर असाटी, उत्तम तिवारी सहित भाजपा कार्यकर्ताओं,युवा खेल प्रेमियों और ग्रामवासियों ने उनका ज़ोरदार अभिनंदन किया।

अभाविप छात्र निर्माण से राष्ट्र निर्माण की पाठशाला

दो दिवसीय जिला अभ्यास वर्ग का समापन

सिहोरा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का दो दिवसीय जिला अभ्यास वर्ग आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ स्वामी विवेकानंद व माता सरस्वती के छायाचित्र में माल्यार्पण व दीप प्रचलित कर किया गया । जबलपुर के विभाग प्रचारक आनंद जी ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए संघ शताब्दी वर्ष के अवसर पर चल रहे पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता,कुटुंब प्रबोधन,स्वा का भाव,नागरिक कर्तव्य,व पर्यावरण पर विस्तृत चर्चा की कार्यकर्ताओं से ऐसे आचरण में उतरने की बात कही। बैठक के दूसरे सत्र में अभाविप की राष्ट्रीय सदस्य सुश्री साक्षी बोहरे ने कहा कि विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन होने के नाते हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि हमें राज नहीं समाज बदलना है और समाज परिवर्तन से पहले हमें स्वयं में परिवर्तन लाना आवश्यक है एवं महाकौशल प्रांत सह मंत्री व नरसिंहपुर विभाग संगठन मंत्री सुव्रत बाझल ने सत्र में कहा कि अभाविप छात्र निर्माण से राष्ट्र निर्माण की पाठशाला है जो सदैव ही राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रहा है ।वर्ग में 5 इकाइयों में से 65 ने सहभागिता की विभिन्न सत्रों में सैद्धांतिक भूमिका,कार्य पद्धति,आचार्य पद्धति, परिसर कार्य सहित कई विषयों पर चर्चा हुईं ।अभ्यास वर्ग के समापन में जिला प्रमुख धीरेंद्र बघेल द्वारा सिहोरा भाग संयोजक शरद शर्मा की घोषणा की गई वर्ग में प्रमुख पदाधिकारी प्रांत खेलो भारत प्रमुख शिवम चौरसिया,विभाग संयोजक सीमांत दुबे,नरसिंहपुर विभाग छात्रा प्रमुख सुश्री राशि जैन उपस्थित रही ।

एमपीटी गेट पर अवैध वाहन खड़े होने से पर्यटक परेशान

भेड़ाघाट। विश्वप्रसिद्ध संगमरमर की वादियों को देखने देश–विदेश से आने वाले पर्यटक इन दिनों एमपीटी (मध्य प्रदेश पर्यटन) गेट पर अवैध वाहनों की भीड़ के कारण भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। पंचवटी स्थित एमपीटी परिसर में पर्यटन विभाग द्वारा ठहरने और भोजन की व्यवस्था तो की गई है, लेकिन कर्मचारियों की लापरवाही के चलते गेट पर अनियमित पार्किंग और अव्यवस्था बनी रहती है।
पर्यटकों का कहना है कि अवैध रूप से खड़े वाहनों से आने-जाने में बाधा उत्पन्न होती है, जिससे कई बार जाम जैसी स्थिति बन जाती है। करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद विभाग पर्यटकों को मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने में विफल नजर आ रहा है। सूत्रों के अनुसार, गेट पर फैली यह अव्यवस्था

कहीं न कहीं विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत का परिणाम भी हो सकती है। बताया जा रहा है कि एमपीटी विभाग के अधिकारी समय पर निगरानी नहीं करते, जिसके चलते व्यवस्था दिनों-दिन बिगड़ती जा रही है।पर्यटन विशेषज्ञों का कहना है कि भेड़ाघाट जैसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल पर सुविधाओं की कमी और व्यवस्थाओं की अनदेखी गंभीर चिंता का विषय है। संगमरमर घाटी और धुआंधार जलप्रपात का अद्भुत नज़ारा देखने आने वाले पर्यटकों को बेहतर अनुभव दिलाना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है, लेकिन वर्तमान हालत विभाग की लापरवाही और कुप्रबंधन को दर्शाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए तो यह स्थिति पर्यटन को नुकसान पहुँचा सकती है। मामला जांच और सुधार की मांग करता है।

निधन

श्री सुबीर सरकार- हाथीताल स्थित गुडलक अपार्टमेंट के सामने निवासी श्री सुबीर सरकार (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम स्वरूप अग्रवाल- बाजनामठ तिलवारा रोड निवासी श्री राम स्वरूप अग्रवाल (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री सुरेश कुमार शर्मा- शांति नगर दमोहनाका निवासी श्री सुरेश कुमार शर्मा (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अभिषेक गर्ग- गंगाराम का बाड़ा शीतलामाई सरकारी कुआं रोड निवासी श्री बसंत गर्ग के पुत्र श्री अभिषेक गर्ग (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नारायण प्रसाद यादव- ड्रीमलैंड ग्रीन सिटी रोड माढ़ोताल निवासी श्री नारायण प्रसाद यादव (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री तरन समुंद्रे- प्रेमसागर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री छुन्ना लाल समुंद्रे के पुत्र श्री तरन समुंद्रे का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सपन कुरेले- हनुमानताल शुक्रवारी बजरिया के पास निवासी श्री सुरेश कुरेले के पुत्र श्री सपन कुरेले (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री लखन रजक- बेलबाग निवासी श्री सतीश रजक के पुत्र श्री लखन रजक (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रेवती बाई पटेल- ग्राम बरबटी रोड स्थित पड़रिया सिलुआ थाना बरेला निवासी श्री राम स्वरूप पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती रेवती बाई पटेल (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती तारा बाई- बेलबाग टोरिया निवासी श्री बिशनू डुमार की धर्मपत्नी श्रीमती तारा बाई (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती छात्रेश्वरी पांडे- एमआईजी 89, धनवंतरी नगर निवासी श्री सूरज प्रसाद पांडे की धर्मपत्नी श्रीमती छात्रेश्वरी पांडे (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दीपक मेहतो- छोटी ओमती पुत्री शाला के पास निवासी श्री काली चरण मेहतो के पुत्र श्री दीपक मेहतो का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री महेश जायसवाल- कजरवारा नई बस्ती निवासी श्री महेश जायसवाल (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री छुट्टन सिंह राजपूत- चांदमारी रोड लालमाटी निवासी श्री मुन्ना सिंह राजपूत के पुत्र श्री छुट्टन सिंह राजपूत (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राजकुमार श्रीवास्तव- शुभांचल काम्पलेक्स मदनमहल स्टेशन रोड निवासी श्री राजकुमार श्रीवास्तव (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री योगेश बिरहा- घमापुर चौक के पास निवासी श्री रमेश बिरहा के पुत्र श्री योगेश बिरहा (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राजकुमार केवट- गौरीघाट ललपुर रोड नई बस्ती निवासी श्री राजकुमार केवट (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रति लाल कुचबंधिया- चांदमारी लालमाटी निवासी श्री रति लाल कुचबंधिया (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अजय प्रजापति- शांति नगर दमोहनाका रोड निवासी श्री मंगल प्रसाद प्रजापति के पुत्र श्री अजय प्रजापति (34) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजू चौधरी- कांचघर रोड नेहरू वार्ड निवासी श्री राजू चौधरी (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सरोज बेन- सदर गली नं. 9 लाल स्कूल के पास निवासी श्री मुकुट बेन की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज बेन (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती महारनिया त्रिपाठी- जोगनी नगर छापर रामपुर निवासी श्री राम कुमार त्रिपाठी की धर्मपत्नी श्रीमती महारनिया त्रिपाठी (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री ब्रह्मानंद शर्मा- छुई खदान जीसीएफ निवासी श्री ब्रम्हानंद शर्मा (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सिकंदर कुमार चौधरी- कृष्णा कॉलोनी सुहागी निवासी श्री सिकंदर कुमार चौधरी (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री रवि शंकर चौधरी- रविदास नगर निवासी श्री रवि शंकर चौधरी (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती ममता खरे- नब्बे क्वाटर त्रिमूर्ति नगर निवासी डॉ. अनिल कुमार खरे की धर्मपत्नी श्रीमती ममता खरे (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री भुवनेश्वर डे- बिलपुरा कॉलोनी व्हीकल रोड निवासी श्री भुवनेश्वर डे (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 10x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 10x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

स्टार प्रचारक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने बिहार में बताया मध्यप्रदेश का विकास मॉडल

सीएम डॉ. यादव ने बिहार में एनडीए प्रत्याशियों को विजयश्री तक पहुंचाने दिन-रात किए एक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को दो तिहाई से अधिक प्रचंड बहुमत मिला। एनडीए की इस विजयश्री में मप्र के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की भी अहम भूमिका रही।

भाजपा ने उन्हें स्टार प्रचारक का दायित्व देकर 25 सीटों पर चुनाव प्रचार अभियान की कमान सौंपी थी। हरियाणा के बाद अब लगातार दूसरे राज्य के चुनाव में मोहन का मैजिक असरदार रहा। उनके चुनाव कैंपेन में शामिल 21 सीटों पर भाजपा-एनडीए प्रत्याशी को जीत मिल रही है।

इसी तरह मप्र संगठन के कार्यों को भी देखा जा सकता है। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बिहार को 5 जोन में बांटा गया था। इसमें से सबसे बड़े जोन मिथिला एवं तिरहुत की जिम्मेदारी प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह को प्रभारी एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद को संगठन की दृष्टि से जिम्मेदारी सौंपी गई थी। मिथिला एवं तिरहुत जोन में 10 लोकसभा, 12 जिले और 58 विधानसभा में बड़ी जिम्मेदारी दी गई थी। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान मिथिला और तिरहुत संभाग के 58 विधानसभाओं में से 50 विधानसभा में एनडीए प्रत्याशी विजयी हुए।

भाजपा नेतृत्व ने स्टार प्रचारक बनाते हुए सौंपी थी बिहार की 25 सीटों पर चुनाव कैंपेन की जिम्मेदारी

» मिथिला एवं तिरहुत की जिम्मेदारी प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र
» और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद को सौंपी थी

फाइल फोटो

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया गुणगान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनसभाओं में जनता को विश्वास दिलाया कि दो भाइयों की जोड़ी प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही बिहार को विकास की ऊंचाइयों पर पहुंचा सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश के विकास कार्यों, औद्योगीकरण की गति, धार्मिक पर्यटन के प्रोत्साहन, श्रीकृष्ण पाथेय, श्रीराम वन गमन पथ, महाकाल लोक जैसे महत्वपूर्ण कार्यों और योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने सीतामढ़ी में माता जनकी का लोक बनाने और गया को मेट्रो जैसी आधुनिक विकास परियोजनाओं के सौगात एनडीए सरकार में मिलने का भरोसा दिलाया। साथ ही मध्यप्रदेश में सुशासन और पारदर्शी सरकार संचालन का भी स्पष्ट तौर पर उल्लेख किया।

25 सीटों पर सिर्फ 4 यादव कैंडिडेट्स थे

भाजपा के स्टार प्रचारकों में शामिल मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बिहार की 25 विधानसभा सीटों पर धुआंधार रैली, रोड शो और जनसभाएं कीं। इन सीटों पर भाजपा और उसके सहयोगी दल-जेडीयू, एलजेपी के कई प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। उन्होंने प्रचार अभियान में भाजपा और एनडीए के सभी प्रत्याशियों को विजय श्री तक पहुंचाने के लिए दिन-रात एक कर दिया। परिणाम ये रहा है कि मतगणना में भाजपा के 12 प्रत्याशी और सहयोगी दलों के 9 प्रत्याशी निर्णायक बढ़त के साथ ऐतिहासिक जीत में भागीदार बने। बिहार चुनाव में मिली यह सफलता पुख्ता प्रमाण है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की स्वीकार्यता और राजनीतिक छवि किसी दल और जाति से ऊपर एक जननेता की बन चुकी है।

'कांग्रेस आरोपों की राजनीति छोड़ बिहार चुनाव में मिली हार पर करे आत्मचिंतन'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली जीत पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में उत्सव मनाया। भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री प्रहलाद पटेल, राहुल कोठारी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल सहित पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

बिहार की जनता ने दिया सुशासन और विकास का साथ : डॉ. महेंद्र सिंह

खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकासवादी नीतियों से बिहार में एनडीए को ऐतिहासिक विजय प्राप्त हुई है। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों को आरोपों की राजनीति छोड़ बिहार चुनाव में मिली असफलता पर आत्मचिंतन करना चाहिए।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-अनूपपुर (म.प्र.)
कार्यालय- जिला पंचायत भवन प्रथम तल अनूपपुर (म.प्र.) E-Mail- eeresanuppur@mp.gov.in
क्रमांक/ /निविदा/ ग्रायांसेवा/2025 **संक्षिप्तनिविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 09/2025-26** अनूपपुर, दिनांक / /2025

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से Cover-2 (दो लिफाफा पद्धति) के आधार पर ऑनलाईन प्रतिशत दर निविदा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग- अनूपपुर के निम्नांकित सिविल कार्य हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था में समतुल्य / सक्षम श्रेणी में अथवा अन्य राज्यों/उपक्रमों/संस्थाओं/प्राधिकरण समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धति से ग्रामीण यांत्रिकी सेवाद्वारा संशोधित प्रपत्र अपेंडिक्श 2.10 अनुसार अद्यतन संशोधन निर्धारित तिथि (Key Date) अनुसार सिविल निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण ग्रामीण यांत्रिकी सेवासे प्रभावशील दर अनुसूची (निविदा विज्ञप्ति जारी होने की दिनांक तक संशोधित) के आधार पर निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पोर्टल http://mptenders.gov.inपर देखी जा सकती है। विवरण निम्नानुसार है।

क्रं	सिस्टम टेंडर आई.डी. नं.	कार्य का नाम	जनपद पंचायत	निविदा लागत (पी.ए.सी) लाख में	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा का प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	समयावधि वर्षाकाल सहित	आमंत्रण क्रमांक
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_RES _462434_1	फिजिक्स लैब भवन निर्माण विद्युतीकरण सहित शासकीय हाई स्कूल राजेन्द्रग्राम	पुष्पराजगढ़	16.05	32100	2000/-	04 माह	प्रथम
2	2025_RES _462435_1	केमिस्ट्री लैब भवन निर्माण विद्युतीकरण सहित शासकीय हाई स्कूल राजेन्द्रग्राम	पुष्पराजगढ़	16.66	33320	2000/-	04 माह	प्रथम
3	2025_RES _462436_1	बायोलॉजी लैब भवन निर्माण विद्युतीकरण सहित शासकीय हाई स्कूल राजेन्द्रग्राम	पुष्पराजगढ़	16.05	32100	2000/-	04 माह	प्रथम
4	2025_RES _462437_1	फिजिक्स लैब भवन निर्माण विद्युतीकरण सहित शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल देवगवा	अनूपपुर	16.05	32100	2000/-	04 माह	प्रथम
5	2025_RES _462438_1	केमिस्ट्री लैब भवन निर्माण विद्युतीकरण सहित शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल देवगवा	अनूपपुर	16.66	33320	2000/-	04 माह	प्रथम
6	2025_RES _462439_1	बायोलॉजी लैब भवन निर्माण विद्युतीकरण सहित शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल देवगवा	अनूपपुर	16.05	32100	2000/-	04 माह	प्रथम
7	2025_RES _462440_1	फिजिक्स लैब भवन निर्माण विद्युतीकरण सहित शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल बहेराबांध	कोतमा	16.05	32100	2000/-	04 माह	प्रथम
8	2025_RES _462441_1	केमिस्ट्री लैब भवन निर्माण विद्युतीकरण सहित शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल बहेराबांध	कोतमा	16.66	33320	2000/-	04 माह	प्रथम
9	2025_RES _462442_1	बायोलॉजी लैब भवन निर्माण विद्युतीकरण सहित शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल बहेराबांध	कोतमा	16.05	32100	2000/-	04 माह	प्रथम

उपरोक्त निविदाओं के निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय करने की दिनांक 17.11.2025 प्रात: समय 10 :30बजे से प्रारंभ होकर दिनांक 24.11.2025 समय 05 :30 बजे सायं तक तथा निविदा प्रपत्र ऑनलाईन प्रस्तुत करने की प्रारंभ तिथि 17.11.2025 प्रात: समय 10 :30से प्रारंभ होकर दिनांक 24.11.2025 समय 05 :30बजे सायं तक निर्धारित है। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। संशोधन की सूचना अलग से प्रकाशित नहीं की जावेगी। संशोधन संबंधित सूचनायें केवल वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर ही अपलोड की जावेगी।

कार्यपालन यंत्री,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग-अनूपपुर (म.प्र.)
G-21539/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

बिहार हार पर दिग्विजय बोले, 62 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए, प्रह्लाद बोले- शिकायत करने वाले करते रहें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बिहार चुनाव परिणाम के बाद कांग्रेस ने अपनी हार की वजह एक बार फिर एसआईआर प्रक्रिया और ईवीएम को बताया है। इसी कड़ी में पूर्व

मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि चुनाव को लेकर उनकी जो शंका थी, वह अब सही साबित होती दिख रही है।

मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि शिकायत करे वाले शिकायत करते रहें। मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने बिहार में एनडीए द्वारा बहुमत का आंकड़ा पार करने पर कहा कि इस प्रचंड जीत पर केवल खुशी ही व्यक्त की जा सकती है। जहां तक मैं देख रहा हूं, चुनावी राजनीति में ऐसी ऐतिहासिक जीत दुर्लभ होंगी। आकलन करने वाले आकलन करते रहें, शिकायत करने वाले शिकायत करते रहें। जनता ने नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकास की अवधारणा को स्वीकार किया है।

ईवीएम को लेकर संदेह अभी भी जस का तस

दिग्विजय सिंह के अनुसार, चुनाव के दौरान 62 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए, जबकि 20 लाख नए नाम जोड़े गए। इनमें भी करीब 5 लाख वोट बिना एसआईआर फॉर्म भरे जोड़े जाने का आरोप है। उन्होंने दावा किया कि हटाए गए वोटों में बड़ी संख्या गरीब, दलित और अल्पसंख्यक तबके के मतदाताओं की है। दिग्विजय सिंह ने लिखा कि ईवीएम को लेकर संदेह अभी भी जस का तस है।

नवनियुक्त पदाधिकारियों के लिए भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुई कार्यशाला

प्रदेश में बूथ स्तर तक संगठन को और सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता : शिवप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को नवनियुक्त पार्टी पदाधिकारियों एवं विभिन्न मोर्चों के अध्यक्षों की महत्वपूर्ण कार्यशाला हुई। पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद की उपस्थिति में संगठन की वर्तमान स्थिति, आगामी कार्यक्रमों तथा योजनाओं पर मार्गदर्शन दिया गया।

भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने नए पदाधिकारियों को संगठन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों, प्राथमिकताओं और आगामी महीनों की कार्ययोजना से अवगत कराते हुए कहा कि आने वाले समय में प्रदेश में बूथ स्तर तक संगठन को और सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का मूल आधार बूथ संगठन है और प्रत्येक पदाधिकारी को यह सुनिश्चित करना होगा कि संगठन की योजनाएं, कार्यक्रम और नीतियां आम कार्यकर्ता और जनसामान्य तक प्रभावी रूप से पहुंचे। कार्यशाला को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने भी संबोधित कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कार्यशाला का संचालन प्रदेश महामंत्री लता वानखेडे.ने किया।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई
क्र./जोन-3/न.नि./ 2025/385 **// ई-प्राक्यूरमेंट निविदा सूचना //** 303 भिलाई, दिनांक 11/11/25

लोक कर्म विभाग द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई टेंडर आमंत्रित की गई है। जिसका विस्तृत विवरण वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	कार्य का नाम	सिस्टम टेंडर नं.	अनुमानित निविदा लागत (लाख में)	अमानत राशि	श्रेणी	ई-टेंडर आमंत्रण दिनांक
01	जोन क्र.-03 क्षेत्रांतर्गत वार्ड-31 बैंकुण्ठधाम स्वागत द्वार से लेकर स्वास्थ्य कार्यालय तक एवं वार्ड-35 किशन चौक से पप्पू चौक होते हुए 01 नंबर पंप हाउस तक डामरीकरण कार्य।	179081	134.03	102000.00	द से प्रवर श्रेणी	10.11.2025 से 02.12.2025 तक

नोट :- 1. धरोहर राशि offline जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 04.12.2025 शाम 5.30 बजे तक कार्यपालन अभियंता/जोन आयुक्त नगर पालिक निगम भिलाई के पक्ष में निक्षेप होगा। 2. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्राक्यूरमेंट वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in में उपयुक्त श्रेणी में सम्मिलित होना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिये वेबसाइट पर देखें।

जोन आयुक्त, जोन-3

सुबह और रात का तापमान लगातार जा रहा नीचे

छग के कई जिलों में शीत लहर की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

उत्तर भारत की ओर से आ रही ठंडी हवाएं छत्तीसगढ़ में भी असर दिखा रही हैं। सुबह और रात के समय तापमान लगातार नीचे जा रहा है। राजधानी रायपुर में इस सीजन में अब तक का सबसे कम न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया, जो पिछले करीब तीन साल बाद रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है।

मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिनों तक रात के तापमान में खास उतार-चढ़ाव नहीं होगा। इसके बाद न्यूनतम पारा करीब 3 डिग्री तक बढ़ सकता है। इसी दौरान उत्तरी और मध्य जिलों के कुछ हिस्सों में शीतलहर जैसी परिस्थितियाँ बन सकती हैं। मौसम विभाग ने जिन क्षेत्रों के लिए शीतलहर की चेतावनी दी है, उनमें गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कबीरधाम, मुंगेली, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजनांदगांव, दुर्ग, कोरबा, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सरगुजा, जशपुर, सूरजपुर और बलरामपुर शामिल हैं। इन जिलों के कुछ पॉकेट अगले दिनों में तेज ठंड की चपेट में आ सकते हैं। पिछले 24 घंटों में दुर्ग में अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री और अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री दर्ज किया गया है। राजधानी रायपुर में आज आसमान साफ रहने के आसार हैं। यहां न्यूनतम तापमान 13 डिग्री और अधिकतम तापमान 29 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। सुबह और शाम चल रही हवा के कारण ठिठुरन का अहसास बढ़ सकता है।

कैलाश सारंग की पुण्यतिथि एवं स्व. प्रसून सारंग की जयंती पर मनाया मातृ-पितृ भक्ति दिवस

हरिभूमि न्यूज:भोपाल

भाजपा के संस्थापक सदस्य एवं पूर्व राज्यसभा सांसद स्व. कैलाश नारायण सारंग की पुण्यतिथि तथा उनकी धर्मपत्नी स्व. प्रसून सारंग की जयंती मातृ-पितृ भक्ति दिवस के रूप में मनाई गई। मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के आवाहन पर विधानसभा के सभी 17 वार्डों में विभिन्न सेवा एवं वृद्धजनों के सम्मान कार्यक्रम संपन्न हुए। मंत्री सारंग ने भोपाल में विभिन्न स्थानों पर वृद्धजनों के चरण पखारे, आरती उतारी तथा उन्हें शॉल-श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, सामाजिक संगठन एवं कार्यकर्ता मौजूद थे। मातृ-पितृ भक्ति दिवस के पर मध्यप्रदेश एवं देश के विभिन्न नगरों में भाजपा कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों एवं कायस्थ समाज द्वारा वृद्धजनों के सम्मान किया।

आम सूचना

आम जन सामान्य को सूचित किया जाता है कि योगीराज स्वामी श्री सीतारामदास जी महाराज हनुमान घाट आश्रम ट्रस्ट मण्डला के न्यासी डॉ. श्री रजनीश पाण्डे, निवासी-प्रगति बिहार, वहतराई रोड, सरकंडा बिलासपुर (छ.ग.) को न्यास की बैठक दिनांक 01/11/2025 को पारित प्रस्ताव क्रमांक (1) के द्वारा न्यास के न्यासी पद से पृथक कर दिया गया है। जिसकी सूचना माननीय पंजीयक लोक न्यास मण्डला को न्यास द्वारा प्रेषित कर दी गई है। अतः इस ट्रस्ट से संबंधित लेन-देन, पत्राचार डॉ. रजनीश पांडे से न करें, अन्यथा आप उत्तरदायी होंगे।

(सत्यनारायण खंडेलवाल)
कार्यकारी मुख्य न्यासी योगीराज स्वामी सीतारामदास जी महाराज हनुमानघाट ट्रस्ट, खैरी मण्डला

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय बालाघाट (म.प्र.)
क्रमांक/स्टोर/2025/ 2637 बालाघाट दिनांक 12/11/2025

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्यालय कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक बालाघाट एवं रोगी कल्याण समिति के लिए वर्ष 2025 – 26 हेतु 12 माह के लिए ऑक्सीजन रिफलिंग की ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है । टेन्डर डॉक्यूमेंट जिसमें शर्तो का उल्लेख https://mptenders.gov.in में किया जाकर निविदा में भाग लिया जा सकता है। निविदा शर्तो के अनुरूप निविदा फार्म राशि 1000रु एवं ई. एम.डी राशि रू. 20000रु ऑनलाइन जमा कर छायाप्रति तकनीकी दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा । निविदा के दस्तावेजों को अंतिम तिथी 08 दिसम्बर 2025 दोप 12:00 बजे तक ऑनलाइन जमा किया जाना अनिवार्य होगा, अन्यथा निविदाओं पर विचार नहीं किया जावेगा। तकनीकी प्रस्ताव को दिनांक 09 दिसम्बर 2025 शाम 04:30 बजें गठित निविदा समिति के समक्ष कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक कक्ष में खोला जावेगा । निविदाकार स्वयं उपस्थित रहा सकते है । निविदाओं को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार जिला क्रय समिति का होगा ।

सिविल सर्जन
सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
बालाघाट (म. प्र.)
G-21509/25 "स्वच्छता ही सेवा"

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय बालाघाट (म.प्र.)
क्रमांक/स्टोर/2025/- 2635 बालाघाट दिनांक 12/11/2025

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्यालय कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक बालाघाट एवं रोगी कल्याण समिति के लिए वर्ष 2025-26 हेतु 12 माह के लिए अनुपयोगी सामग्रियां विक्रय किये जाने हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है ।

टेन्डर डॉक्यूमेंट जिसमें शर्तो का उल्लेख https://mptenders.gov.in में किया जाकर निविदा में भाग लिया जा सकता है। निविदा शर्तो के अनुरूप निविदा फार्म राशि 500रु एवं ई.एम.डी राशि रू. 20000रु ऑनलाइन जमा कर छायाप्रति तकनीकी दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा । निविदा के दस्तावेजों को अंतिम तिथी 08 दिसम्बर 2025 दोप 12:00 बजे तक ऑनलाइन जमा किया जाना अनिवार्य होगा, अन्यथा निविदाओं पर विचार नहीं किया जावेगा। तकनीकी प्रस्ताव को दिनांक 09 दिसम्बर 2025 शाम 04:30 बजें गठित निविदा समिति के समक्ष कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक कक्ष में खोला जावेगा । निविदाकार स्वयं उपस्थित रहा सकते है । निविदाओं को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार जिला क्रय समिति का होगा ।

सिविल सर्जन
सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
बालाघाट (म. प्र.)
G-21524/25 "स्वच्छता ही सेवा"

कार्यालय कलेक्टर मण्डला एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग
ज्ञाप क्र/145/भू-अर्जन / 2025 **अधिसूचना** मण्डला दिनांक 07/11/2025
धारा 11

चूँकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न सूचि के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिए गए सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है । अत: भू अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्ति को इस आशय की सूचना दी जाती है। राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के सम्बन्ध में उक्त धारा 12 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :-

अनुसूची

जिला	तहसील	ग्राम एवं प.ह.न.	भूमि का लगभग क्षेत्रफल (हे. में)	अधिनियम की धारा 12 के तहत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
01	02	03	04	05	06
मण्डला	घुघरी	धनगांव प.ह.न. 05	171.44 हेक्ट	कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र. 2, जिला मण्डला	बसानिया बहुउद्देशीय परियोजना

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है – बसानिया बहुउद्देशीय परियोजना के निर्माण हेतु। (3) अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि के बारे में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधिसूचना प्रकाशन की जानकारी वेबसाईट www.mandla.nic.in व मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग भोपाल की वेबसाईट www.mprevenue.nic.in पर भी देखी जा सकती है । (4) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) घुघरी या कायार्पालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्र.2 मण्डला के कार्यालय में किया जा सकता है ।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
(सोमेश मिश्रा)
कलेक्टर मण्डला एवं पदेन उपसचिव
म. प्र. शासन राजस्व विभाग
G-21501/25

श्रीदेवी, भूदेवी के साथ कल्याणम बालाजी का विवाह उत्सव हुआ संपन्न

भोपाल। रायसेन रोड पटेल नगर स्थित एनआरआई संस्थान में लक्ष्मी पद्मावती वेंकटेंश बालाजी हनुमान एवं गरूण मंदिर के प्रांगण में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले ब्रह्मोत्सव के तीसरे दिन बालाजी का कल्याणम हुआ। पूजा की शुरुआत में प्रांत काल 6 बजे सुप्रभात सेवा से बालाजी भगवान को जगााया गया। उसके पश्चात भगवान बालाजी के सामने यज्ञशाला मे मूलमंत्र हवन किया गया। द्वारतोरण में चारों द्वारों की पूजा की गई। वेंकटेंश बालाजी की महाकुंभ आराधना की गई जिसमें बालाजी की चारों रूपो बिंब, अग्नि, जल व मंडल रूप में पूजा की गई।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला - बालाघाट (म. प्र.)
क्रमांक/निविदा/2025/9141 बालाघाट दिनांक 10 /11/2025

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट, कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक बालाघाट, कार्यालय मलेरिया अधिकारी बालाघाट, कार्यालय क्षय अधिकारी बालाघाट, कार्यालय जिला कुष्ट अधिकारी बालाघाट एवं समस्त अधिनस्थ स्वास्थ्य संस्था सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र / प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र / उपस्वास्थ्य केन्द्रों में औषधियों की निर्बाध आपूर्ति के लिए ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है ।

निविदाओं से संबंधित दस्तावेज, जिसमें शर्तो का उल्लेख https://mptenders.gov.in में किया जाकर निविदा में भाग लिया जा सकता है। उक्त निविदाओं को निर्धारित समयावधि में ऑनलाइन भरना होगा। निविदा शर्तो के अनुरूप निविदा फार्म 1000 / - (एक हजार रुपए) एवं ई.एम.डी राशि रू 50000/- (पंचास हजार रुपएं) ऑनलाइन जमा कर छायाप्रति तकनीकी दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा । निविदा के दस्तावेजों को अंतिम तिथी दिनांक 27 नवम्बर 2025 दोप 01:00 बजे तक ऑनलाइन जमा किया जाना अनिवार्य होगा, अन्यथा निविदाओं पर विचार नहीं किया जावेगा। तकनीकी प्रस्ताव को दिनांक 28 नवम्बर 2025 दोप 03:00 बजें जिला निविदा सह क्रय समिति के समक्ष कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कक्ष में खोला जावेगा, निविदाकार स्वयं उपस्थित रह सकते है । निविदाओं को निरस्त करने का पूर्ण अधिकारी जिला क्रय समिति का होगा ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला - बालाघाट म.प्र.
G-21478/25 "स्वच्छता ही सेवा"

पश्चिम मध्य रेल
सामग्री प्रबंधन विभाग
(भंडार आपूर्ति हेतु ई– निविदा सूचना, संख्या/ईपीएस/104/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम रेल भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते है। कोई भी हस्तालिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नही किए जाएगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाईट "website https://ireps.gov.in" पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

क्र सं.	टेंडर नं.	संक्षिप्त विवरण	निविदा की मात्रा	नियत तारीख
1	38254158	7/8" (22MM) DIA BULL लॉक बोल्ट पिन	51190 नंबर	01/12/2025
2	30255005A	किट फॉर मॉडिफिकेशन ऑफ जंक्शन बॉक्स असेंबली इन Knorr bremse मेक LHB कोचेस	108 सेट	04/12/2025
3	38254192A	फ्रिक्शन WEDGE (BLC)	6649 नंबर	12/12/2025

50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मो को www.ireps.gov.in. पर जाने की सलाह दी जाती है।
हस्ता.
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PUBLIC WORK DEPARTMENT (E./M.) DIVISION- JABALPUR (M.P.)
Web site:-www.mp.gov.in/pwdmp Email:- eepwdelecjbp@mp.nic in Tel./Fax No. 0761-2620792

NIT No- 32/25-26/SAC/E/M Jabalpur, Date 13/11/2025

Online Tender for mentioned below are being invited. The Tender have been uploaded on the system of Public Works Department on the Portal http://mptenders.gov.in Tender details are as below:-

S no.	Tender No.	Name of work	Cost of Project(PAC) (Rs. In lack)	(Original EMD	Cost of Tender form	Time Allowed	1-Contractor categari 2- Call No.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_PWDRB _462732_1	Providing Tender for Electrification OW/ MOW/ DEPOSIT WORK Maintenance Work Under E/M HQ Section KATNI Distt. KATNI.	Rs. 8.00 Lakh	Rs. 16000/-	Rs. 2000/-	Up to 31/03/2026	1- Centralised PWD Registration in Electrical & "B"Class electric licence From MP Licensing Board 2.- 1st Call
2	2025_PWDRB _462733_1	Providing Tender for Electrification OW/ MOW/ DEPOSIT WORK Maintenance Work Under E/M HIGH COURT Section Jabalpur Distt. Jabalpur.	Rs. 19.75 Lakh	Rs. 39500/-	Rs. 2000/-	Up to 31/03/2026	1- Centralised PWD Registration in Electrical & "A"Class electric licence From MP Licensing Board 2.- 1st Call
3	2025_PWDRB _462734_1	Electrification of Resourse Center Building Block Narayanganj for Changing in Court Building Narayanganj at Sub Division Mandla Distt. Mandla.	Rs. 7.15 Lakh	Rs. 14300/-	Rs. 2000/-	3 Month after civil work	1- Centralised PWD Registration in Electrical & "A"Class electric licence From MP Licensing Board 2.- 1st Call
4	2025_PWDRB _462735_1	Providing Garden Lighting and Electric Maintenance of Collector 2025 PWDRB Bungalow at Dindori District Dindori.	Rs. 3.47 Lakh	Rs. 6940/-	Rs. 2000/-	2 Month	1- Centralised PWD Registration in Electrical & "A"Class electric licence From MP Licensing Board 2.- 2nd Call
5	2025_PWDRB _462736_1	BOLERO "NEO" MODEL OR EQUIVALENT VEHICLE FOR INSPECTION OF GOVT. WORK TO SUB DIVISIONAL OFFICER PWD B/R SUB DIVISION PATAN.(For 2 Year)	Rs. 7.20 Lakh	Rs. 14400/-	Rs. 2000/-	2 Year	1.- 2nd Call

The document can only be purchased online from the above website after making online payment. The last date & time for purchase of Document on line is Dated 24/11/2025 up to (17:30.) Detailed NIT and other details can be viewed on the above mentioned portal. Amendments to NIT, if any, would be published on website only, and not in

Executive Engineer
P.W.D. E/M DIVISION
JABALPUR
G-21526/25 "स्वच्छता ही सेवा"

बिहार की राजनीतिक यात्रा विशेषकर चुनाव में परिणाम का इतिहास जितना भी उठापटक वाला रहा हो, किंतु जब से जदयू ने भाजपा एवं लोजपा के साथ केंद्रीय राजग के अंतर्गत प्रादेशिक स्तर पर भी शासन चलाने का गठबंधन साधा है, तब से बिहार में सुशासन के वास्तविक कार्यों का अनुभव आम जनता को अवश्य हुआ है। दो-तीन दशकों से भयंकर एवं अकल्पनीय अराजकता से घिरे संपूर्ण भारत व साथ ही बिहार में लोकतंत्र बुरी तरह ढह गया था। पीछे जाकर अनुभव करें तो बिहार के संदर्भ में लोकतंत्र केवल एक हवाई किला था, जो गत पांच-सात वर्ष से राजग के नेतृत्व में जनसरोकारों की वास्तविकता एवं सुशासन आधारित कार्यों में स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है। संभवतः यही कारण रहा है, जो बिहार की चौवालीस प्रतिशत जनता ने कुछ कमियों, दोषों, विवशताओं एवं समस्याओं के बाद भी राजग गठबंधन को शासन चलाने का निर्वाचनीय आदेश दिया है। इसके अलावा भी अनेक कारण रहे जिन्होंने मतदाताओं को राजग के पक्ष में खड़ा किया। इन्हीं कारणों का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

विशाल जनादेश के साथ सत्तारूढ़ राजग

विश्लेषण
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र पत्रकार

बिहार विधानसभा के लिए हुए सत्रहवें चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में विजयी ध्वजा फहरा कर आगामी पांच वर्षीय कार्यकाल के लिए पुनः सत्तारूढ़ होने जा रहा है। कुल 243 निर्वाचन क्षेत्रों के घोषित परिणामों में भाजपा ने अपने हिस्से के पूरे 89, जदयू ने पूरे 85 और लोजपा ने पूरे 19 क्षेत्रों में विजय प्राप्त कर ली है। राजग के इन तीन प्रमुख घटक राजनीतिक दलों ने कुल 193 क्षेत्रों में जीत प्राप्त कर ली है।

शेष 50 क्षेत्रों में विपक्षी राजनीतिक दल के प्रमुख घटक राजद ने 25, कांग्रेस ने 6, एआईएमआईएम ने 5, एचएएमएस ने 5, रालोमो ने 4, सीपीआई (एमएल, एल) ने 2, आईआईपी, सीपीआई (एम) और बसपा ने एक-एक क्षेत्र पर विजय प्राप्त की है। यदि दलों को प्राप्त मत प्रतिशत पर दृष्टिपात करें तो पहले से सत्तारूढ़ और पुनः विजय प्राप्त कर सत्तारूढ़ होने वाले राजग के प्रमुख दल भाजपा को 20.07, जदयू को 19.26, लोजपा को 4.98 प्रतिशत मत मिले हैं। राजग के इन तीन प्रमुख घटक दलों का कुल मत प्रतिशत 44.31 प्रतिशत है। प्रमुख विपक्षी दल राजद को 23, कांग्रेस को 8.71, एआईएमआईएम को 1.85, सीपीआई (एमएल, एल) को 2.84, बसपा को 1.62 प्रतिशत मत मिले हैं। कुल 1.81 प्रतिशत लोगों ने नोटा का विकल्प चुना था। शेष प्रतिभागी अन्य राजनीतिक दलों को कुल 14 प्रतिशत मत मिले हैं। इस प्रकार विपक्ष को कुल 38 प्रतिशत मत मिले। यदि दलवार ध्यान दें तो सर्वाधिक मत प्रतिशत 23 राजद का रहा। इसके बाद भाजपा 20.07 और फिर जदयू 19.26 क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर हैं।

बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पुनः सत्तारूढ़ होने पर अब इसके प्रमुख घटक दलों भाजपा, जदयू और लोजपा के सामने प्रदेश की जनता के हित में अपने चुनावी संकल्पों, घोषणाओं एवं योजनाओं के अनुसार अनथक कार्य किए जाने की आवश्यकता है। बिहार की जनता ने भारतीय जनता पार्टी, जनता दल यूनाइटेड तथा लोक जनशक्ति पार्टी की जनसेवा पर केंद्रित राजनीतिक दिशादृष्टि को विशाल जनादेश देकर उस पर विश्वास स्थापित किया है। अब इस विश्वास पर शत-प्रतिशत खरा उतरकर बिहार की विकास यात्रा को क्रांतिकारी ढंग से बढ़ाए जाने की आवश्यकता है।

राजद का मत प्रतिशत अधिक

यदि राजद का मत प्रतिशत सर्वाधिक है, तो यह इस शंका को बढ़ाता है कि बिहार में अभी भी मतदाता पुनरीक्षण अभियान शत-प्रतिशत संपन्न नहीं हुआ है। अभी भी राज्य में अवैध मतों की राजनीतिक कुक्रीड़ा पूरी तरह बंद नहीं हुई है। केंद्रीय एवं प्रांतीय चुनाव आयोगों को इस ओर ध्यान देना होगा कि जो दल कुल 243 में से केवल 25 निर्वाचन-क्षेत्रों में जीता है, उसका मत प्रतिशत प्रमुख विजयी दल भाजपा एवं जदयू से अधिक कैसे हो गया है। चिंता का विषय यह भी है कि जो मरणासन्न दल एक-दो क्षेत्रों में ही किसी प्रकार चुनाव जीते हैं, उनका मत प्रतिशत पांच या छह क्षेत्रों में चुनाव जीतने वाले दलों से अधिक है। इस चुनावी, निर्वाचनीय एवं लोकतांत्रिक दोष की ओर गंभीरता से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

सुशासन आधारित कार्य

बिहार की राजनीतिक यात्रा विशेषकर चुनाव में परिणाम का इतिहास जितना भी उठापटक वाला रहा हो, किंतु जब से जदयू ने भाजपा एवं लोजपा के साथ केंद्रीय राजग के अंतर्गत प्रादेशिक स्तर पर भी शासन चलाने का गठबंधन साधा है, तब से बिहार में सुशासन के वास्तविक कार्यों का अनुभव आम जनता को अवश्य हुआ है। दो-तीन दशकों से भयंकर एवं अकल्पनीय अराजकता से घिरे संपूर्ण भारत व साथ ही बिहार में लोकतंत्र बुरी तरह ढह गया था। पीछे जाकर अनुभव करें तो बिहार के संदर्भ में लोकतंत्र केवल एक हवाई किला था, जो गत पांच-सात वर्ष से राजग के नेतृत्व में जनसरोकारों की वास्तविकता एवं सुशासन आधारित कार्यों में स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है। संभवतः यही कारण रहा है, जो बिहार की चौवालीस प्रतिशत जनता ने कुछ कमियों, दोषों, विवशताओं एवं समस्याओं के बाद भी राजग गठबंधन को शासन चलाने का निर्वाचनीय आदेश दिया है। राजग के पक्ष में खड़े हुए चौवालीस प्रतिशत मतदाताओं में नारीशक्ति अग्रणी है। पुरुष वर्ग अभी भी अनेक व्यक्तिगत किंतुओं-परंतुओं की उलझनों, जातिगत समीकरणों के दोषों तथा राजनीतिक कट्टरताओं के कारण अपने मत व्यर्थ कर रहा है।

नारियों से सीखें पुरुष मतदाता

यदि पुरुष वर्ग भी नारियों की भांति राजनीतिक सतर्कता, सजगता का ध्यान रखे और सुशासन व विकास के दृष्टिकोण के साथ जुड़कर मतदान यज्ञ में सम्मिलित हो, तो निश्चित रूप में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को अधिक बड़े जनादेश की राजनीतिक शक्ति प्राप्त हो। इसी कारण से, बिहार ही नहीं, पूरे भारत में मतदाता पुनरीक्षण अभियान को अधिक सक्रियता एवं गहनता से संचालित किए जाने की अति आवश्यकता है। यदि भारतीय मतदाताओं की समुचित सूची बन जाती है तो डंके की चोट पर पारदर्शी एवं त्रुटिहीन मतदान होगा। हजारों की संख्या में पंजीकृत राजनीतिक दल घटकर कुछ सौ अंक तक सीमित हो जाएंगे। ऐसा होने पर चुनाव आयोग पर भी अधिक राजनीतिक दलों की गणना कर उनसे संबंधित आंकड़े एकत्रित करने का भार भी नहीं होगा। बिहार चुनाव जीतने के लिए केंद्र से लेकर बिहार प्रदेश तक राजद की जो भी चुनावी योजनाएं रही हों, वे तो जीत का कारण हैं ही, किंतु मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम ने भी प्रादेशिक चुनाव प्रक्रिया को अपेक्षित मानकों के अनुरूप संपन्न कराने में व्यापक भूमिका निभाई है। न्यायोचित एवं लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव संपन्न होने पर संवेदनशील जनता के मतानुसार शासन की नियुक्ति हुई है। मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम आरंभ होने के बाद बिहार प्रदेश प्रथम था, जहां इस कार्यक्रम की प्रथम चुनावी प्रतिक्रिया सामने आई है, और जो प्रतिक्रिया लोकतंत्र के मानकों के अनुरूप श्रेष्ठ ढंग से प्रकट हुई है।

विश्वास पर खरी उतरे सरकार

वैसे प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल को विधानसभा में विपक्ष के प्रमुख दल के रूप में विराजने योग्य जनादेश तो नहीं मिला है, किंतु अपने मत प्रतिशत को लेकर दल के नेता अतिशयोक्तिपूर्ण वक्तव्य अवश्य देंगे। केंद्र से लेकर बिहार तक शासन का कार्यभार संभालने वाले शासनिक-प्रशासनिक तंत्र को इनके नकारात्मक वक्तव्यों से ध्यान हटाकर तथा इनके संभावित राजनीतिक षड्यंत्रों पर पैनी दृष्टि रखकर केवल और केवल जनादेश के अनुसार चहुंदिश प्रादेशिक विकास कार्यों पर राजनीतिक-प्रशासनिक शक्ति लगानी होगी। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पुनः सत्तारूढ़ होने पर अब इसके प्रमुख घटक दलों भाजपा, जदयू और लोजपा के सामने प्रदेश की जनता के हित में अपने चुनावी संकल्पों, घोषणाओं एवं योजनाओं के अनुसार अनथक कार्य किए जाने की आवश्यकता है। बिहार की जनता ने भारतीय जनता पार्टी, जनता दल यूनाइटेड तथा लोक जनशक्ति पार्टी की जनसेवा पर केंद्रित राजनीतिक दिशादृष्टि को विशाल जनादेश देकर उस पर विश्वास स्थापित किया है। अब इस विश्वास पर शत-प्रतिशत खरा उतरकर बिहार की विकास यात्रा को क्रांतिकारी ढंग से बढ़ाए जाने की अत्यंत आवश्यकता है।

बिहार में उड़े 'गरदे' के गूढ़ार्थ

सियासत
डॉ. घनश्याम बादल
वरिष्ठ स्तंभकार

इस विधानसभा चुनाव में बिहार ने सारे पूर्वानुमानों को झुठलाते हुए नीतीश कुमार और भाजपा नीत एनडीए को प्रचंड जीत दिलवाते हुए राजनीति का एक नया मिथ रच बड़ा संदेश दिया है। यह संदेश बहुत साफ है कि यदि आप सरकार में रहकर सचमुच जनकल्याण के कार्य आगे बढ़ाते हैं तो फिर गलतियों के बावजूद जनता आपको सर आंखों पर बिठाती है। हालांकि पहले दौर के मतदान के बाद ही सर्वेक्षण एजेंसियों ने राजग की बढ़त की भविष्यवाणी कर दी थी और दूसरे दौर के बंपर मतदान के बाद ज़्यादातर एजेंसियां एनडीए को 130 से 160 सीटें दे रही थी, हालांकि तब सर्वेक्षण एजेंसियों के परिणामों पर उंगलियां भी उठाई जा रही थीं लेकिन वास्तविक परिणाम ने जिस तरह राष्ट्रीय जनता दल और सहयोगी दलों के महागठबंधन का सफाया किया है, वह हैरतअंगेज है। राहुल-तेजस्वी की जोड़ी, एसआईआर और वोट चोरी के साथ-साथ हर घर को नौकरी, माई बहन मान योजना और रैलियों में उमड़ रही भीड़ तथा तेजस्वी एवं राहुल की हुंकार से माहौल भरमा रहा था कि इस बार एनडीए को बहुमत प्राप्त करना आसान नहीं होगा लेकिन बिहारियों के मन को समझना विशेषज्ञों के भी बस से बाहर की बात रही और अंततः एनडीए प्रचंड बहुत के साथ फिर सत्ता में आ गया है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एन.डी.ए.) ने न सिर्फ सत्ता बरकरार रखी, बल्कि प्रचंड बहुमत के साथ राजनीति-मंच पर नये समीकरण भी गढ़े हैं। इस जीत के पीछे कई कारण हैं। रणनीतिक संयोजन, जातिगत एवं क्षेत्रीय समीकरणों को पहचानना व उसका सही इस्तेमाल करना तथा विपक्षी गठबंधन की कमजोरियों का प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, योगी आदित्यनाथ, नीतीश कुमार और उनके सहयोगियों ने जमकर लाभ उठाया। इसी पृष्ठभूमि में प्रशांत किशोर और राहुल गांधी की रणनीतिक विफलता राजग के लिए सफलता का आधार बनी है। यदि चुनाव से पहले की स्थितियों पर नजर डालें तो पहले से ही एनडीए लीड ले चुका था। उसने प्रत्याशियों की पहले घोषणा की जबकि महागठबंधन के नेता आपस में लड़ते रहे। टकराव तो राजग में भी दिखाई दिया लेकिन सुगठित चुनाव प्रचार, जनता के मन तक पहुंचना, सरकार की उपलब्धियां, शाह-मोदी तथा नीतीश की तिकड़ी के चमत्कार और लालू यादव के जंगल राज की यादों को ताजा करने की कुशल रणनीति ने एनडीए के चमत्कार को नमस्कार करवा दिया। एनडीए इस चुनाव में विकास-विचारधारा को मुद्दा बनाकर, "डबल इंजन सरकार" और सुशासन एजेंडे के साथ मैदान में उतरा था और विपक्ष के एमवाई (मुसलमान + यादव) के मुकाबले अपने एमवाई (महिला+युवा) की प्रस्तुति ने इस गठबंधन को व्यापक समर्थन दिया। इसके विपरीत, महागठबंधन ने जातिगत वोट बैंक विशेष रूप से मुस्लिम-यादव और नौकरियों-मुद्दों पर ज़ोर दिया लेकिन यह रणनीति काम नहीं आई। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने "गाँव-गाँव, मुद्दा-मुद्दा" की पहल की और नौकरियों-माइग्रेशन जैसे विषय उठाये, लेकिन उसका असर सीमित रहा। राहुल गांधी की ओर से "वोट चोरी" व एसआईआर में गड़बड़ी जैसे आरोप लगाए गए, उनकी रेलियों में भीड़ तो उमड़ी लेकिन 'वोट चोर गद्दी छोड़' की अपील जनादेश में बदल नहीं पाई। बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण हमेशा निर्णायक रहे हैं। इस बार एनडीए ने पिछड़ी अति पिछड़ी व अन्य पिछड़ी जातियों, दलितों, ओबीसी-गैर-यादवों के हर वर्ग में सेंध लगाने में सफलता प्राप्त की और हर वर्ग से वोट मिलने की वजह से ही इतना प्रचंड बहुमत मिलना संभव हो पाया। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार अति पिछड़ी एवं पिछड़ी जातियों के करीब 58 % वोट एनडीए को मिले। वहीं, महागठबंधन की अपने परंपरागत मुस्लिम यादव वोट बैंक पर अत्यधिक निर्भरता और अन्य समूहों के जुड़ पाने की विफलता से राजनीतिक रूप से भारी नुकसान हुआ और वह पहले जितनी सीटें भी प्राप्त नहीं कर पाया। महागठबंधन की सफलता में एक बड़ा कारण वहां कांग्रेस का ज़मीनी संगठन न रहना भी रहा। साथ ही, दो साल तक तेजस्वी का नीतीश कुमार के साथ उपमुख्यमंत्री के रूप में काम करना और फिर सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाना भी भारी पड़ा। मिथिलांचल, मगध, शिवहर-सीमांचल आदि में एनडीए. को संतुलित आधार मिला। विरोधी गठबंधन मुख्य रूप से एक-दो क्षेत्रीय और जातिगत धड़ों तक सीमित रहा, जिससे उनकी व्यापक पहुंच ढीली पड़ गई। इस जीत में नीतीश कुमार का 'सुशासन बाबू' का ब्रांड भी महत्वपूर्ण रहा। उनका दल जनता दल यूनाइटेड 80% जीत दर के साथ इस बार पहले से लगभग दुगनी सीटों पर जीता तो भारतीय जनता पार्टी ने 90% का स्ट्राइक रेट पाया।

रणनीतिक संयोजन, जातिगत एवं क्षेत्रीय समीकरणों को पहचानना व उसका सही इस्तेमाल करना तथा विपक्षी गठबंधन की कमजोरियों का प्रधानमंत्री मोदी, शाह, योगी, नीतीश ने लाभ उठाया

परिणामों में महागठबंधन को लगा बड़ा झटका

विस चुनाव
सुरेश हिन्दुस्तानी
स्वतंत्र पत्रकार

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए हुई मतगणना के बाद प्रदेश की राजनीतिक तसवीर स्पष्ट दिखाई देने लगी है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की स्पष्ट बहुमत की सरकार बन रही है। इसके निहितार्थ एकदम स्पष्ट हैं कि बिहार के मतदाताओं ने भाजपा के साथ नीतीश को फिर से बिहार के मुख्यमंत्री बनाने पर अपनी मुहर लगा दी है। दूसरी ओर कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व में बनाए गए महागठबंधन को बहुत बड़ा झटका लगा है। इसमें सबसे बड़ी बात यह भी है कि कांग्रेस और राजद का गठबंधन अपनी पिछली स्थिति को बरकरार रखने में भी असफल रहा है। पिछले चुनाव में राजद बहुमत की संख्या से कुछ ही दूर रहा, लेकिन इस बार यह संख्या बहुत कम होती दिखाई दे रही है। कांग्रेस का साथ इस बार भी राजद का कुछ भी भला नहीं कर सका, उलटे अपनी राजनीतिक जमीन को संकुचित कर बैठे। कांग्रेस की स्थिति तो इससे भी ज्यादा दयनीय हो चुकी है, वह दहाई की संख्या में आने के लिए भी तरस रही है। इनका वोट चोरी का आरोप भी मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित नहीं कर सका। आरोप लगाने मात्र से कोई अपराधी नहीं बन जाता, उसके लिए समय पर प्रमाण भी देना होता है। कांग्रेस द्वारा वोट चोरी का आरोप लगाते हुए यह दावा किया गया कि हरियाणा विधानसभा के चुनाव में ब्राजील की एक मॉडल ने 22 बार वोट डाला। इसके विपरीत मॉडल लारिसा नेरी का कहना था कि वे भारत कभी गई ही नहीं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब वे भारत आई ही नहीं, तब कांग्रेस का यह आरोप केवल एक नैरेटिव स्थापित करने जैसा ही माना गया। राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं पर इस प्रकार का असत्य आरोप लगाना निश्चित ही लोकतंत्र के लिए घातक ही है। कांग्रेस ने अपनी स्थिति स्वयं ही कमजोर की है। क्षेत्रीय दलों के सामने समर्पण करने के बाद भी कांग्रेस अपने को बहुत बड़ा दल मानती है और वैसा ही व्यवहार भी करती है। जबकि राजद ने कांग्रेस को ज्यादा भाव नहीं दिया। राष्ट्रीय जनता दल की हार के पीछे एक बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि बिहार में फिर से यादव राज की संभावना से मतदाता नाराज हुआ, इसके जानने के बाद भी तेजस्वी ने सहयोगी दलों की आवाज को अनसुना करते हुए विधानसभा के चुनाव में राजद की ओर से 52 प्रत्याशियों को मैदान में उतार दिया। इससे अन्य मतदाता इनकी ओर उतना नहीं आ सका, जितनी उम्मीद की जा रही थी। इसको भाजपा के राजनीतिक हथियार के रूप में उपयोग किया, जो भाजपा के लिए लाभदायक साबित हुआ। बिहार के मतदाताओं ने प्रदेश की जो राजनीतिक तस्वीर बनाई है, वह चुनाव बाद किए गए सर्वेक्षण को सही साबित कर रहे हैं।

कांग्रेस का साथ इस बार भी राजद का कुछ भी भला नहीं कर सका, उलटे अपनी राजनीतिक जमीन को संकुचित कर बैठे।

बिहार का जनादेश लाया बदलाव का नया संदेश

रणनीति
प्रभुनाथ शुक्ल
वरिष्ठ पत्रकार

बिहार चुनाव की तस्वीर साफ हो चली है। एनडीए गठबंधन एक बार फिर बिहार में स्थिर सरकार देने को तैयार है। जबकि विपक्ष की चुनावी रणनीति पूरी तरह फिसल गई है। विपक्ष ने बिहार में जंगलराज की बात को भले प्रचारित किया, लेकिन जनता ने भाजपा और जनतादल (यू) नीतीश और मोदी की जोड़ी पर भरोसा जताया। बिहार के लोगों ने सुशासन बाबू को दिल से लिया।

एनडीए गठबंधन ने पिछले चुनाव का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जबकि प्रमुख विपक्षी दल आरजेडी और महागठबंधन पूरी तरह पराजित हुआ है। तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाली आरजेडी का प्रदर्शन पिछली बार से भी घटिया रहा है। विपक्ष जहां चुनावी माहौल सिर्फ हवा में बनाता रहा वहीं भाजपा जमीनी स्तर पर उतरकर वहां अपनी स्थिति मजबूत किया है। दूसरी तरफ एनडीए लगातार सत्ता में बनी रही जिसका उसे फायदा मिला है। कांग्रेस जैसे बड़े राष्ट्रीय दल से भी कई गुना अच्छा प्रदर्शन लोजपा चिराग पासवान की पार्टी ने किया है। बिहार का चुनाव राजनीति के लिए साफ संदेश है। बिहार का चुनाव परिणाम किसी राजनीतिक दल की हार और जीत का परिणाम नहीं, बल्कि जनता के जनादेश का परिणाम है। राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव को इस बात को समझना चाहिए कि सिर्फ हवा में आरोप लगाकर आप सत्ता नहीं हासिल कर सकते हैं। जनता विकास चाहती है, हवाई नारों पर वह विश्वास करने वाली नहीं है। बिहार की जनता ने कम से कम यह साफ संदेश दे दिया है। बिहार का जनादेश, बदलाव की दिशा में नया संदेश है। बिहार की जनता ने एनडीए के सुशासन पर अधिक भरोसा जताया है। बिहार में सच्चाई है कि वहां विकास हुआ है और लोगों को जंगलराज से राहत मिली। विपक्ष के लिए है चिंता और चिंतन का सवाल है। राहुल गांधी को अब जमीनी राजनीति करनी चाहिए। सिर्फ तालियां पिटवाने की राजनीति से उन्हें बाज आना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ उन्होंने जितना निजी हमला किया, उसका परिणाम सकारात्मक होने के बजाय नकारात्मक आया। कांग्रेस अपनी जड़ और जमीन दोनों को खो दिया है। कांग्रेस और उसका नेतृत्व कब समझेगा यह विचारणीय बिंदु है। सिर्फ जुमले और नारों से आप जमीन नहीं बदल सकते हैं। जनता जमीन पर बदलाव देखना चाहती है। लालू यादव के कुशासन और जंगल राज की तस्वीर आज उसके जेहन में चस्पा हैं, जिसकी वजह से तेजस्वी यादव को लोगों ने नकार दिया है। दूसरी वजह लालू यादव के पारिवारिक झगड़ों के साथ महागठबंधन में रणनीति की कमी और आंतरिक बिखराव इसका सबसे बड़ा कारण है। बिहार में नीतीश और मोदी की जोड़ी ने सिर्फ नारे नहीं लगाए, जमीन पर काम भी किया। इससे बिहार की जनता को सीधा फायदा मिला है, राजनीतिक दलों के लिए बिहार चुनाव बड़ा संदेश है। इन परिणामों ने यह साबित किया कि है यहां की राजनीति अब सिर्फ जात-पात और संप्रदाय तक सीमित नहीं रही, बल्कि विकास, पर आधारित है। महिला मतदाता ने निर्णायक भूमिका निभाई है। दो चरणों में मतदान हुआ जिसमें दूसरे चरण में 69 फीसदी तक मतदाताओं की हिस्सेदारी इस बात का संकेत है कि बिहार की जनता सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी देना चाहती है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछली बार की तुलना में समाज के उन वर्गों ने मतदाताओं ने मतदान में हिस्सा बढ़ाया है जिनके मतों पर दल लंबे समय से निर्भर थे। इस बढ़ी भागीदारी का मतलब साफ है, नेताओं को अब जवाबदेही भी ढंग से दिखानी होगी। एनडीए ने न सिर्फ बहुमत पार किया, बल्कि बहुत मामलों में महागठबंधन को पीछे छोड़ा। इस बढ़त के पीछे कई कारक हैं। नीतीश कुमार की महिला मतदाता और अत्यंत पिछड़ा वर्ग फॉर्मूला माना जा रहा है जिनमें एनडीए ने अच्छी पकड़ बनाई है। मुस्लिम बहुल सीटों में एनडीए को पारंपरिक अनुमान से बेहतर नतीजे मिले, खासतौर पर जब बहुत लोग मान रहे थे कि यह हिस्से विरोधी गुट का सहज आधार होंगे। एनडीए ने जनता के बीच जाकर अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाई जबकि विपक्ष के पास ऐसा कुछ नहीं था।

राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव को इस बात को समझना चाहिए कि सिर्फ हवा में आरोप लगाकर आप सत्ता नहीं हासिल कर सकते हैं।

चुनाव परिणामों में भावनाओं पर नीति की जीत

जनादेश
अजीत लाड़
स्वतंत्र पत्रकार

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का जनादेश भारतीय राजनीति की गहरी हलचलों को उजागर करता है। यह नतीजा मात्र सत्ता परिवर्तन का गणित नहीं; यह मतदाता की विकसित समझ, सामाजिक-आर्थिक आकांक्षाओं और राजनीतिक नेतृत्व के प्रति विश्वास का विस्तृत परीक्षण भी है। कांग्रेस, आरजेडी और अन्य विपक्षी दल जिस "एकता" को ऐतिहासिक पलटवार के रूप में प्रस्तुत कर रहे थे, वह मतदाता की कसौटी पर टिक ही नहीं पाया। यह पराजय किसी आकस्मिक घटना का परिणाम नहीं, बल्कि कई वर्षों से संचित संगठनात्मक कमियों, भूथर रणनीतियों और अधूरे नेतृत्व का प्रतिफल है। चुनावी अभियान की शुरुआत में महागठबंधन ने परिवर्तन की तेज़ हवा का दावा किया।

राजनीतिक नारों, आक्रामक विज्ञापनों और डिजिटल प्रचार की चमकदार प्रस्तुतियों से जनता का मन जीतने का प्रयास हुआ। फिर भी मतदाता की वास्तविक अपेक्षाएं सतही उत्तेजनाओं से आगे बढ़ चुकी थीं। बिहार का युवा अब अवसर चाहता है, महिलाएं आर्थिक स्वतंत्रता का मार्ग खोज रही हैं, और ग्रामीण मतदाता ऐसी सरकार को प्राथमिकता देता है जो रोज़मर्रा की समस्याओं को हल करने की क्षमता दिखा सके। महागठबंधन इन व्यापक अपेक्षाओं को समझ ही नहीं पाया। उसके दावों में भावनाएं तो प्रबल थीं, पर भविष्य के लिए ठोस संरचना का अभाव रहा। नेतृत्व भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आया। तेजस्वी यादव को युवा राजनीति का प्रतीक बताने की कोशिश हुई, फिर भी बिहार जैसे जटिल राजनीतिक भूगोल वाले राज्य में अनुभव, प्रशासनिक दृष्टि और कठोर निर्णय क्षमता की आवश्यकता होती है। जनता वही नेतृत्व चुनती है जिसके पास दिशा हो, स्पष्टता हो और दीर्घकालिक सोचना आता हो। कांग्रेस की स्थिति इससे भी अधिक विस्मयकारी रही, न संगठन में सक्रियता, न स्थानीय स्तर पर उपस्थिति, न ही कोई ऐसा चेहरा जो मतदाता में भरोसा पैदा कर सके।

इस शून्य ने महागठबंधन को एकजुट मोर्चे के रूप में कम और विखंडित समूह के रूप में अधिक प्रस्तुत किया। भाजपा ने इस चुनाव में जिस सबसे महत्वपूर्ण तत्व पर ध्यान केंद्रित किया, वह था समावेशी विकास का भरोसा। "सबका साथ–सबका विकास" केवल नारा नहीं रहा; यह उन योजनाओं का आधार बना, जिन्होंने समाज के अलग-अलग वर्गों को प्रत्यक्ष लाभ दिया। विशेष रूप से महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास बिहार में परिवर्तन की धुरी बन गया। स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण उद्यमिता, शिक्षा में सुधार, सुरक्षा की विश्वसनीयता और घर की चारदीवारी से बाहर आर्थिक सहभागिता, इन सभी ने महिलाओं को पहली बार यह अनुभव कराया कि राजनीति उनके जीवन को वास्तविक रूप से बदल सकती है। भाजपा ने इस परिवर्तन को समझकर अपनी रणनीति तय की।

महागठबंधन इस उभरती शक्ति को केवल भावनात्मकता के सहारे प्रभावित करने की कोशिश करता रहा, जबकि मतदाता ठोस परिणामों की तुलना करता चला गया। बिहार में लंबे समय तक जाति समीकरण चुनावी भविष्यवाणी का सरल सूत्र माने जाते थे। इस चुनाव ने उस पुराने ढांचे को पूरी तरह अप्रासंगिक साबित किया। मतदाता अब केवल पहचान के आधार पर मतदान नहीं करता; वह विकास के अवसरों, सरकारी सेवाओं की उपलब्धता और स्थिर प्रशासन को प्राथमिकता देता है। भाजपा की नीतियों और कार्यशैली ने यह विश्वास जगाया कि राज्य के विकास का पहिया तेज़ गति से घूम सकता है। सड़क, बिजली, गैस, सिंचाई, उद्यमिता और शिक्षा के क्षेत्र में जो विस्तार हुआ, उसने मतदाता के मन में यह धारणा स्थापित की कि विकास की निरंतरता उसी राजनीतिक इकाई से संभव है जिसने इन आधारभूत संरचनाओं को मजबूत किया। विपक्ष की सबसे बड़ी भूल यह रही कि उसने सोशल मीडिया की चमक को वास्तविक जनभावनाओं का प्रतिनिधि मान लिया। डिजिटल अभियानों में ऊर्जा भले ही दिखी, पर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बूथ स्तर पर उनकी उपस्थिति कमजोर रही। चुनाव प्रचार में रीलें और ट्रेंड उत्साह पैदा करते हैं, परंतु मतदान का निर्णय तभी बनता है जब मतदाता को यह भरोसा हो कि उसका जीवन सुरक्षित, स्थिर और प्रगतिशील दिशा में आगे बढ़ रहा है। महागठबंधन इस भरोसे की नींव तैयार करने में असफल रहा। इस चुनाव के पीछे जो वास्तविक मनोदशा रही, वह एक वाक्य में स्पष्ट होती है। जनता विरोध नहीं, विकल्प चाहती है। ऐसा विकल्प जो केवल व्यवस्था की आलोचना न करे, बल्कि बेहतर व्यवस्था का भरोसेमंद मार्ग प्रस्तुत करे। एनडीए यह विश्वास दिलाने में सफल रहा कि शासन क्षमता, नीति की दृढ़ता और समाज के हर वर्ग से जुड़ने की शक्ति उसके पास है। विपक्ष केवल सरकार-विरोध का मंच बनकर रह गया, उसकी अपनी कोई ऐसी योजना सामने नहीं आई जो मतदाता को प्रेरित कर सके। बिहार का यह जनादेश पूरे देश के लिए एक संकेत देता है। मतदाता अब भावनात्मक राजनीति के युग से आगे निकल चुका है। राष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में उभरती नई सामाजिक चेतना विकास, आत्मनिर्भरता और स्थिर शासन को प्राथमिकता देती है।

मतदाता अब भावनात्मक राजनीति के युग से आगे निकल चुका है। राष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में उभरती नई सामाजिक चेतना विकास, आत्मनिर्भरता और स्थिर शासन को प्राथमिकता देती है।

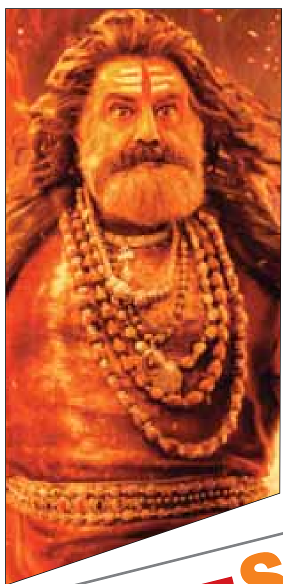

'अखंड 2' में नंदमुरी बालकृष्ण का अवतार चौंका देगा ...

मुंबई। तेलुगू सिनेमा के अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म 'अखंड 2' काफी समय से चर्चा में है। फिल्म की पहली किस्त 'अखंड' को लोगों ने खूब पसंद किया था। अब नजरें दूसरी किस्त पर हैं। लोगों के उत्साह को बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने 'अखंड 2' का पहला गाना 'द थांडवम' जारी कर दिया है। अभिनेता नंदमुरी पर फिल्माए 'द थांडवम' के बोल शंकर महादेवन ने लिखे हैं। इसे आवाज कैलाश खेर और कल्याण चक्रवर्ती ने दी है। शक्ति और विनाश से भरपूर 'द थांडवम' में नंदमुरी, भगवान शिव की भक्ति में लीन नजर आए हैं। उनका अवतार रोंगटे खड़े कर देने वाला है।

लाइफ Style

रवीना

पीएम मोदी की मां का निभाएंगी किरदार

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन हमेशा से दमदार किरदार निभाने के लिए जानी गई हैं। फिल्म 'पटना शुक्ला' और 'लॉयर' में उनके निभाए गए किरदारों को दर्शकों ने बहुत पसंद किया था। खबर है कि अभिनेत्री अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बायोपिक का हिस्सा बन गई हैं, जिसका नाम 'मां वंदे' होगा।

एजेंसी ⏭ मुंबई

फिल्म में उन्हें प्रधानमंत्री की दिवंगत मां हीराबेन का किरदार निभाते देखा जाएगा। क्रांति कुमार च फिल्म का निर्देशन करेंगे। मलयालम अभिनेता उन्नी मुकुंदन प्रधानमंत्री मोदी का किरदार निभाएंगे। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, रवीना अपने किरदार को लेकर काफी खुश हैं। वह हमेशा से हीराबेन के विपरीत परिस्थितियों में उबरने के साहस की प्रशंसक रही हैं। एक सूत्र के हवाले से कहा गया, मां वंदे ऐसी फिल्म है, जो मां-बेटे के रिश्ते पर केंद्रित है। फिल्म मुख्य रूप से उनके त्याग, दृढ़ता और उनके जिंदगी को बेहतर बनाने के योगदान को दिखाती है। रवीना इस पहलू से प्रभावित थीं, और कहानी का हिस्सा बनना चाहती थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, 'मां वंदे' का निर्माण वीर रेड्डी एल द्वारा सिल्वर कास्ट क्रिएशन्स के बैनर तले किया जाएगा। श्रीकर प्रसाद निर्देशन का काम संभालेंगे। निर्माताओं ने बताया कि यह फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित होगी, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी के बचपन से उनके राजनीति में आने तक के सफर और उतार-चढ़ाव को दिखाया जाएगा। कुछ अनछुए पहलू होंगे जिसमें उनकी मां की प्रभावशाली भूमिका दिखेगी। कहानी को प्रभावशाली बनाने के लिए निर्माता वीएफएक्स तकनीक का इस्तेमाल करेंगे।

हॉलीवुड मसाला

3 इडियट्स वाले मिमी दिखे पत्नी के साथ

नई दिल्ली। आमिर खान की फिल्म '3 इडियट्स' भला किसने नहीं देखी होगी! 2009 में रिलीज इस फिल्म की कहानी ही नहीं, बल्कि किरदार भी लोगों को बहुत पसंद आए थे। यही वजह है कि फिल्म सुपर-डुपर हिट साबित हुई थी। फिल्म में एक किरदार 'मिलीमीटर' का था, जिसे अभिनेता राहुल कुमार ने निभाया था। सोशल मीडिया पर राहुल का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्हें तुर्की की पत्नी के साथ देखा जा सकता है। वीडियो में उन्हें पहचानना मुश्किल है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में अभिनेता राहुल को अपनी तुर्की पत्नी के साथ दिल्ली में देखा गया।

मशहूर रैपर कार्डी बी चौथी बार बनीं मां...

लॉस एंजिल्स। अमेरिका की मशहूर रैपर कार्डी बी चौथी बार मां बन गई हैं। उन्होंने बॉयफ्रेंड स्टेफन डिग्स के साथ एक बेटे का स्वागत किया है। उन्होंने इस खुशखबरी को सोशल मीडिया पर एक वीडियो के जरिए साझा किया। वीडियो आते ही प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। वो कार्डी और स्टेफन को बधाई देकर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं। स्टेफन के साथ कार्डी का ये पहला बच्चा है, जबकि उनके पहले से 2 बेटे और 1 बेटी है। कार्डी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें उन्हें अपनी एल्बम 'एम आई द ड्रामा?' के गाने 'हैलो' पर लिप-सिंक करते हुए देखा गया। उन्होंने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'मैं दुनिया में नया संगीत और एक नया एल्बम लेकर आई! मेरी दुनिया में एक नया बच्चा' उन्होंने कहा कि यह सब उन्हें अपने बच्चों के लिए बेहतर बनने की प्रेरणा देता है।'

माधवन की फिल्मों को देखने का करेगा मन

मुंबई। आर माधवन जब भी पर्दे पर आते हैं तो अपने अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। किरदार जैसा भी हो, अभिनेता उसमें इस कदर उतरते हैं कि आप उनसे नजरें नहीं हटा सकेंगे। फिलहाल माधवन फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह अजय देवगन के ससुर बने हैं। उनका यह किरदार बेहद दिलचस्प है। खैर हम आपको माधवन की ऐसी ही दमदार फिल्में बताएंगे, जिन्हें आप ओटीटी पर देख सकते हैं। माधवन ने बॉलीवुड में फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' के साथ डेब्यू किया था। अभिनेता का जुनूनी किरदार इस फिल्म में देखने को मिलता है। कहानी ऐसी है, जो आपके दिल में बस जाएगी। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद है। फिल्म 'आप जैसा कोई' इसी साल जुलाई, 2025 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

भूत पुलिस 2 से कटा सैफ व अर्जुन का पत्ता

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और अर्जुन कपूर की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत पुलिस' 2021 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस और यामी गौतम भी अहम किरदार में थीं। दर्शकों ने फिल्म को ठीक-ठाक प्रतिक्रिया दी थी। खबर है कि निर्माता इस फिल्म की दूसरी किस्त लाने की तैयारी कर रहे हैं, जिसने लोगों का उत्साह बढ़ा दिया है। हालांकि, दिलचस्प बात ये है कि दूसरी किस्त से पुराने चेहरों को बाहर कर दिया गया है। बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड की रिपोर्ट के मुताबिक, परियोजना से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि निर्माता 'भूत पुलिस' की दूसरी किस्त पर चुपचाप काम कर रहे हैं। फिल्म की कहानी लिखी जा रही है, साथ ही नई कास्टिंग की प्रक्रिया चल रही है।

टीवी मसाला

'बिग बॉस 19': बेघर होने पर भड़के मृदुल इस प्रतियोगी को बताया शो का विजेता

मुंबई। सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के फिनाले में सिर्फ 3 हफ्ते बचे हैं। अभिषेक बजाज के बाद मृदुल तिवारी को बीच हफ्ते शो से बाहर का रास्ता दिखाया गया। इस चौंकाने वाले कदम से न सिर्फ उनके चाहने वाले, बल्कि खुद मृदुल भी भड़क गए हैं। हालिया बातचीत में यूट्यूबर ने निर्माताओं के अनुचित फैसले पर सवाल उठाया, और प्रशंसकों के समर्थन को याद किया। इसके अलावा उन्होंने बताया कि वह किसे विजेता बनते देखना चाहेंगे।

मृदुल ने निष्कासन को बताया मजाक : बातचीत में मृदुल ने कहा, ये एक मजाक जैसा लगा। मैंने एक ईमानदार खिलाड़ी के रूप में 80 दिनों का सफर पूरा किया। मैं निर्माताओं को दोष नहीं दूंगा, लेकिन जब मुझे पता चला कि मुझे इसलिए बेदखल कर दिया गया, क्योंकि एक टास्क के दौरान मुट्ठी भर लोगों ने मुझे वोट नहीं दिया था तो यह अनुचित लगा। उन्होंने कहा, मैंने शो में जबरदस्त वोट पाकर प्रवेश किया था, मुझे यह ट्विस्ट समझ नहीं आया।

मृदुल ने बताया 'तय' विजेता का नाम : 'बिग बॉस 19' में शुरुआती सफर से मृदुल और गौरव खन्ना की दोस्ती नजर आई है। उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के अभिनेता को विजेता घोषित कर दिया। मृदुल ने कहा, मेरे बाद सिर्फ गौरव ही जीत का हकदार है। वह सीधा-सादा, विनम्र है और कभी दूसरों को गाली नहीं देता। अगर किसी को जीतना है तो वह गौरव ही होना चाहिए। अगर उसके अलावा कोई और जीतता है तो मैं उस जीत को कभी गंभीरता से नहीं लूंगा।

'बिग बॉस 19' से निकलते ही बसीर अली के हाथ लगा नया प्रोजेक्ट

एकता कपूर के शो 'कुंडली भाग्य' से अभिनय की शुरुआत करने वाली बसीर अली के हाथ नया प्रोजेक्ट लगा है। इस खबर ने उनके प्रशंसकों का उत्साह सांतवें आसमान पर पहुंचा दिया है। दिलचस्प बात यह है कि इस आगामी प्रोजेक्ट में उनके साथ मशहूर टीवी अभिनेत्री ईशा मालवीय नजर आएंगी, जो 'बिग बॉस 17' का हिस्सा भी रह चुकी हैं। बसीर जब से 'बिग बॉस 19' से बाहर आए हैं, उनके प्रशंसकों को उनके नए प्रोजेक्ट का इंतजार था। रिपोर्ट के मुताबिक, बसीर और ईशा को कथित तौर पर एक म्यूजिक वीडियो के लिए साथ लाया गया है। यह गाना भावनाओं से भरपूर होने का वादा करता है। यह पहला मौका होगा जब प्रशंसक, बसीर और ईशा को एक साथ स्क्रीन साझा करते देखेंगे। लोगों ने अभी से सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर करना शुरू कर दिया है। हालांकि बसीर और ईशा के आगामी म्यूजिक वीडियो पर निर्माताओं का आधिकारिक बयान आना बाकी है।

'वेलकम टू द जंगल' में येदा अन्ना के किरदार में लौटेंगे सुनील शेट्टी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म 'वेलकम' को दर्शकों का बेशुमार प्यार मिला था। 2015 में जॉन अब्राहम 'वेलकम बैक' के साथ आए। यह फिल्म भी ठीक-ठाक साबित हुई। अब फ्रैंचाइजी की तीसरी किस्त 'वेलकम टू द जंगल' की बारी है, जिसका इंतजार लंबे समय से किया जा रहा है। फिल्म के निर्देशक अहमद खान ने हालिया बातचीत में तीसरी किस्त के बारे में बात की है। यही नहीं उन्होंने फिल्म में सुनील शेट्टी के किरदार पर दिलचस्प खुलासा किया।

पुराने किरदार में वापसी करेंगे सुनील : पिंकविला के साथ बातचीत में अहमद ने 'वेलकम टू द जंगल' से सुनील के किरदार पर बात की और बताया कि वो 'येदा अन्ना' के रूप में वापसी करेंगे। जिन लोगों को नहीं पता उन्हें बता दें कि फिल्म 'आवारा पागल दीवाना' में अभिनेता ने इस किरदार को निभाया था। उन्होंने कहा, सुनील, 'आवारा पागल दीवाना' से लिया गया येदा अन्ना का किरदार निभा रहे हैं, इसलिए वो थोड़े अलग अंदाज में येदा अन्ना का किरदार निभा रहे हैं।

तीन बड़े गानों में दिखेंगे सुनील: अहमद ने बताया कि येदा अन्ना के रूप में सुनील की अक्षय और अरशद वारसी के साथ दिलचस्प नोंक-झोंक है, जो रोमांच और मस्ती बढ़ाएगी। उनके मुताबिक इन तीनों के साथ मिलकर फिल्म का मजा भी बढ़ जाता है। उन्होंने आगे कहा, सुनील के पास 3 गाने हैं। मैंने उन्हें उनके जवानी के दिनों में नचाया था। अब मैं उन्हें फिर से नचा रहा हूं और यही उनकी सबसे अच्छी बात है। वह बूढ़े होने से इनकार करते हैं।

मुंबई। आने वाले दिनों में कई रोमांटिक फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इन्हीं में से एक है 'तेरे इश्क में'। फिल्म से सामने आई कलाकारों की झलकियों और गाने ने पहले ही दर्शकों का उत्साह बढ़ा दिया था और अब इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसकी राह खासतौर से कृति सैनन और धनुष के प्रशंसक बड़ी बेसब्री से देख रहे थे। आनंद एल राय के निर्देशन में बनी 'तेरे इश्क में' का ट्रेलर, जारी हो गया है।

'तेरे इश्क में' आशिक बने धनुष कृति संग खूब जमी जोड़ी...

प्यार-दर्द और टूटे रिश्ते की कहानी : 'तेरे इश्क में' का ट्रेलर रोमांटिक और भावनात्मक सफर पर ले जाता है। इसमें धनुष को एक दिल जले और बेरहम दीवाने आशिक के रूप में दिखाया गया है। उन्हें देख फिल्म 'रांझणा' में उनके किरदार कुंदन की यादें ताजा हो जाती हैं। उधर दर्द में डूबीं कृति के साथ धनुष की केमिस्ट्री भी कमाल की है। ट्रेलर देख तो लगता है कि प्यार, दर्द और जज्बातों से लबरेज एक दिल छू लेने वाली कहानी पर्दे पर आने वाली है।

कब रिलीज हो रही 'तेरे इश्क में'? : फिल्म की कहानी हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने मिलकर लिखी है। आनंद एल राय इसके निर्देशक हैं। वो फिल्म के प्रोडक्शन में भी शामिल हैं। ये एक म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म है, जिसके गाने इरशाद कामिल ने लिखे हैं और संगीतकार एआर रहमान हैं। इसके टाइटल सॉन्ग को अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज से सजाया है। फिल्म में एक बेहद भावनात्मक प्रेम कहानी देखन को मिलेगी। 'तेरे इश्क में' 28 नवंबर 2025 को हिंदी और तमिल में रिलीज होगी।

आनंद राय ने कराए थे धनुष को बॉलीवुड के दर्शन: धनुष ने आनंद की फिल्म 'रांझणा' से ही साल 2013 में बॉलीवुड में कदम रखा था। अपनी पहली हिंदी फिल्म से ही उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया था।

कुंदन के किरदार में जान फूंकने में धनुष ने कोई : कसर नहीं छोड़ी। आखिरी बार धनुष और आनंद फिल्म 'अतरंगी रे' के लिए साथ आए और एक बार फिर धनुष ने हिंदी भाषी दर्शकों को अपना मुरीद बना लिया। अक्षय कुमार और सारा अली खान भी इस फिल्म का हिस्सा थे।

'आई एम कलाम' ने भारत और विदेशों में 20 से भी ज्यादा जीते पुरस्कार

बच्चों पर बनीं इन फिल्मों ने जीते राष्ट्रीय पुरस्कार, एक पर सलमान ने लगाया था दांव

मुंबई। बाल दिवस के मौके पर बच्चों की दुनिया, उनकी मासूमियत और सपनों को खूबसूरती से दिखाने वाली कई हिंदी फिल्मों की याद ताजा हो जाती है। ऐसी कई फिल्मों ने न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता, बल्कि अपनी भावनात्मक कहानियों और मजबूत संदेशों के लिए बड़े-बड़े पुरस्कार भी जीते। आइए जानें उन फिल्मों के बारे में, जिन्होंने बच्चों के साथ-साथ बड़ों को भी अपना मुरीद बना लिया, वहीं इनमें काम करने वाले छोटे उस्ताद भी पर्दे पर छा गए।

'चिल्लर पार्टी'

साल 2011 में आई 'चिल्लर पार्टी' ने कम बजट में भी बड़ा कमाल कर दिखाया था। करीब 60 लाख रुपये में बनी इस फिल्म ने 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर सबको चौंका दिया। इस फिल्म ने अपनी दमदार कहानी और शानदार अभिनय के दम पर राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी जीता। विकास बहल और नितेश तिवारी इसके निर्देशक तो सलमान खान निर्माता थे। नेटफ्लिक्स पर मौजूद इस फिल्म में इरफान खान और स्वरा भास्कर समेत कई कलाकार थे।

'आई एम कलाम'

उधर अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद फिल्म 'आई एम कलाम' ने कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का नाम रोशन किया। ये कहानी है एक गरीब बच्चे 'छोटू' की, जो पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम से प्रेरित होकर अपनी जिंदगी बदलने का सपना देखता है। इसकी कहानी और हर्ष मायर के दमदार अभिनय ने इसे बेहद खास बना दिया। इसकी असली उपलब्धि रही पुरस्कारों की लंबी सूची। इस फिल्म ने भारत और विदेशों में 20 से भी ज्यादा पुरस्कार जीते।

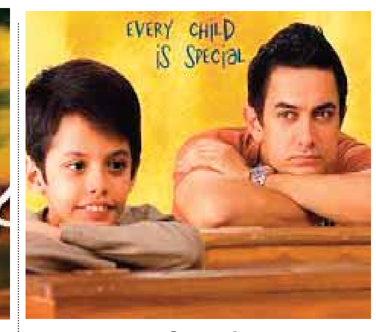

'तारे जमीन पर'

बच्चे जब एक्टिंग के अपने सफर पर निकलते हैं तो फिल्म इंडस्ट्री के समंदर से कई शानदार फिल्में मोती के रूप में निकलती हैं। बच्चों पर ऐसी कई बेहतरीन फिल्में बन चुकी हैं। इस सूची में 'तारे जमीन पर' का नाम भी शामिल है। आमिर खान इस फिल्म के निर्माता-निर्देशक थे। ये फिल्म डिस्लेक्सिया से जूझ रहे एक 8 साल के बच्चे की कहानी बयां करती है। राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुकी इस फिल्म को आप यूट्यूब पर देख सकते हैं।

'इकबाल' और 'धनक'

'इकबाल' की कहानी एक ऐसे लड़के की है, जो सुन और बोल नहीं सकता, लेकिन उसके अंदर भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेलने का बड़ा सपना है। फिल्म में श्रेयस तलपड़े ने मुख्य भूमिका निभाई थी। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुकी 'इकबाल' को आप जी 5 और यूट्यूब पर देख सकते हैं। उधर फिल्म 'धनक' में 2 भाई-बहनों के रिश्ते को खूबसूरती से दिखाया गया है। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुकी 'धनक' नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम वीडियो पर है।

माँ नर्मदा के अस्तित्व संरक्षण के लिए विजयनगर स्थित नर्मदा कालेज परिसर में होगा आयोजन

नौ दिवसीय श्री शिव समाराधन महायज्ञ एवं शिव महापुराण कथा 17 से 25 तक

हरिभूमि जबलपुर।

माँ नर्मदा को प्रदूषणमुक्त और उनके अस्तित्व की रक्षा के संकल्प के साथ माँ नर्मदा अस्तित्व संरक्षण समिति द्वारा 17 से 25 नवंबर 2025 तक नौ दिवसीय श्री शिव समाराधन महायज्ञ एवं श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक कार्यक्रम घड़ी चौक, विजय नगर स्थित नर्मदा कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस परिसर में होगा। आयोजन की जानकारी समिति अध्यक्ष राममूर्ति मिश्रा और मुख्य समायोजक स्वामी महेंद्रानंद महाराज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। इस नौ दिवसीय अनुष्ठान में प्रतिदिन सुबह 8 से 10 बजे तक वैदिक यज्ञ और दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक शिव महापुराण कथा का वाचन होगा, जिसे अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पूज्य श्री गिरिबापू जी महाराज अपने ओजस्वी श्रीमुख से प्रस्तुत करेंगे।

मुख्य संत और अतिथि

कार्यक्रम में पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी, जगद्गुरु नृसिंहदेवाचार्य जी, स्वामी गिरीशानंद सरस्वती जी, महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद महाराज सहित अनेक संतों का दिव्य सान्निध्य रहेगा। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री करण सिंह वर्मा, दिलीप जायसवाल, कृष्णा गौर, ओंकार सिंह मरकाम सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का समापन 25 नवंबर को पूर्णाहुति और विशाल भंडारे के साथ होगा। प्रेस वार्ता में स्वामी महेंद्रानंदजी, अध्यक्ष राममूर्ति मिश्रा, मयंक यादव, महंत दयानंद गिरि, नवनीत माहेश्वरी, एड. चंद्रपुरी गोस्वामी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

शंकराचार्य जी का जबलपुर आगमन आज

समायोजक स्वामी महेंद्रानंद जी ने बताया कि आज शाम परम पूज्य शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज का जबलपुर आगमन होगा तथा रविवार की रात 8 बजे कथा वाचक पूज्य श्री गिरिबापू जी महाराज भी पधारेंगे। यह महायज्ञ माँ नर्मदा संरक्षण के प्रति जनजागरण और सामूहिक संकल्प का संदेश लेकर संपूर्ण शहर में धर्ममयी वातावरण बनाने वाला सिद्ध होगा।

भानु देवाचार्य महाराज की अगुवाई में निकली श्रीराम कथा की शोभायात्रा

जबलपुर। श्रीराम मानस महिला मण्डल के तत्वावधान में अनंत श्री विभूषित परम पूज्य स्वामी राम प्रपन्नाचार्य महाराज के कृपा पात्र शिष्य मानस प्रपन्न भानु देवाचार्य महाराज के पावन सानिध्य में भव्य कलश यात्रा श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर गौतम मढिया, जबलपुर से प्रारंभ होकर क्षेत्रीय भ्रमण करती हुई पचमठा मंदिर लघुकाशी तीर्थ, जबलपुर में संपन्न हुई। भव्य शोभायात्रा का जगह-जगह श्रेत्रीय जनमानस ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। शोभायात्रा में दुलदुल घोड़ी, बैण्डदल के साथ पीत वस्त्र धारी बहिनें एवं सुमधुर भजनों को गाते भाई शोभायात्रा की गरिमा बढ़ा रहे थे। व्यास पीठ का पूजन अर्चन मुख्य यजमान गणेश दत्त दुबे/ संध्या दुबे, अमोल सिंह राजपूत, प्रतीक/ श्वेता दुबे ने किया। इस अवसर पर राजेश पटेल, जवाहर पटैल, भानुप्रताप सिंह, विराज तिवारी, आकाश पटैल, एड. राजकुमार अवस्थी, नितिन बहेडिया, एड. विनीत टहनगुरिया, डॉ. अजय फौजदार, राज चोपड़ा, सुधा राजपूत के साथ ही डॉ. अरुण मिश्रा, दीपांशु शुक्ला की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

रमनगरा में पंचदिवसीय नर्मदा पुराण आज से

जबलपुर। रामनगरा में 16 नवम्बर से नर्मदा पुराण का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर ब्रह्मलीन द्विपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज के परम प्रिय शिष्य गीता मनीषी ब्रह्मचारी निर्विकल्प स्वरूप महाराज कथा का वाचन करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 नवम्बर दिन शनिवार को शाम 4:00 बजे विशाल शोभायात्रा (कलश यात्रा) निकाली गयी। साथ ही आज 16 नवम्बर दिन रविवार से 20 नवम्बर गुरुवार तक प्रतिदिन अपरान्ह 3:00 बजे से संध्या 6:00 तक कथा होगी, जिसमें माँ भगवती नर्मदा की कथा होगी। आयोजक परिवार द्वारा सभी माँ नर्मदा के भक्तों एवं सभी श्रद्धालुओं से उक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ उठाने की अपील की गई है, जिसमें ब्रह्मचारी चैतन्यानंद एवं ब्रह्मचारी सास्वतानन्द भी सम्मिलित रहे।

सामाजिक जागरूकता पर जोर, लव जिहाद सहित कई मुद्दों पर हुई चर्चा

महिला सुरक्षा और सम्मान पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर। हिंदू जागरण मंच एवं जन कल्याण न्यास के संयुक्त तत्वावधान में आज मानस भवन में महिला सुरक्षा और सम्मान विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता पूज्य साध्वी समाहिता दीदी ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, संस्कार और समाज में बढ़ती चुनौतियों पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने लव जिहाद के मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए समाज में जागरूकता, सतर्कता और मजबूत सामाजिक ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया। साध्वी दीदी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा केवल कानून से नहीं, बल्कि परिवार और समाज की सामूहिक जागरूकता से सुनिश्चित होती है। कार्यक्रम में संगठन के क्षेत्र से मनीष उपाध्याय मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा जबलपुर जिले के संगठन मंत्री अंबालाल जी, टिल्लू शर्मा, सचिन रजक, प्रमोद महरौलिया, पीयूष रजक, यस कटारिया, विजय उपाध्याय, सीमा साहू, शिप्रा गुप्ता, वैभव खरे, मोहित शर्मा, शेखर रजक, प्रदीप द्विवेदी, आनंद सैनी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर जनजागरण को बढ़ावा देना और समाज में सम्मान व संवेदनशीलता का वातावरण बनाना रहा।

समाज का संग रिश्तों का रंग होता है परिचय सम्मेलन : नीरज नारद

जबलपुर। दो कुल ,दो परिवार, दो विचार के मन के मिलन का अवसर श्री आदिनाथ समिति गोल बाजार जबलपुर के तत्वावधान में आयोजित अखिल भारतीय दिगंबर जैन परिचय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ जिसमें बड़ी संख्या में अपार भीड़ के बीच श्री पिशनहारी तीर्थ परिसर में विवाह योग्य युवक, युवतियों ने पूर्ण मुस्तैदी के साथ अपने परिवार का एवं अपनी योग्यता का परिचय दिया। किसी ने बताया कि मुझे जॉब वाली लड़की चाहिए, तो किसी ने कहा कि मुझे मिलनसार, तो कहीं बुजुर्गों का सम्मान करने वाली जीवन संगिनी एवं भावनाओं का सम्मान करने वाला लड़का चाहिए। प्रदेश एवं देश के बाहर से जो प्रतिभागी सम्मेलन में स्वयं उपस्थित नहीं हो सके उन्होंने अपना दो मिनट का परिचय युक्त वीडियो आयोजक मंडल को भेजा जिसे सम्मेलन के दौरान बड़ी स्क्रीन पर चलाया गया। मीडिया प्रभारी नीरज नारद ने बताया कि आज कार्यक्रम में मुख्य अतिथि में सुनील जैन अध्यक्ष दयोदय तीर्थ क्षेत्र भेड़ाघाट, शैला जैन पूर्व पंचायत अध्यक्ष भेड़ाघाट, विशिष्ट अतिथि संजय अरिहंत महामंत्री पिशनहारी मढ़िया ट्रस्ट, गौरव अध्यक्ष कैलाशचंद जैन अध्यक्ष जैन पंचायत सभा जबलपुर, पंकज जैन संस्था अध्यक्ष शैलेश आदिनाथ की गरिमामयी उपस्थिति रही।

'जयोस्तुते' गीत से महाराष्ट्र विद्यालय शताब्दी महोत्सव का शुभारंभ

जबलपुर। महाराष्ट्र हायस्कूल राईट टाऊन जबलपुर शहर की प्रतिष्ठित एवं आदर्श शाला है, 1925-26 के ब्रिटिश काल में स्थापित यह शाला अपनी स्थापना का गौरवपूर्ण शताब्दी वर्ष मना रही है, इस उपलक्ष्य में पूर्व छात्रों का दो दिवसीय सम्मेलन मानस भवन में आयोजित किया गया। प्रथम दिवस 15 नवम्बर को शताब्दी वर्ष का उद्घाटन तालमणी पंडित किरण देशपांडे, जस्टिस प्रकाश नावलेकर, चंद्रशेखर पटवर्धन, सदानंद गोडबोले, सुरेश मुंजे, विश्वास पाटणकर द्वारा दीप प्रज्जवलन से किया गया। तत्पश्चात सभी पूर्व छात्रों द्वारा शाला की प्रार्थना 'काले वर्षतः पर्जन्यां पृथ्वी शस्य शालिनी' का सामूहिक गायन किया गया। शाला की सौ वर्ष की गतिविधियों से परिपूर्ण 'शतसाधना' स्मारिका का विमोचन संपादक मंडल के दीपक मुंजे, अभय गोरे, मदन नाईक, राकेश ताम्हनकर, रेखा शेवडे, स्मिता सप्रे, अनंत देढे, चंद्रशेखर पटवर्धन, राम कणीकर द्वारा किया गया। सदानंद गोडबोले ने स्वागत भाषण दिया। पूर्व शिक्षकों तथा प्रतिभा संपन्न पूर्व छात्रों का सम्मान किया गया। सुर संगम कार्यक्रम की प्रस्तुति श्रीकांत भुसारी, मंजुषा देशमुख, रेखा गोडसे पाटील, द्वारा दी गई।

पु. ल. देशपांडे लिखित, रवी परांजपे निर्देशित 'विठ्ठल तो आला आला' विनोदी नाटक का मंचन विशेष आकर्षण रहा। कराओके गीत गायन से कार्यक्रम का समापन हुआ। मंच संचालन विश्वास पाटणकर द्वारा किया गया। इस अवसर पर रवींद्र कीर्तने, सुबोध मांडवीकर, वर्षा दांडेकर, हेमंत सावरकर, दिलीप कुलकर्णी, रेखा गोडसे, मुरलीधर पाळंदे, राजा हिरस्कर, रमेश खडसन, प्रकाश वैद्य, पद्मजा रानडे, अरुण गायकी, संजय आपटे, सुधीर बेडेकर, सुनील किबे, शाम कुलकर्णी, प्रकाश वाते, मोहन देशपांडे, मुकुंद पांडे, अनिल दांडेकर, राजेंद्र पराते, पूर्व छात्रों का सहयोग रहा।

प्रीस्कूल में हुआ बाल दिवस समारोह

जबलपुर। इकिगाई किड्स इंटरनेशनल प्रीस्कूल में 14 नवम्बर 2025 को बाल दिवस बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया, जो बच्चों के लिए एक यादगार और सफल अवसर साबित हुआ। पूरे परिसर में हँसी, खुशी और सृजनात्मक ऊर्जा का वातावरण देखा गया, क्योंकि बच्चे विभिन्न मजेदार गतिविधियों में पूरी उत्सुकता के साथ भाग लेकर अपनी मासूमियत और आनंद का प्रदर्शन कर रहे थे। इस समारोह में टैटू कॉर्नर, कला गतिविधियाँ, कपकेक सजाने जैसी आकर्षक गतिविधियाँ शामिल थीं, जिससे बच्चों के चेहरे पर खुशी और चमक झलक रही थी। इस दिन का आनंद बच्चों के लिए अविस्मरणीय बन गया और यह स्कूल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वह प्रत्येक बच्चे के खुशहाल और सृजनात्मक विकास को महत्व देता है। इकिगाई किड्स इंटरनेशनल प्रीस्कूल में बाल दिवस समारोह अत्यंत हर्षोल्लासपूर्ण और सफल रहा, जिसने सभी के लिए सुंदर यादें छोड़ दीं। चेयरपर्सन अर्पिता मालपानी ने बच्चों को अपनी स्नेहपूर्ण शुभकामनाएँ दी।

मॉडल हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं को भूतपूर्व छात्रों ने दिए पुरस्कार

मॉडेलियन का प्रतिभा अलंकरण कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। मॉडल हाई स्कूल (पं. लज्जाशंकर झा उच्च. माध्य. उत्कृष्ट विद्यालय, जबलपुर) के भूतपूर्व छात्रों के संगठन मॉडेलियन का प्रतिभा अलंकरण समारोह शाला के छात्र- छात्राओं की उपस्थिति में 14 नवंबर बाल दिवस के अवसर पर संपन्न हुआ। मॉडेलियन द्वारा मॉडल हाई स्कूल के पूर्व शिक्षकों व प्राचार्यों की स्मृति में विभिन्न विषयों में प्रावीण्य सूची में स्थान पाने वाले शाला के ही छात्र-छात्राओं को अलंकरण एवं नकद राशि प्रदान की जाती है।

इस वर्ष कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शाला के 1979 बैच के छात्र और जाने-माने नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ. पवन स्थापक रहे। डॉ. पवन स्थापक ने इस अवसर पर कहा कि इस शाला के महान शिक्षकों की शिक्षा के ही कारण मेरे बैच के 28 छात्रों में से 20 छात्रों का चयन पीएमटी में उस वर्ष हुआ था। इस शाला में छात्रों में खुद पढ़ने और हर प्रतियोगिता को जीतने की शिक्षा दी गई है। उन्होंने अपने शाला के दिनों का स्मरण किया। इस अवसर पर डॉ. आईके खन्ना ने भी शाला के गौरवशाली दिनों को याद किया। डॉ. पवन स्थापक ने अगले वर्ष से शाला में 'बेस्ट टीचर' पुरस्कार शुरू करने की घोषणा की। कार्यक्रम में शाला प्राचार्य उपमा गुप्ता, मॉडेलियन सचिव हिमांशु राय, कोषाध्यक्ष योगेन्द्र भार्गव, संयुक्त सचिव युवराज गढ़वाल, हेमन्त दवे, प्रो. डॉ. आईके खन्ना, सिद्धार्थ दिवाकर, पीयूष अग्रवाल, गोविन्द इंदुरख्या, अजय नामदेव, डीडी शर्मा, आशीष नामदेव, अनिल बाजपेयी आदि उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन युवराज गढ़ावाल ने किया।

जय माता दी भक्त परिवार ने किया सुहागलों का आयोजन

जबलपुर। जय माता दी भक्त परिवार द्वारा अगहन की नवमी की आठवीं वर्षगांठ में विधि विधान वैदिक मंत्र उच्चारण, भजन द्वारा 258 बृहद सुहागलों आयोजित की गई जिसमें माता रानी ने सभी को दर्शन देकर आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम की आयोजक शिल्पा तिवारी डायरेक्टर जय माता दी भक्त परिवार को डायरेक्ट जयंती पोद्दार एवं संरक्षिका श्वेता दुबे के सौजन्य से सिंदूर की देवी सुहागले वैदिक मंत्र उच्चारण एवं भजन के द्वारा संपन्न हुई। जिसमें कीर्ति अभिलाष पांडे एवं मौसमी,रश्मि ,सुरभि ,आकांक्षा ,कुसुम लता, सिद्धि, अर्चना,वर्षा , दीपिका, अनामिका, सहित 258 महिलाओं ने भावपूर्वक भगवती की वर्षगांठ में सम्मिलित ओली लेकर आशीर्वाद प्राप्त किया। सभी पर माता रानी का आशीर्वाद बना रहे जय माता दी

बड़ेरिया ग्लोबल इंस्टीट्यूट में अनोखे तरीके से मनाया बाल दिवस

जबलपुर। आज बड़ेरिया ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट में बाल दिवस को एक अनोखे तरीके से मनाया गया। संस्थान का हमेशा से सामाजिक सेवा के प्रति सतत प्रयासरत रहा है। इसी कड़ी में आज बाल दिवस पर कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी गतिविधि के अंतर्गत ग्रामीण विद्यालय के बच्चों के लिए एक दिवसीय "कंप्यूटर अवेयरनेस वर्कशॉप- टेक उड़ान" का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्कूल के छोटे बच्चों को कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी और उसकी कार्यप्रणाली से परिचित कराना था। बच्चों ने इस वर्कशॉप में रुचि के साथ भाग लिया और कंप्यूटर पर कार्य करके प्रायोगिक ज्ञान भी प्राप्त किया। कार्यशाला उनके लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक सिद्ध हुई। इस वर्कशॉप में शामिल बच्चे समर्थ सद्गुरु विद्यापीठ, सूखा गाँव से आए थे। इन बच्चों को संस्थान के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। संस्थान के चेयरमेन सौरभ बड़ेरिया ने प्रशिक्षण देने वाले छात्रों की प्रशंसा करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. राजीव खत्री एवं डिप्टी डायरेक्टर डॉ. निहारिका यादव ने सभी बच्चों को उपहार एवं मिठाई वितरित की। इस कार्यशाला का आयोजन डॉ. वंदना पाठक द्वारा किया गया, जिसमें सपन मौर्य का विशेष योगदान रहा।

प्रदेश की पारेषण क्षमता मे बढोत्तरी

एमपी ट्रांसको ने 40 एमव्हीए क्षमता का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर लगाया

जबलपुर। प्रदेश की पारेषण व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण करते हुए मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने 132 के वी सबस्टेशन शामगढ़ (मंदसौर)में एक 40 एमवीए क्षमता का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर इसे ऊर्जीकृत किया है।इससे सब स्टेशन मे जहां एक अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर की उपलब्धता हो गई है वही क्षेत्र के 21 हजार विद्युत उपभोक्ताओं को निर्बाध व गुणवत्तापूर्ण बिजली प्राप्त हो सकेगी। इस ट्रांसफार्मर के सफलतापूर्वक उर्जीकृत होने से प्रदेश की पारेषण क्षमता मे वृद्धि हुई है। जो अब बढ़कर 82101 एम वी ए की हो गई है।एमपी ट्रांसको के प्रदेश मे 417 एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशन हैं।

ठंड से जम जाएगा यूरोप! भारत, अमेरिका और अफ्रीका पर होगा ऐसा असर

वॉशिंगटन। यूरोप और कई महाद्वीपों को गर्म रखने वाली अटलांटिक महासागर की मुख्य समुद्री धारा अब खत्म हो रही है। अब वो धारा ठंडा हो रही है, जिसे आइसलैंड ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया है। अगर यह धारा रुक जाती है, तो पूरे यूरोप में फिर से हिमयुग आ सकता है। चारों तरफ बर्फ ही बर्फ हो जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आइसलैंड के जलवायु मंत्री जोहान पाल जोहानसन का कहना है कि यह देश की अस्तित्व के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि अब सरकार सबसे बुरे हालात के लिए योजना बना रही है, क्योंकि आइसलैंड बिल्कुल नॉर्थ पोल पर स्थित है। सबसे बुरा असर उस पर ही पड़ेगा।

क्या है अटलांटिक धारा?

इस धारा का नाम अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन है, जो गर्म पानी को उष्णकटिबंधीय क्षेत्र से आर्कटिक की तरफ लेकर जाती है। इससे यूरोप के सर्दियां हल्की रहती हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण आर्कटिक की बर्फ पिघलती जा रही है। ग्रीनलैंड की बर्फीली चादर से निकलने वाला ठंडा पानी समुद्र में बह रहा है।

ठंडे पानी से बाधित हो सकती है धारा

वैज्ञानिक का कहना है कि इस ठंडे पानी से धारा बाधित हो सकती है। अगर एएमओसी ढह जाती है, तो उत्तरी यूरोप में सर्दियों के दौरान तापमान बहुत ज्यादा गिर जाएगा। बर्फ और बर्फीले तूफान बढ़ जाएंगे। वैज्ञानिकों ने कहा कि पहले भी यह धारा ढह चुकी है। करीब 12,000 साल पहले आखिरी बर्फीले युग से पहले यही हुआ था।

तेजी से बदल रहा है विज्ञान

फिनलैंड के मौसम विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक एलेक्सी नुमेलिन का कहना है कि कब होगा, इस पर बहुत शोध किए जा रहे हैं, लेकिन समाज पर असर के बारे में कम जानकारी है। जर्मनी के पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट के स्टेफन राह्मस्टॉर्फ ने कहा कि विज्ञान तेजी से बदल रहा है। कम समय है, क्योंकि टिपिंग पॉइंट करीब आ रहा है।

क्या होगा दुनिया पर प्रभाव?

एएमओसी के ढहने का असर सिर्फ यूरोप पर नहीं, बल्कि दुनिया के कई देश प्रभावित हो सकते हैं। अफ्रीका, भारत और दक्षिण अमेरिका का बारिश पैटर्न बिगड़ सकता है। अंटार्कटिका में गर्मी तेज हो सकती है, जहां पहले ही बर्फ खतरे में है। वैज्ञानिक चेतावनी लगातार दे रहे हैं कि अगले कुछ दशकों में घटना पूरी हो जाएगी, क्योंकि वैश्विक तापमान बढ़ रहा है।

ये है दुनिया का सबसे महंगा सेब, कीमत इतनी जिसमें आ जाएंगी कई लग्जरी कारें

मुंबई। क्या आपने कभी सोचा है कि एक साधारण दिखने वाला सेब करोड़ों रुपये का हो सकता है? सुनने में फिल्मी लगता है, लेकिन मुंबई के मशहूर 'गोल्ड मैन' रोहित पिसाल ने इसे हकीकत में बदल दिया है। उन्होंने हीरे और सोने से बना 10 करोड़ रुपए का एप्पल तैयार किया है, जो आज दुनिया भर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

18 कैरेट सोना और 1396 हीरे की चमक

यह कोई खाने वाला सेब नहीं, बल्कि भारतीय ज्वेलरी कला की अनमोल मिसाल है। रोहित पिसाल ने इस कलाकृति को 18 कैरेट गोल्ड और 9 कैरेट 36 सेंट डायमंड्स से तैयार किया है। इसमें 1396 छोटे-छोटे हीरे जड़े गए हैं और इसका वजन करीब 29.8 ग्राम है। हर टुकड़े को इतनी बारीकी से गढ़ा गया है कि यह असली सेब जैसा नजर आता है।

भारतीय कला का 'गोल्डन' गौरव : यह एप्पल सिर्फ एक डिजाइन नहीं, बल्कि इंडियन हैंडक्राफ्ट की ग्लोबल पहचान बन गया है। इसने यह साबित कर दिया कि इंडियन ज्वेलरी आर्टिस्ट्स सिर्फ आभूषण नहीं, बल्कि इतिहास गढ़ सकते हैं।

अब थाईलैंड के रॉयल पैलेस में चमक रहा

आज यह बेशकीमती सेब थाईलैंड के रॉयल पैलेस में प्रदर्शित किया जा रहा है। विदेशी कलेक्टर्स इसकी सुंदरता पर फिदा हैं और करोड़ों की पेशकश कर रहे हैं। रोहित का कहना है, 'यह सिर्फ एक ज्वेलरी पीस नहीं, बल्कि भारतीय कारीगरी की शान है।'

ऐसा अनोखा देश, जहां नहीं है एक भी सांप

नई दिल्ली। सांप की दुनियाभर में तीन हजार से ज्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें कुछ सांप बेहद जहरीले होते हैं, जिनके काटने से इंसान की पलभर में मौत हो सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में सांपों की 69 प्रजातियां ऐसी हैं, जो बेहद खतरनाक होती हैं। इनमें 29 समुद्री सांप हैं, तो वहीं 40 जमीन पर रहने वाले हैं। ब्राजील को सांपों के देश के तौर पर जाना जाता है, क्योंकि यहां पर दुनिया में सबसे ज्यादा सांप पाए जाते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक देश ऐसा भी है, जो 'सांप विहीन' है यानी यहां एक भी सांप नहीं हैं। जी हां, आयरलैंड एक ऐसा देश है, जहां सांप हैं ही नहीं, लेकिन इसके पीछे की वजह जानेंगे तो आप और भी हैरान रह जाएंगे।

आयरलैंड के बारे में कहा जाता है कि आज के समय में धरती पर जितने भी ध्रुवीय भालू जीवित हैं, अगर उनके पूर्वजों का पता लगाने की कोशिश करें तो ये सभी आयरलैंड में 50 हजार साल पहले जीवित एक भूरी मादा भालू के बच्चे हैं।

आयरलैंड में सांप क्यों नहीं पाए जाते?

दरअसल, इसके पीछे एक पौराणिक कथा प्रचलित है। कहा जाता है कि आयरलैंड में ईसाई धर्म की सुरक्षा के लिए सेंट पैट्रिक नामक एक संत ने एक साथ पूरे देश के सांपों को घेर लिया और उन्हें इस आइलैंड से निकाल कर समुद्र में फेंक दिया। उन्होंने 40 दिन भूखे पेट रहकर इस काम को पूरा किया था।

ठंड के कारण सांप हो गए विलुप्त

हालांकि, वैज्ञानिकों का मानना है कि आयरलैंड में कभी सांप थे ही नहीं। जीवाश्म अभिलेख विभाग में ऐसा कोई भी रिकॉर्ड दर्ज नहीं है, जिससे यह पता चले कि आयरलैंड में कभी सांप थे। आयरलैंड में सांपों के न होने को लेकर यह कहानी भी प्रचलित है कि यहां पहले सांप पाए तो जाते थे, लेकिन अत्यधिक ठंड के कारण वो विलुप्त हो गए। तब से यही मान लिया गया कि ठंड के कारण ही यहां सांप नहीं पाए जाते हैं।

मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी का तृतीय दीक्षांत समारोह आयोजित

उद्यमिता के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने वाली हो शिक्षा: राज्यपाल

हरिभूमि न्यूज ⏩ भोपाल

सिर पर साफा, हाथों में उपाधि और गर्व की अनुभूति से लबरेज विद्यार्थी केसरिया रंग की पोशाक में अपनी मेहनत, समर्पण और सफलता का जश्न मनाते नजर आ रहे थे। अवसर था मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के तृतीय दीक्षांत समारोह का, जहां राज्यपाल द्वारा करीब 250 विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने उपाधि प्राप्त की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्यपाल मंगूभाई पटेल, विशिष्ट अतिथि मप्र निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रोफेसर खेम सिंह डहेरिया ने किया। मानसरोवर ग्लोबल विवि की कुलाधिपति मंजुला तिवारी, प्रतिकुलाधिपति इंजी. गौरव तिवारी, प्रो-चांसलर डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय, कुलपति डॉ. ए.एस. यादव, प्रति कुलपति कर्नल एच.आर. रूहील और कुलसचिव डॉ. पुष्पेन्द्र तिवारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रति कुलाधिपति इंजी. गौरव तिवारी ने अतिथियों का स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए सर्वप्रथम मानसरोवर समूह के संस्थापक ब्रह्मलीन कमलाकांत तिवारी का स्मरण किया।

केसरिया रंग की पोशाक में शपथ लेते विद्यार्थी।

यहां से प्राप्त उपाधि और दीक्षा महत्वपूर्ण है...

राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने विभिन्न संकाय के पाठ्यक्रमों सहित चिकित्सा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध का वातावरण निर्मित करने के लिए मानसरोवर विश्वविद्यालय को शुभकामनाएं दीं। प्रो. खेम सिंह डहेरिया ने कहा कि यहां से प्राप्त उपाधि और दीक्षा महत्वपूर्ण है। इस दीक्षा सहित अपने राज्य और देश का मान सम्मान रखते हुए विकसित भारत के पुनर्निर्माण में अपना सहयोग दें।

बजाज 'बैंकिंग और वित्तीय सेवाएँ फंड लॉन्च

पुणे, मंबई। बजाज फिन्सर्व एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्र में निवेश करने वाली एक ओपन-एंडेड इक्विटी योजना, बैंकिंग और वित्तीय सेवा फंड, की शुरुआत की घोषणा की है। यह नया फंड ऑफर (एनएफओ) 10 नवंबर 2025 को सदस्यता के लिए खुला और 24 नवंबर 2025 को बंद होगा। इस फंड को निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज टीआरआई के समकक्ष बेंचमार्क किया गया है। पिछले दो दशकों में, इस क्षेत्र का बाजार पूंजीकरण लगभग 50 गुना बढ़ गया है, जो तीव्र डिजिटलीकरण, बढ़ती ऋण पहुँच, वित्तीय समावेशन और साहसिक नियामक सुधारों के कारण संभव हुआ है।

वन्दे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर डीआरएम ने किया पौधरोपण

भोपाल। वन्दे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में शुक्रवार को रेलवे कॉलोनी हबीबगंज स्थित झूला घर प्रांगण में विशेष पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पौधरोपण कार्यक्रम में डीआरएम पंकज त्यागी एवं एडीआरएम अभिराम खरे सहित अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण जागरुकता सन्देश दिया।

मैक्स हॉस्पिटल ने की जॉइंट रिप्लेसमेंट ओपीडी सेवा शुरू

जबलपुर। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नागपुर ने आज मैक्स सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी सेंटर में अपने विशेष ऑर्थोपेडिक्स और जॉइंट रिप्लेसमेंट ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की, जो एच पी पेट्रोल पंप के सामने, होम साइंस कॉलेज रोड, नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है। इस ओपीडी सेवा का शुभारंभ डॉ. मनोज पाहुकर, डायरेक्टर, ऑर्थोपेडिक्स और जॉइंट रिप्लेसमेंट और डॉ. प्रशिक शेंडे – एसोसिएट कंसल्टेंट, ऑर्थोपेडिक्स और जॉइंट रिप्लेसमेंट, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नागपुर की उपस्थिति में किया गया।

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11", एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

वधु चाहिए
गुजराती 44/ 5'-11" स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000 मासिक, युवक हेतु उच्च जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें-
9827114645
9131139179
(मैरिज ब्यूरो क्षमा)

परिचय सम्मेलन

म.प्र. राजपूत समाज
8वां अ.भा.क्षत्रिय/राजपूत युवक-युवती परिचय सम्मेलन
रविवार, 14 दिसंबर 2025
web:- www.mprajputsamaj.org
पंजीयन हेतु अंतिम तिथि रविवार, 07 दिसंबर 2025

वर चाहिए

वर चाहिए- 62/5,4"/M.A, B.Ed ,Govt.Teacher रिटायर्ड -65000/- पेंसन विडो डिवोर्सी घर जमाई स्वीकार - 7083617207 (1223)

आवश्यकता

आवश्यकता है - एयरपोर्ट हेतु पक्की परमानेंट नौकरी बिना इंटरव्यू आठवी पास- ग्रेजुएट लड़के_ लड़कियां(2450064500) महीना लोडर, चैकर, सुपरवाइजर, रहना -खाना, फंड - बोनस।- 8053979338 (रायपुर /20/ नव./25)

आवश्यकता है- - ट्रक लोकल चलाने के लिये ड्राईवरों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करे मोबा. 9109191899, 94252-13622 (रायपुर /16/ नव./25)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष: नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

वृष: वाणी में सौम्यता रहेगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन: आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु कार्यक्षेत्र में सचेत रहें। विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क: मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु कार्यक्षेत्र में सचेत रहें। विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह: आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है।

कन्या: धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी, परन्तु स्थान परिवर्तन की सम्भावना भी बन रही है।

तुला: सन्तान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा लाभप्रद रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। खर्चों की अधिकता से परेशान रहेंगे।

वृश्चिक: नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। खर्च बढ़ेंगे। मानसिक शान्ति के लिए प्रयासरत रहें। क्रोध से बचें। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय वृद्धि होगी। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन की प्राप्ति

मकर: कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। शैक्षिक कार्यों के प्रति सचेत रहें।

कुंभ: कारोबार में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। किसी सम्पत्ति से धन प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयत

मीन: कारोबार के लिए यात्रा लाभप्रद रहेगी। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। परिवार से दूर जा सकते हैं।

तेज रफ्तार कार ने तीन को कुचला, एक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏩ गौरेला पेंड्रा मरवाही

पेंड्रा मझगवां मुख्य मार्ग पर शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें बस का इंतजार कर रहे तीन लोगों को तेज रफ्तार कार ने अचानक रौंद दिया। हादसा इतना भयावह था कि कार लगभग 10 फीट उछलकर सड़क पर पलट गई।

दुर्घटना में अंडी गांव निवासी छक्के लाल चौधरी (50) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ज्योति गुप्ता और उसकी 9 वर्षीय बेटी गौरी गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार चालक नशे में धुत था और वाहन में पुलिस सायरन भी लगा हुआ था। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने चालक को पकड़कर उसकी जमकर पिटाई की और मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। सूचना मिलते ही पेंड्रा पुलिस, वरिष्ठ अधिकारी और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल लाया गया, जहां से बच्ची गौरी की आंख में गंभीर चोट को देखते हुए उसे बिलासपुर सिम्स रेफर किया गया है। बताया गया कि ज्योति गुप्ता अपनी बेटी के साथ मायके अनुपपुर जाने के लिए बस का इंतजार कर रही थी, वहीं मृतक छक्के लाल चौधरी अपनी बेटी को लेने आए थे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शब्द पहेली - 6049

बाएँ से दाएँ
1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली-6048 का हल

	रा	ह	ज	नी		फि	स	ल	ना	
अ		क	हा	र		त	न	य		बु
ह	क		न	व		र	म		फ	न
म	म	ता		ता	क	त		चा	त	क
क	र	त	ब		म		त	ल	वा	र
			ल	ह	र	दा	र			
ला	व	ज	मा		बं		स	ह	ल	ज
ज	त	न		म	द	द		म	ग	न
वा	न		क	न		ह	म		न	म
ब		त	म	स		ली	ट	र		त
	मे	ह	रा	ब		ज	र	ब	फ्त	

सूडोकु नवताल - 6059

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6058 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

विशेषः अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 19 नवंबर

दबावों-अपेक्षाओं-चुनौतियों से विवश दुनिया भर के पुरुष

पुरुषों को परिवार का पालक, कमाने वाला और हर दबाव सहन कर लेने वाला लौह मनुष्य समझा जाता है। सदियों से चली आ रही यह मान्यता आज भी बरकरार है। इस वजह से वे अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक समस्याओं का सामना करने को विवश हैं। ऐसे में जरूरत है कि न केवल समाज बल्कि स्वयं पुरुष भी इन दबावों से मुक्त होने का प्रयास करें।

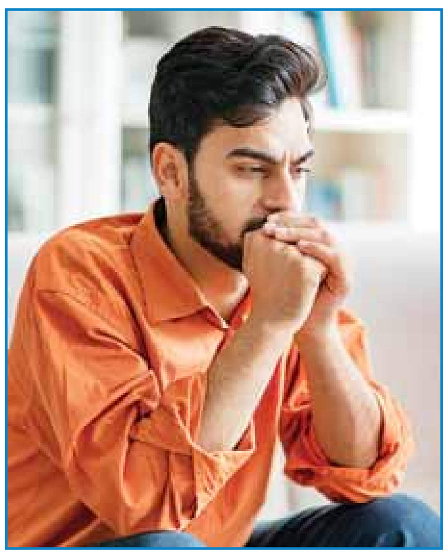

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

अनुमान के मुताबिक दुनिया में लगभग 4.14 अरब पुरुषों की आबादी है, जो विश्व आबादी की लगभग 50.27 फीसदी है। दुनिया के हर समाज में चाहे वो अफ्रीकन कबीलाई समाज हो, चाहे यूरोप का आधुनिक समाज हो, चाहे भारत और चीन जैसे पारंपरिक सभ्यताओं वाला समाज हो या अमेरिका का अत्याधुनिक बाजारू वर्चस्व वाला समाज हो। सभी समाजों में पुरुषों की मजबूती का मिथ सदियों से व्याप्त है। इस कारण आज के इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुष वर्ग अनेक मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानियों के दुष्चक्र में फंसा हुआ है। दरअसल, दुनिया के हर समाज में चाहे पूरब हो या पश्चिम, पुरुषों को लेकर यह मिथ बहुत गहरे तक मौजूद है कि वे मजबूती, भावनात्मक निरपेक्षता के धनी होते हैं यानी पुरुष होने का मतलब हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी भावनाओं पर पूरा नियंत्रण रखने वाला होता है। सच्चाई यह है कि इस मान्यता की वजह से पुरुष अनेक दबावों और परेशानियों के साथ जीने के लिए मजबूर होते जा रहे हैं।

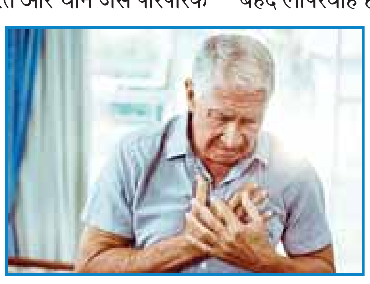

बढ़ रही स्वास्थ्य समस्याएं

पुरुष हर हाल में मजबूत बने रहते हैं, कभी भावनाओं में नहीं बहते। इस मिथ पर खरे उतरने के लिए दुनिया के 70 फीसदी से ज्यादा पुरुष अपनी समस्याएं, खासकर शारीरिक समस्याएं किसी और को बताते ही नहीं हैं। इस वजह से उनमें शारीरिक समस्याएं बढ़ती हैं। दुनिया भर के स्वास्थ्य आंकड़े बताते हैं कि अपने स्वास्थ्य के चेकअप को लेकर पुरुष बेहद लापरवाह होते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा हार्ट अटैक पुरुषों को होता है और माना जाता है कि करीब 50 फीसदी पुरुषों को पहले से पता होता है कि वो इसकी चपेट में हैं, लेकिन इसका जिक्र कभी नहीं करते। वास्तव में इन मिथों ने पुरुषों की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को आज तक के इतिहास में सबसे खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। आज भी ज्यादातर पुरुष स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण चेकअप कराने से कन्नी काट जाते हैं। यही कारण है कि पुरुषों की ज्यादातर गंभीर बीमारियां समय रहते पकड़ में नहीं आतीं और यह आंकड़ा तो दुनिया में हर कोई जानता है कि हर देश में पुरुष महिलाओं के मुकाबले कम से कम 7-8 साल कम जीते हैं।

नहीं करते भावनाएं अभिव्यक्त

हैरानी की बात यह है कि इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुषों से वैसी ही भावनात्मक उम्मीदें की जाती हैं, जैसे मध्ययुग में की जाती थीं कि वे अपनी परेशानियों का रोना नहीं रोएंगे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया के करीब 60 फीसदी से ज्यादा पुरुष प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध विच्छेद का दंश झेलते हैं। क्योंकि वे अपनी भावनाओं और निर्भरताओं का सामाजिक रूप से प्रदर्शन नहीं कर पाते। इसलिए ऐसी परिस्थितियों में फंस जाने के बाद न केवल वे अपने दोस्त खो देते हैं बल्कि पारिवारिक अलगाव की सजा भी पुरुषों को ही मिलती है।

नहीं दिखना चाहते इमोशनली वीक

आज जब एआई, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की भरमार है, तब भी यह देखना चिंताजनक है कि ज्यादातर पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे अकसर छिपे रहते हैं। उदाहरण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया के अधिकांश देशों में पुरुषों द्वारा किए गए आत्महत्या के प्रयास, महिलाओं की तुलना में बहुत ज्यादा होते हैं। मगर हैरानी की बात यह है कि करीब 40 फीसदी आत्महत्या करने वाले या आत्महत्या की कोशिश करने वाले पुरुष इस बात का बिना खुलासा किए यह कदम उठा लेते हैं कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? दरअसल, पुरुषों की यह समस्या है कि वे अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाते, प्राचीन काल से आज तक यह स्थिति जैसे की तैसे ही बनी हुई हैं। आज भी पुरुषों को उसी नजरिए से देखा जाता है, उनसे वही अपेक्षा की जाती है। विडंबना यह है कि हर पुरुष खुद को भी उसी मिथक की नजर से देखता है। इसीलिए दुनिया का हर पुरुष भावनात्मक रूप से कमजोर होने के बाद भी इस बात से डरता है कि उसे दूसरा कोई कमजोर न समझे।

कम नहीं वर्क-इकोनॉमिकल प्रेशर

इस डिजिटल युग में समस्या सिर्फ भावनात्मक नहीं है। इस दौर की एक बड़ी समस्या यह भी है कि काम-काज की डिजिटल संस्कृति ने पुरुषों का लाइफ बैलेंस बिल्कुल बिगाड़कर रख दिया है। पिछली एक सदी से बराबरी के नारों के बीच भी दुनिया के हर समाज में आज भी पुरुषों से उम्मीद यही की जाती है कि घर में कमाने की जिम्मेदारी उन्हीं की है। सोशल मीडिया द्वारा भले पुरुषों की अनेक काल्पनिक छवियां प्रस्तुत की जाती हों, लेकिन विश्व के श्रम पर नजर रखने वाले संगठन बताते हैं कि अभी भी जीडीपी ओरिएंटेड तकरीबन 70 फीसदी काम दुनिया के पुरुष ही करते हैं और आज जबकि ज्यादातर मामलों में मशीन पुरुषों से बेहतर है, अब भी पुरुष इस दबाव में जीते हैं कि मैं अच्छा काम कर रहा हूं या नहीं। कहीं मैं दूसरे से पीछे तो नहीं रह जाऊंगा। इस वजह से वे ओवर वर्कप्रेशर में रहते हैं।

समाज-स्वयं पुरुष बदलें नजरिया

विश्व पुरुष दिवस के अवसर पर जरूरत है कि पुरुषों की स्वास्थ्य जागरूकता और विशेषकर उनके मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति पर खुलकर बोलने और स्वीकार करने का माहौल बने। पुरुषों को बदलती तकनीकी और सामाजिक जीवन में नई वास्तविकताओं को स्वीकार करना चाहिए। इस बात की भी जरूरत है कि पुरुषों को ज्यादा से ज्यादा संवाद मंच और मानसिक स्वास्थ्य चेकअप प्लेटफॉर्म पर लाया जाए। उन्हें परिवार का साथ और संबल मिले। पुरुष स्वयं को आयरन मैन न समझें। अपने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। तभी वे स्वस्थ-खुशहाल जीवन जी पाएंगे। *

भारतीय पुरुषों की चुनौतियां

इस एआई और ग्लोबलाइजेशन के दौर में भारत में पुरुषों की औसत जीवन प्रत्याशा महिलाओं के मुकाबले करीब 08 साल कम है। सिर्फ उम्र के मामले में ही नहीं, पैदा होने के बाद सर्वाइव करने के मामले में भी पुरुष महिलाओं से पीछे हैं तथा हर साल बीमारियों से मरने वाले में पुरुषों और महिलाओं में 12 से 14 फीसदी का फर्क है। 2021 के रिपोर्ट में दर्ज नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ऑफ इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक देश में 72.5 फीसदी आत्महत्याएं पुरुषों द्वारा की जाती हैं। 40 फीसदी पुरुष इस दौर में भी अपनी मानसिक स्वास्थ्य की समस्या को परिवार से छिपाते हैं और 2017 के एक आंकड़े के मुताबिक अलग-अलग रेंडम स्वास्थ्य पड़ताल में पाया गया था कि करीब 1.97 करोड़ पुरुष किसी न किसी तरह की मानसिक समस्या से ग्रस्त थे।

सवाल है आखिर इस खुलेपन के दौर में भी पुरुष खुद को लेकर इस तरह के बंद के शिकार क्यों हैं? तो विशेषज्ञों के मुताबिक भारत में पुरुषों पर आज भी वो पारंपरिक अपेक्षाएं बनी हुई हैं जो कृषि युग से उन पर रही हैं। मसलन आज भी पुरुष को परिवार का पालक, कमाने वाला और दबाव सहन कर लेने वाला लौह पुरुष समझा जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस डिजिटल मीडिया और प्रतिस्पर्धा के युग में पुरुष उपेक्षा का शिकार हो गए हैं और इस दौर में उनकी मानसिक असुरक्षा का सबसे बड़ा कारण रोजगार पर लटकती एआई की तलवार है।

नई सदी के पहले दशक यानी 2010 के बाद जन्मी पीढ़ी (जनरेशन अल्फा), बेशुमार तकनीकी सुविधाओं, कई चुनौतियों और अनेक दुविधाओं के साथ बड़ी हो रही है। ऐसे में उनका सहज, सही दिशा में विकास हो इसके लिए उन्हें थामने, संभालने और संबल देने की भी जरूरत है।

जनरेशन अल्फा मन-जीवन को थामने-संबल देने की दरकार

लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

समय बदलने के साथ पीढ़ियां बदलती हैं और पीढ़ियों के साथ जमाने के रंग भी बदल जाते हैं। हर नई जनरेशन, पुरानी जनरेशन की तुलना में नए रंग-ढंग को जीती ही है। समय के साथ बच्चों की जीवनशैली से जुड़ा हर बदलाव सहज स्वीकार्य नहीं होता। इसे समझना और एक संतुलन साधना जरूरी है। हाल के वर्षों में अल्फा जनरेशन की जीवनशैली से जुड़े बदलाव बेहद विचारणीय हो चले हैं। तकनीक की दस्तक ने परिवर्तन की गति ना सिर्फ कई गुना बढ़ा दी है बल्कि बहुत से नए पहलू भी जोड़ दिए है। ऐसे में जनरेशन अल्फा को संभालने के लिए पैरेंट्स को सजग रहने की जरूरत है।

क्या है जनरेशन अल्फाः वर्ष 2010 से 2024 के बीच जन्मी पीढ़ी को जनरेशन अल्फा कहा जाता है। डिजिटल संसार में आंखें खोलने वाली यह पीढ़ी जनरेशन जेड की अगली पीढ़ी है। गौरतलब है कि 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों को जनरेशन जेड कहा जाता है। अल्फा पीढ़ी, ग्लोबल माइंडेड और आजाद खयाल है। साथ ही जेन अल्फा की सीखने-समझने की क्षमता और अंदाज दोनों ही अलग हैं। इस पीढ़ी को जन्म के समय से ही तकनीक ने घेरा हुआ है। डिजिटल दुनिया में कुशल नेविगेटर कही जाने वाली यह पीढ़ी, जागरूक और इनोवेटिव विचारों की धनी भी है। अपने अधिकारों को लेकर सजग है। अच्छी एडॉप्टिबिलिटी रखती है।

तकनीक का सही इस्तेमाल जरूरीः जनरेशन अल्फा को एक डिजिटल नेटिव माना जाता है। जन्म से ही कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन, टैबलेट, इंटरनेट और दूसरे डिजिटल डिवाइसेस इनके जीवन का हिस्सा रहे हैं। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में बड़ी हो रही अल्फा जनरेशन के मन और जीवन को थामने के लिए टेक्निकल गैजेट्स के सीधे इस्तेमाल की सीख देना आवश्यक है। लंबा समय स्क्रीन के सामने बिता रही अल्फा जनरेशन को डील करने के लिए पैरेंट्स इन्हें सामाजिक जीवन से जोड़ें। डिजिटल दुनिया में रील्स, पोस्ट्स, मीम्स देखते रहने वाली अल्फा पीढ़ी को अपने असली रिश्तों-नातों से मिलवाएं। पर्व-त्योहारों पर परंपरागत जीवन का पाठ पढ़ाएं। तकनीक को सहूलियत के बजाय लत न बनने दें। क्लिक भर में हर काम हो जाने के आदी न होने दें। खुद अपने काम करने दें। चिंतनीय है कि तकनीकी जाल में उलझे ये बच्चे, कई मोर्चों पर दिशाहीनता का शिकार भी हो जाते हैं। यही वजह है कि इस हाइटेक पीढ़ी को डील करने के लिए कुछ मामलों में असीम धैर्य की भी दरकार है, तो कई बातों को लेकर स्पष्ट गाइडलाइंस बनाना भी जरूरी हैं। बड़ों का साथ और स्नेह, जेन अल्फा को भी सहज जीवन से जोड़े रखेगा।

नियमित संवाद जरूरीः चैट-जीपीटी से सलाह लेने वाली इस जनरेशन से हर समस्या को लेकर नियमित संवाद किया जाना चाहिए। साथ ही इन बच्चों को सेल्फ कंट्रोल सिखाना भी बहुत जरूरी है। अनुशासित जीवनशैली न केवल स्मार्ट स्क्रीन से दूर रखेगी बल्कि जीवन को वास्तविक धरातल पर जीना भी सिखाएगी। इन बच्चों को स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल से पूरी तरह दूर नहीं रखा जा सकता। मानसिक रूप से मजबूत और सजग पीढ़ी पर किसी भी तरह का दबाव डालने के बजाय हर मामले में कोई बेहतर ऑप्शन सुझाएं। रचनात्मक सोच को बढ़ावा दें। इंडोर गेम्स हों या दूसरी फिजिकल एक्टिविटीज, पैरेंट्स इस टेक सेवी पीढ़ी को सार्थक व्यस्तता का माहौल दें।

भावनात्मक मोर्चे पर डटेंः बात चाहे असल और आभासी व्यक्तित्व का फर्क समझाने की हो या सामाजिक-पारिवारिक जीवन से जोड़ने की, पैरेंट्स अल्फा पीढ़ी को इमोशनल फ्रंट पर अवश्य थामें। एडिटेड फोटोज, फॉलोअर्स और वर्चुअल स्टारडम की आभासी दुनिया में खोए बच्चों का मन समझने का प्रयास करना जरूरी है। सोशल लाइफ से लगभग दूर हो चुकी अल्फा पीढ़ी मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक मेल-जोल के मामले में कई चुनौतियों से जूझ रही है। गुस्सा, चिड़चिड़ापन और याददाश्त कम होने जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। ऐसे में इन बच्चों को स्क्रीन स्क्रॉलिंग के बजाय साथ बैठकर बात करने का महत्व समझाएं। वर्चुअल संसार में गुम होकर अकेलेपन और अवसाद के घेरे में आने से बचाने के लिए सॉफ्ट स्किल्स सिखाने पर फोकस करें। व्यावहारिक मोर्चे पर स्क्रीन स्क्रॉलिंग ने इन्हें जरूरत और इच्छा का अंतर समझने का माहौल ही नहीं दिया। अभिभावक इनकी मनचाही चीजें उपलब्ध करवाने और हर मांग पूरी करने से भी बचें। इस पीढ़ी के बच्चों के पास हर तरह की सूचनाएं और जानकारियां भी पहुंच रही हैं। ऐसे में अभिभावक उनके सवालों पर ध्यान दें। डांटने-डपटने और चुप रहने की हिदायत देने के बजाय मन से बच्चों के विचार सुनकर ही उनको सपोर्ट किया जा सकता है। पैरेंट्स तकनीक से भरपूर वातावरण में परवरिश पाती अल्फा जनरेशन में, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जुड़ाव का भाव जगाएं। मशीनों के बीच पलती इस पीढ़ी के मन की संवेदनाओं को बचाना, आज पैरेंट्स की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। *

गजल
अब्दुल कलाम

यहां कोई किसी का अब न होगा
किसी को जब तलक मतलब न होगा

तरस जाएंगी साहिल के लिए फिर
नाखुदा कश्तियों का जब न होगा

सुलझती जाएगी जब खुद ही उलझन
किसी का जब कोई मजहब न होगा

कौन होगा नामलेवा फिर अदब का
जब सलीके का कोई मकतब न होगा

दे सका न जां वतन की राह में जो
उसके जीने का कोई सबब न होगा

कर सका न जो किनारा तू अना से
साथ तेरे फिर तेरा ही रब न होगा

व्यंग्य
डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

रौब जमाती मूंछें!

अभी एक रोज सुबह-सुबह पार्क में टहलते समय मित्रों के संग मूंछों पर बहस चली तो हर कोई अपनी मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों के पुराण पर चर्चा करने लगा। वकील साहब मथुरा जी अपनी सीनियर सिटीजन वाली करीने से कटी सफेद मूंछों पर हाथ फेरते हुए बोले, 'मैंने जब से मूंछों को बढ़ाया फिर रख-रखाव बेहतर तरीके से करने लगा, तो हर कोई मेरी मूंछों को देखकर मूंछों के बारे में चर्चा करने लगा। हर कोई कहने लगा है कि अब हमें मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी की जगह मूंछें हों तो मथुरा लाल वकील साहब जैसी कहना पड़ेगा। इस पर मैं फूला नहीं समाता और मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों को और सम्मान देने लगा हूं।' कुछ पल गर्वीली मुस्कान बिखेरने के बाद वह पुनः बोले, 'जब से मैंने मूंछें बढ़ाईं, उनको सहेजा तो बहस के मुद्दों के दौरान उस पर हाथ फेरते रहने से कई क्लाइंट के मुकदमे जीत लिए। कोर्ट में हर कोई मुझको देखने के पहले मेरी मूंछें देखता। जब-जब नए क्लाइंट आते तो कहते मेरे वकील साहब तो मूंछों वाले हैं! जिनको देखकर ही सामने वालों के मुकदमे की मूंछें नीची हो जाती हैं।'

इस पर सुनील भैया बोले, 'हमारे गांव में भी जब भी मान-सम्मान की बात होती है, लोग कहते हैं मूंछ का सवाल है। फिल्म में तो मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी बात प्रचलन में आई। लेकिन हर गांव में मूंछों पर ताव देने वाले मिलते हैं। गांव के एक बुजुर्ग तो मूंछों पर ताव देने के कारण ताऊजी कहलाने लगे हैं।'

इस पर बात-बात में मूंछों पर ताव देने वाले रमन सिंह बोले, 'अरे मूंछें आन-बान और शान होती हैं। मूंछें कोई भी रख ले, लेकिन उन्हें मेंटेन करना आसान नहीं होता है। मूंछें भी फर्क और फख्र वाली होती हैं। अमीर सरमाएदार की मूंछें मर्दानगी, स्वाभिमान, वीरता, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और अधिकार को प्रकट करने वाली मानी जाती हैं। इसीलिए छोटे, गरीब आदमी पहले तो मूंछें रख ही नहीं सकता और यदि कोई रखता भी है तो इसलिए कि वक्त जरूरत पड़ने पर मूंछें नीचे करके जान की अमान पा जाए।'

इस पर रामनिवास जी बोले, 'आपको पता नहीं जब कोई अपना रौब अपनी वाणी, कार्यशाली से नहीं जमा पाता है तो उसकी मूंछें रौब जमा देती हैं। अरे, अच्छे से अच्छा पहलवान क्यों ना हो, अखाड़े में उतरने से पहले मूंछ पर ताव जरूर देता है, फिर दांव खेलता है। मूंछें व्यक्ति की बॉडी लैंग्वेज भी होती हैं। ताव देने वाली मूंछें, डाई के जरिए सफेद से काली की गई मूंछें, खड़ी-आड़ी मूंछें, लंबी मूंछें, लकीरों वाली मूंछें, होंठों के ऊपर जेलर टाइप आदि-आदि तरह की मूंछों से व्यक्ति की पर्सनालिटी का पता चलता है।' इस पर ज्ञान बघारने कमल जी बोले, 'मूंछों को सहलाने से, हाथ फेरने से दिमाग में तरह-तरह की नई सोच और आइडिया आते हैं। मूंछें समस्या को हल भी करती हैं तो कई स्थान पर प्रॉब्लम भी क्रिएट करती हैं। मूंछें व्यक्ति की पहचान होती हैं। मूंछों की प्रकृति आकार के आधार पर लोगों को जाना जाता है। कुछ मूंछमुंडे भी होते हैं, जिन्हें अपनी पहचान किसी अन्य तरीके से बनानी पड़ती है और इसके लिए काफी जतन करने पड़ते हैं।' जब मूंछों पर इतनी बहस चल रही थी तो प्रोफेसर साहब बोले, 'मूंछों का आकार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाता है तो कई बार मूंछों पर ताव देना भारी भी पड़ जाता है और मूंछों पर ताव देने वाले का दांव खाली चला जाता है। मूंछ कटे को नाक कटा भी लोग मानते हैं, लेकिन हकीकत में मूंछें मर्दों का श्रृंगार होती हैं, रौबदार, पानीदार, बट और बल वाली मूंछों से लोग प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाते हैं।' मूंछों पर चली बहस से ही मॉर्निंग वॉक का जब समय खत्म होने वाला था, तब रामनिवास जी बोले, 'मूंछों के भी भाव होते हैं, मूंछ और ताव का गठजोड़ होता है। बगैर मूंछों के ताव के मुकाबले कोई ताव, ताव नहीं होता है, लेकिन जब अपमान का घूंट पीना पड़ता है तो मूंछें नीचे हुई मानी जाती हैं। जब खाने-पीने की चीजों में मूंछें डूबने लगती हैं तो उसे आलसी और अजीबो-गरीब माना जाता है। ऐंठने वाली मूंछें जब तनी हुई रहती हैं तब पूरा फेस हर मोर्चे को फेस करने के लिए तैयार रहता है।' वे आगे बोले, 'कटी मूंछें, तनी मूंछे, राजसी मूंछ, फनी मूंछ, झुकी मूंछ, फुकी मूंछ, फेक मूंछ भांति-भांति के मूंछों पर किसी शायर ने कहा है, हमारी मूंछ का आलम यह है कि ताव हम देते हैं, घाव दुनिया पर पड़ता है। इसलिए मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी वरना न हों।' *

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

भाई से बड़ा

आज गोपाल की आंखें नम थीं। उसके साथ जो हुआ, कभी वह सोच भी नहीं सकता था। छोटे भाई साजन को अपनी ससुराल जाना था। वहां कोई धार्मिक अनुष्ठान था। निमंत्रण पत्र गोपाल के पास भी आया था। साजन के पास बड़ी गाड़ी थी। गोपाल ने उससे पूछा, 'साजन तुझे ससुराल जाना है न शाम को?'

'हां भैया, जाना है।' साजन ने जवाब दिया। गोपाल ने कहा, 'साजन मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगा।' 'यह तो बहुत अच्छी बात है। आपको जरूर ले चलूंगा।' साजन ने भरोसा दिया।

गोपाल ने जाने की पूरी तैयारी कर ली। बस इंतजार था साजन के बुलाने का। गोपाल ने अपने बड़े बेटे से कहा, 'अरे बेटा, देखकर तो आ, तेरा चाचा मुझे लेने क्यों नहीं आया? समय तो हो चुका है।'

'जी पिताजी।' कहकर बेटा चाचा के घर चला गया। वहां से लौटकर बताया, 'पिताजी, चाचा जी तो निकल गए, घर पर ताला लगा हुआ है और गाड़ी भी नहीं है वहां।' गोपाल का मन भारी हो गया। उसने तुरंत फोन किया, 'साजन कहां है तू?'

'भैया मैं तो निकल गया ससुराल के लिए।' साजन ने जवाब दिया। 'मुझे तो तेरे साथ चलना था और तूने हामी भी भरी थी।' गोपाल बोला। 'हां भैया...पर बात ऐसी थी कि...।' वह बोलता-बोलता रुक गया। 'कैसी बात थी भाई?' गोपाल ने पूछा। 'गाड़ी में एक सीट आगे की खाली थी, लेकिन मुझे ओरियो को ले जाना पड़ा।' साजन हकलाते हुए बोला। 'ओरियो...ये ओरियो कौन है?' गोपाल ने आश्चर्य से पूछा। 'भैया, ओरियो मेरे डॉगी का नाम है।' साजन ने बताया।

'क्या डॉगी को बैठाने के लिए तूने बड़े भाई को छोड़ दिया... भाई से बड़ा तेरा डॉगी हो गया।' कहकर गोपाल ने तुरंत फोन काट दिया। *

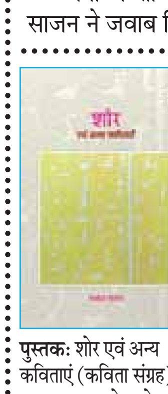

पुस्तकः शोर एवं अन्य कविताएं (कविता संग्रह) **रचनाकारः** मनोज मोहन, **मूल्यः**200 रु, **प्रकाशकः** सेतु प्रकाशन, नोएडा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

चुप्पियों का शोर

कई वर्षों से साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय मनोज मोहन का पहला कविता संग्रह 'शोर एवं अन्य कविताएं' हाल में ही छपकर आया है। मनोज अपनी कविताओं में कम शब्द खर्च करके बड़ी और गहरी बात कहने में यकीन करते हैं। यही वजह है कि संग्रह की अधिकांश कविताएं छोटी हैं लेकिन उनमें हमारे समय, समाज के विद्रूप और मनुष्यता के समक्ष उपस्थित संकटों को साफ तौर पर लक्षित किया जा सकता है। *'मैं चाहता हूं होना/सामान्य व्यक्ति/जिसे सहज जीवन मिले।'* (सामान्य व्यक्ति) और *'चलो हम एक किताब बनाएं/जहां तुम दिखो खुश-खुश/मैं रहूं उदास-उदास।'* (चलो हम एक किताब बनाएं) जैसी पंक्तियां अपनी साधारणता में भी असाधारण भावार्थ प्रकट करती हैं। ये कविताएं हमें वैचारिकता का एक नया प्रस्थान बिंदु प्रदान करती हैं। कुछ कविताओं को घर, तुम और महामारी खंडों में भी संकलित किया गया है। *

कम कीमत में रॉयल्स में शामिल जडेजा, सीएसके में सैमसन की एंट्री, शमी समेत 8 खिलाड़ी ट्रेड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रवींद्र जडेजा और संजू सैमसन की आईपीएल 2026 रिटेंशन की डेडलाइन से पहले अदला-बदली हो गई है। लंबे समय तक चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे जडेजा आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलेंगे। वहीं सैमसन अब चेन्नई सुपर किंग्स की जर्सी में नजर आएंगे।

सैमसन अब चेन्नई सुपर किंग्स में

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान और भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन अब अपनी मौजूदा 18 करोड़ रुपए की फीस पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रतिनिधित्व करेंगे। लीग के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक सैमसन ने 177 आईपीएल मैच खेले हैं। सीएसके उनके करियर की तीसरी फ्रेंचाइज होगी। 2013 में आईपीएल में डेब्यू करने के बाद से उन्होंने दो सीज़न 2016 और 2017 को छोड़कर सभी सीजन में आरआर का प्रतिनिधित्व किया है। वह दो सीजन दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेले।

संजू सैमसन 18 करोड़ में अब चेन्नई के लिए खेलेंगे

14 करोड़ की फीस में खेलेंगे जडेजा

सीएसके के लिए 12 सीजन खेल चुके जडेजा लीग के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने 250 से ज़्यादा मैच खेले हैं। ट्रेड में उनकी फ़ीस 18 करोड़ रुपए से घटकर 14 करोड़ रुपए हो गई है।

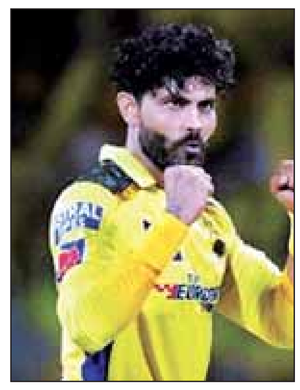

लखनऊ के लिए खेलेंगे शमी

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी सनराइजर्स हैदराबाद से सफल ट्रेड के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलेंगे। आईपीएल 2025 सीजन से पहले हैदराबाद ने उन्हें 10 करोड़ रुपए में खरीदा था और वह अपनी मौजूदा फीस पर एलएसजी में शामिल हुए।

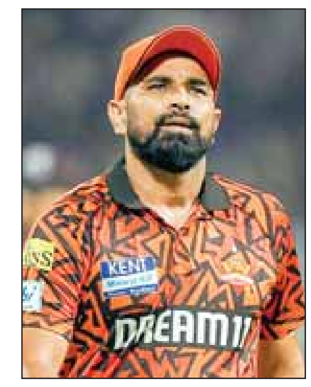

अर्जुन तेंदुलकर एलएसजी टीम में

ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर मुंबई इंडियंस से सफल

ट्रांसफर के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का प्रतिनिधित्व करेंगे। अर्जुन अपनी मौजूदा 30 लाख रुपए की फीस पर एलएसजी में शामिल हुए। 2021 की आईपीएल नीलामी में मुंबई इंडियंस की ओर से पहली बार चुने गए थे, उन्होंने 2023 में फ्रैंचाइज के लिए अपना आईपीएल डेब्यू किया था।

नीतीश राणा दिल्ली में शामिल

बाएं हाथ के बल्लेबाज नितीश राणा अब राजस्थान रॉयल्स से हुए ट्रेड के बाद दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। वह अपनी मौजूदा 4.2 करोड़ रुपए की फीस के साथ ही खेलेंगे। राणा ने 100 से ज़्यादा मैच खेले हैं। उन्होंने 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी की थी।

फरेरा की राजस्थान में वापसी

ऑलराउंडर डोनोवन फरेरा दिल्ली कैपिटल्स से हुए सफल ट्रेड के बाद अपनी पहली फ्रेंचाइज, राजस्थान रॉयल्स में वापसी करेंगे। ट्रांसफर समझौते के अनुसार उनकी फीस 75 लाख रुपए से बढ़ाकर एक करोड़ रुपए कर दी गई है।

मयंक मार्कंडेय की मुंबई इंडियंस में वापसी

लेग स्पिनर मयंक मार्कंडेय कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से सफल ट्रेड के बाद अपनी पूर्व फ्रेंचाइज मुंबई इंडियंस (एमआई) में वापसी करेंगे। वह 30 लाख रुपए की अपनी मौजूदा फीस पर मुंबई में शामिल हुए। मार्कंडेय ने अपना आईपीएल करियर एमआई के साथ शुरू किया था और 2018, 2019 और 2022 में इस फ्रेंचाइज का प्रतिनिधित्व किया था।

सैम करन राजस्थान में शामिल

इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन अपनी मौजूदा लीग फीस 2.4 करोड़ रुपए पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से राजस्थान रॉयल्स (आरआर) में शामिल हुए. 27 साल के इस खिलाड़ी ने 64 आईपीएल मैच खेले हैं और राजस्थान रॉयल्स उनकी तीसरी फ्रैंचाइज होगी. इससे पहले वे 2019, 2023 और 2024 में पंजाब किंग्स और अन्य सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

खबर संक्षेप

एएफसी क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम में विलियम्स

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में जन्मे फॉरवर्ड रयान विलियम्स को 18 नवंबर को ढाका में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 क्वालीफायर के अंतिम दौर के ग्रुप सी मैच के लिए 23 सदस्यीय भारतीय फुटबॉल टीम में शामिल किया गया है। विलियम्स ने हाल ही में भारतीय नागरिकता हासिल की है। भारतीय टीम छह नवंबर से बेंगलुरु में अभ्यास कर रही थी। टीम शनिवार को ढाका के लिए रवाना हो गई। फॉरवर्ड विलियम्स टीम के साथ बांग्लादेश गये है लेकिन मैच के दिन टीम में उनका शामिल होना फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया से अनापत्ति प्रमाण पत्र और उसके बाद फीफा और एएफसी से अनुमोदन प्राप्त करने पर निर्भर है।

लक्ष्य सेन जापान मास्टर्स में हारकर बाहर

कुमामोतो। भारतीय शटलर लक्ष्य सेन का 475,000 डॉलर इनामी कुमामोतो मास्टर्स जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में विजय अभियान शनिवार को सेमीफाइनल में जापान के केंटा निशिमोतो से

तीन गेम में हार के साथ खत्म हो गया। सातवीं वरीयता प्राप्त सेन छठी वरीयता प्राप्त निशिमोतो से 77 मिनट तक चले मुकाबले में 19-21, 21-14, 12-21 से हार गए। सेन का अपने इस प्रतिद्वंदी के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा था लेकिन अंतिम गेम में गलतियों के कारण वह इसको बेहतर करने में नाकाम रहे। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन सेन ने शुरुआती गेम में मिली हार से उबरते हुए निर्णायक गेम तक का सफर तय किया, लेकिन तीसरे गेम में वह पूरी तरह से लय में नहीं दिखे। यह मुकाबला दो बराबरी के खिलाड़ियों के बीच था लेकिन जापानी खिलाड़ी ने दर्शकों के अपार समर्थन के बीच धैर्य बनाए रखा और आखिर में फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे।

पाकिस्तान ने श्रीलंका को 8 विकेट से हराया

रावलपिंडी। बाबर आजम के दो साल से अधिक समय में लगाए गए पहले अंतरराष्ट्रीय शतक की बदौलत पाकिस्तान ने दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 8 विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। बाबर के 119 गेंदों पर नाबाद 102 रन की मदद से पाकिस्तान ने 48.2 ओवर में दो विकेट पर 289 रन बनाकर जीत हासिल की। श्रीलंका ने इससे पहले आठ विकेट पर 288 रन बनाए थे। उसके शीर्ष सात बल्लेबाजों में से छह अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। बाबर ने खेले गए मैच से पहले सभी प्रारूपों में 83 पारियों में कोई अंतरराष्ट्रीय शतक नहीं लगाया था।

कोलकाता टेस्ट दूसरा दिन: भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर रखा पलड़ा भारी

ईडन गार्डंस में विकेटों की पतझड़ एक दिन में 16 बल्लेबाज ऑउट

भारतीय टीम पहली पारी में केवल 189 रन पर सिमटी

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

ईडन गार्डंस का विकेट लगातार दूसरे दिन बल्लेबाजों के लिए कब्रगाह साबित हुआ और दिन भर में 16 विकेट गिरे, जिसमें भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर अपना पलड़ा भारी रखकर पहला टेस्ट मैच तीन दिन के अंदर जीतने की संभावना बढ़ा दी। लेकिन भारत को किसी मुगालते में नहीं रहना चाहिए क्योंकि विकेट से स्पिनरों को मदद मिल रही है और इस पर 150 रन का लक्ष्य भी चुनौती पूर्ण हो सकता है। यह नहीं भूलना चाहिए कि भारतीय टीम पहली पारी में केवल 189 रन पर आउट हो गई और इस दौरान उसके बल्लेबाजों को साइमन हार्मर और केशव महाराज की स्पिन जोड़ी के सामने संघर्ष करना पड़ा।

भारत को पहली पारी में 30 रन की मामूली बढ़त

भारत ने पहली पारी में 30 रन की मामूली बढ़त हासिल की लेकिन परिस्थितियों को देखकर यह महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। भारत के लिए कप्तान शुभमन गिल का चोटिल होना चिंता का विषय है क्योंकि पहली पारी में रिटायर्ड हर्ट होने के बाद वह दोबारा बल्लेबाजी करने के लिए नहीं उतरे। पहली पारी में 159 रन पर आउट होने वाले दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक सात विकेट पर 93 रन बनाए हैं और वह भारत से 63 रन आगे है। कप्तान तेम्बा बावुमा 78 गेंद पर 29 रन बनाकर एक छोर संभाले हुए हैं। उनके साथ दूसरे छोर पर खड़े कोर्बिन बॉश एक रन बनाया है।

जडेजा की बलखाती गेंदों का चला जादू

जडेजा की बलखाती गेंदों का जादू चला और उन्होंने लगातार चार विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उन्होंने सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम (04) का विकेट लेने के बाद वियान मुल्डर (11), टोनी डि जार्जी (02) और ट्रिस्टन स्टब्स (05) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका की वापसी की संभावनाओं को करारा झटका दिया। जडेजा ने अब तक 29 रन देकर चार, कुलदीप यादव ने 12 रन देकर दो और अक्षर पटेल ने 30 रन देकर एक विकेट लिया है। भारत की पारी एक तरह से नौ विकेट पर समाप्त हुई क्योंकि कप्तान शुभमन गिल स्लॉग स्वीप के दौरान गर्दन में ऐंठन के कारण चोटिल हो गए और बल्लेबाजी के लिए वापस नहीं लौटे।

हार्मर ने 30 रन देकर चार विकेट चटकाए

हार्मर ने क्लब हाउस छोर से लगातार 14.2 ओवर गेंदबाजी करते हुए 30 रन देकर चार विकेट चटकाए, जिससे धीमी और खुरदरी पिचों पर रविचंद्रन अश्विन के प्रभाव की यादें ताजा हो गईं। उन्होंने भारत के बाएं हाथ के छह बल्लेबाजों को लगातार निशाना बनाया और उनमें से तीन बल्लेबाजों वाशिंगटन सुंदर (29), रवींद्र जडेजा (27) और अक्षर पटेल (16) को आउट किया।

ऑलराउंडरों के विशिष्ट क्लब में जडेजा

ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में 4 हजार रन पूरे किए और खेल के सबसे लंबे प्रारुप में 4 हजार टेस्ट रन और कम से कम 300 विकेट लेने वाले ऑलराउंडरों के एक विशिष्ट क्लब में प्रवेश किया। जडेजा ने कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की।

पंत ने छक्के लगाने में सहवाग को पछाड़ा

रैंक	खिलाड़ी	छक्के	टेस्ट
1	ऋषभ पंत	92	48
2	वीरेंद्र सहवाग	90	103
3	रोहित शर्मा	88	67
4	रवींद्र जडेजा	80	88
5	महेंद्र सिंह धोनी	78	90
6	सचिन तेंदुलकर	69	200
7	कपिल देव	61	131
8	सौरव गांगुली	57	113
9	शुभमन गिल	46	40
10	यशस्वी जायसवाल	43	27

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी 159/10

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
जयसवाल बो यानसन	12	27	3	0
राहुल का मारक्रम बो महाराज	39	119	4	1
सुंदर का मारक्रम बो हार्मर	29	82	2	1
गिल रिटायर हार्ट	04	03	1	0
पंत का वेरेने बो बॉश	27	24	2	2
जडेजा पगबाधा हार्मर	27	45	3	0
जुरेल का एवं बो हार्मर	14	14	3	0
अक्षर का यानसन बो हार्मर	16	45	2	0
यादव का वेरेने बो यानसन	01	08	0	0
सिराज बो यानसन	01	09	0	0
बुमराह नाबाद	01	03	0	0

अतिरिक्त 18, कुल योग : 62.2 ओवर में 189/10 रन
गेंदबाजी: यानसन 15-4-35-3, मुल्डर 5-1-15-0, महाराज 16-1-66-1, बॉश 11-4-32-1, हार्मर 15.2-4-30-4

दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
रिकेलटन पगबाधा कुलदीप	11	23	1	0
मारक्रम का जुरेल बो जडेजा	04	23	0	0
मुल्डर का पंत बो जडेजा	11	30	0	1
बावुमा खेल रहे हैं	29	78	3	0
जोर्जी का जुरेल बो जडेजा	02	02	0	0
ट्रिस्टन स्टब्स बो जडेजा	05	18	0	0
काइल वेरेने बो अक्षर	09	16	1	0
यानसन का राहुल बो कुलदीप	13	16	0	1
कोर्बिन बॉश खेल रहे हैं	01	04	0	0

अतिरिक्त: 08, कुल योग: 35 ओवर में 93/7 रन
गेंदबाजी: बुमराह 6-1-14-0, अक्षर 11-0-30-1, कुलदीप 5-1-12-1, जडेजा 13-3-29-4

विश्व मुक्केबाजी फाइनल्स आज से, दमदार प्रदर्शन पर भारत की निगाह

ग्रेटर नोएडा। भारतीय मुक्केबाज जब रविवार से शुरू हो रहे विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स में उतरेंगे तो उनका लक्ष्य सत्र का शानदार अंत करने के साथ ही महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक हासिल करना भी होगा। मुक्केबाजी के संचालन का कार्य जब से वर्ल्ड बॉक्सिंग ने संभाला है तब से इस साल के शुरू में विश्व कप की शुरुआत की गई और अब उसका फाइनल्स होगा। मुक्केबाज सभी प्रमुख टूर्नामेंटों में रैंकिंग अंक अर्जित करते हैं, जो वरीयता निर्धारण में भूमिका निभाते हैं। अगले वर्ष एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल होने वाले हैं, इसलिए ये अंक महत्वपूर्ण हो जाते हैं। प्रारुप के अनुसार इस वर्ष के शुरू में आयोजित किए गए तीन विश्व कप के पदक विजेता खिलाड़ियों ने शीर्ष रैंकिंग वाले मुक्केबाजों के साथ फाइनल्स में जगह बनाई है।

विश्व चैंपियन निकहत जरीन पर होगी नजरें

भारत मेजबान होने के कारण पुरुष और महिला दोनों के सभी भार वर्गों में अपनी चुनौती पेश करेगा। दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51 किग्रा) महिला टीम की प्रमुख खिलाड़ी हैं। तेलंगाना की इस मुक्केबाज ने इस साल विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लाम्बोरिया (57 किग्रा) और मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा), विश्व पदक विजेता पूजा रानी (80 किग्रा) और नुपुर (80 किग्रा से अधिक) अपनी अच्छी फॉर्म को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। प्रीति पवार (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और परवीन हुड्डा (60 किग्रा) राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रही हैं और वह अपने खेल से प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे।

फुटबॉल

विश्व कप में क्रोएशिया की जगह पक्की, फरो आइलैंड्स को हराया

एजेंसी ▶▶| लंदन

क्रोएशिया ने फरो आइलैंड्स को 3-1 से हराकर अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप में जगह पक्की कर ली, जबकि नीदरलैंड पोलैंड के साथ ड्रॉ खेलकर क्वालीफिकेशन के करीब पहुंच गया। क्रोएशिया को विश्व कप में जगह बनाने के लिए इस मैच में जीत की दरकार थी लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। फरो आइलैंड्स की तरफ से डेविड टूरी ने गोल किया। क्रोएशिया ने हालांकि जल्द ही वापसी की। उसके लिए 23वें मिनट में जोस्को ग्वार्डिओल ने बराबरी का गोल दागा। दो साल बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी करते हुए पेटार मूसा ने जोसिप स्टानिसिक की मदद से हाफटाइम के बाद क्रोएशिया को 2-1 से आगे कर दिया। उसकी तरफ से तीसरा गोल निकोला व्लासिक ने किया। नीदरलैंड ने वारसॉ में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए पोलैंड के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला और ग्रुप जी में सीधे प्रवेश की तरफ बड़ा कदम बढ़ाया। नीदरलैंड अभी अपने ग्रुप में शीर्ष पर है। इस बीच ग्रुप ए में निक वोल्टेमाडे के दो गोल की मदद से जर्मनी ने लक्जमबर्ग पर 2-0 की जीत में शीर्ष दो में जगह पक्की कर ली है।

एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में अलियासिमे की एंट्री

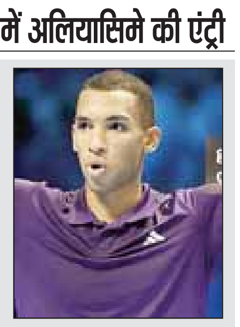

तूरिन। फेलिक्स ऑगर अलियासिमे ने दो बार के चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। कनाडा के आठवीं वरीयता प्राप्त ऑगर अलियासिमे ने 6-4, 7-6 (4) से जीत हासिल की और ब्योर्न बोर्ग ग्रुप से यानिक सिनर के साथ अंतिम चार में प्रवेश किया। इससे पहले सिनर ने बेन शेल्टन को 6-3, 7-6 (3) से हराकर राउंड-रॉबिन में अपने सभी मैच जीते। सिनर का अगला मुकाबला सातवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर से होगा। ऑगर अलियासिमे एक अन्य सेमीफाइनल में कार्लोस अल्काराज का सामना करेंगे।

आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी लॉन्च

बैंकॉक। भारत में महिला विश्व कप की शानदार सफलता के बाद आईसीसी ने 'दुनिया भर में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने और विस्तार देने' के लिए आठ टीमों वाला एक नया वैश्विक टूर्नामेंट शुरू किया। बैंकॉक में 20 से 30 नवंबर तक आयोजित होने वाले इसके शुरुआती सत्र को आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी कहा जाएगा और यह उभरते हुए क्रिकेट देशों को बड़े मंच का अनुभव प्रदान करने के लिए शुरू किए गए एक नए त्रि-स्तरीय विकास प्रणाली का हिस्सा होगा। इस प्रतियोगिता में

थाईलैंड, नीदरलैंड, पापुआ न्यू गिनी, संयुक्त अरब अमीरात, स्कॉटलैंड, नामीबिया, तंजानिया और युगांडा की टीमें हिस्सा लेंगी। हाल ही में संपन्न हुए महिला वनडे विश्व कप ने महिला क्रिकेट में एक नया मानदंड स्थापित किया, जिसमें टूर्नामेंट ने देश भर में 50 करोड़ से अधिक दर्शकों तक पहुंच बनाई और दुनिया भर में दर्शकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। आईसीसी ने कहा, 'भारत और (सह-मेजबान) श्रीलंका में लगभग तीन लाख प्रशंसकों ने मैचों को (स्टेडियम में) देखा और इस आयोजन का समापन भारत द्वारा महिला क्रिकेट विश्व कप जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनने के साथ हुआ।

एमसीए ने स्मृति को किया पुरस्कृत

भेंट किए 50 लाख

मुंबई। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ (एमसीए) ने भारतीय टीम की उप-कप्तान और कलात्मक सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को भारतीय महिला टीम को विश्व चैंपियन बनाने के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 50 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया। मंधाना ने विश्व कप में 54.25 की प्रभावशाली औसत से 434 रन बनाए थे। वह सबसे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर थी। मंधाना ने कहा, 'मैंने महाराष्ट्र के लिए आयु-वर्ग क्रिकेट खेलकर अपनी क्रिकेट यात्रा शुरू की और अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बेहद गर्व की बात है।' उन्होंने कहा, 'हमारी विश्व कप जीत टीम के प्रत्येक खिलाड़ी के सामूहिक प्रयास, अनुशासन और टीम वर्क का परिणाम था। मैं इस सम्मान के लिए एमसीए अध्यक्ष रोहित पवार और सभी पदाधिकारियों का आभारी हूं।' भारतीय उपकप्तान ने कहा, 'एमसीए महिला क्रिकेटरों के लिए असाधारण काम कर रहा है और हाल ही में शुरू हुई महाराष्ट्र महिला प्रीमियर लीग और उसके बाद सीनियर महिला टी 20 ट्रॉफी में राज्य टीम की जीत इस प्रतिबद्धता को दर्शाती है।'

राइजिंग स्टार्स एशिया कप में आज भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत

पाक से हाथ न मिलाने की नीति पर कायम रहेगा भारत

एजेंसी ▶▶| दोहा

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रविवार को राइजिंग स्टार्स एशिया कप टी20 मैच में पाकिस्तान शाहीन्स के आक्रमण को स्तब्ध रखने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे जबकि जितेश शर्मा की अगुवाई वाली भारत ए टीम भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की हाथ नहीं मिलाने की नीति का पालन करेगी।

सितंबर में एशिया कप के दौरान भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। उस टूर्नामेंट में दूसरे विकेटकीपर और वर्तमान टूर्नामेंट में भारत ए के कप्तान जितेश से भी उम्मीद की जा रही है कि वह अपने सीनियर के नक्शेकदम पर चलते हुए पाकिस्तान शाहीन्स के कप्तान इरफान खान से न तो टॉस के समय और न ही मैच के बाद हाथ मिलाएंगे।

भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन अच्छा

भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती दाएं हाथ के तेज गेंदबाज उबैद शाह से होगी, जो सीनियर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नसीम शाह के छोटे भाई हैं। भारतीय टीम में अधिकतर वह खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्होंने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया था। भारतीय टीम में जितेश और रमनदीप सिंह ही दो ऐसे खिलाड़ी हैं, जो सीनियर टीम की तरफ से अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। पाकिस्तान शाहीन्स के कप्तान इरफान ने नौ वनडे खेले हैं।

सूर्यवंशी पर होगी निगाहें

सबका ध्यान हालांकि 14 साल के सूर्यवंशी पर होगा, जिन्होंने आईपीएल में शतक लगाकर विश्व क्रिकेट में तहलका मचा दिया था। उन्होंने पिछले मैच में यूएई के खिलाफ 52 गेंदों पर 15 छक्कों की मदद से 144 रन की अविश्वसनीय पारी खेली और सीनियर अंतरराष्ट्रीय (ए टीम) क्रिकेट में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बल्लेबाज बन गए। लेकिन भारत ए के मुख्य कोच सुनील जोशी अपने बल्लेबाजों को यह याद दिलाना चाहेंगे कि पाकिस्तान का आक्रमण यूएई की तुलना में बेहतर होगा।

हाई कोर्ट व मप्र राज्य न्यायिक अकादमी के सम्मेलन में बोले सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार माहेश्वरी

वकालत ऐसा पेशा, जो प्रतिबद्धता, तैयारी, विचारों की स्पष्टता व कानून के शासन के प्रति सम्मान पर आधारित

▶ आईआईआईटीडीएम सभागार में वकालत व व्यावसायिक दक्षता, उत्कृष्टता की खोज विषय पर रखे गए विचार

जबलपुर। वकालत एक ऐसा पेशा है जो प्रतिबद्धता, तैयारी, विचारों की स्पष्टता और कानून के शासन के प्रति सम्मान पर आधारित है। बार और बेंच, न्यायरथ के दो पहिए हैं, जिनके बीच तालमेल अपरिहार्य है। ऐसा इसलिए क्योंकि एक के बिना दूसरा अधूरा है। विचार सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार माहेश्वरी ने रखे। वे शनिवार को आईआईआईटीडीएम सभागार में वकालत व व्यावसायिक दक्षता, उत्कृष्टता की खोज विषय पर आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि की आसंदी से बोल रहे थे। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा, न्यायमूर्ति आलोक अराधे, दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश व आर्म फोर्स ट्रिब्यूनल के चेयरमैन न्यायमूर्ति राजेंद्र मेनन, हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा, प्रशासनिक न्यायाधीश विवेक रूसिया के अलावा दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कौरव सहित अन्य उपस्थित थे।

मुख्य बिंदु

इस आयोजन में जबलपुर और आसपास के जिलों के 600 से अधिक अधिवक्ताओं ने भाग लिया। धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के न्यायिक अधिकारी और विधि छात्र भी उपस्थित रहे। प्रतिभागियों ने दिन के विचार-विमर्श की गहराई के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की और वकालत में निरंतर पेशेवर विकास और उत्कृष्टता के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

दार्शनिक लोओत्जु के हवाले से किया प्रेरित

न्यायमूर्ति महेश्वरी ने पेशेवर नैतिकता और क्षमता से जुड़े बढ़ते सवालों पर चिंता व्यक्त करते हुए अधिवक्ता संघ से उच्च नैतिक मानकों को बनाए रखने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने प्रख्यात दार्शनिक लाओत्जु का हवाला देते हुए कहा कि हजार मील की यात्रा एक कदम से शुरू होती है, और इस सम्मेलन के माध्यम से यह महत्वपूर्ण पहला कदम उठाने में मप्र राज्य न्यायिक अकादमी की पहल सराहनीय है।
सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा ने न्यायालयों और वादियों, दोनों की सहायता करने में अधिवक्ताओं की आवश्यक भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि अधिवक्ताओं की पेशेवर तैयारी न्याय प्रदान करने को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है। उन्होंने सम्मेलन की सराहना करते हुए कहा कि यह वकालत कौशल को बढ़ाने और कानूनी पेशे को मजबूत करने के लिए एक सार्थक पहल है।
सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति आलोक अराधे ने विधिक पेशे की उत्कृष्ट परंपरा पर प्रकाश डालते हुए अधिवक्ताओं को न्याय व्यवस्था का एक आधारभूत स्तंभ, अनुनय-विनय में पारंगत और परिशुद्धता में पारंगत बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यावसायिक दक्षता केवल एक तकनीकी आवश्यकता नहीं है, बल्कि ईमानदारी, अध्ययन और चिंतन पर आधारित एक आजीवन नैतिक और बौद्धिक प्रयास है।
दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और सशस्त्र बल न्यायाधिकरण के अध्यक्ष, न्यायमूर्ति राजेंद्र मेनन ने इस बात पर जोर दिया कि प्रस्तुत करने और प्रगति करने के कौशल के बिना ज्ञान, मुकदमा वास्तव में बहुत कम उद्देश्य पूरा करता है।
हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रशासनिक न्यायाधीश विवेक रूसिया व महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने भी प्रेरित किया। मप्र राज्य न्यायिक अकादमी के अध्यक्ष, न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

उद्घाटन के बाद तकनीकी सत्रों में न्यायाधीशों ने किया संबोधित

उद्घाटन सत्र के दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीशों द्वारा तकनीकी सत्र में दिल्ली हाई कोर्ट न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी, न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव, दिल्ली हाई कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता, न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव, न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद, पूर्व न्यायमूर्ति रेखा पल्ली, न्यायमूर्ति नवीन चावला, न्यायमूर्ति जसमीत सिंह, न्यायमूर्ति अमित बंसल पैनलिस्ट के रूप में शामिल हुए। दिन का समापन एक समापन चिंतन सत्र के साथ हुआ। सत्र के मुख्य अतिथि हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा थे। प्रशासनिक न्यायमूर्ति विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल ने भी विचार प्रस्तुत किए। हाई कोर्ट बार के अध्यक्ष धन्य कुमार जैन, हाई कोर्ट एडवोकेट्स बार के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, सीनियर एडवोकेट्स काउंसिल के माहसचिव आदित्य अधिकारी, स्टेट बार चेयरमैन राधेलाल गुप्ता, हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल धरमिंदर सिंह, उमेश पांडव, निदेशक, एमपीएसजेए, रजिस्ट्री के अधिकारी, राज्य न्यायिक अकादमी के अधिकारी मौजूद थे।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में हेरिटेज गार्डन का उद्घाटन

हेरिटेज गार्डन में देशी और विरासती पौधों की प्रजातियां

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में शनिवार को नव-विकसित हेरिटेज गार्डन का औपचारिक उद्घाटन किया गया। शांत और गरिमामय माहौल में आयोजित इस कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश, वरिष्ठ विधिवेत्ता और संस्थान के अधिकारी मौजूद रहे।

हेरिटेज गार्डन का उद्घाटन सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार माहेश्वरी, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा, न्यायमूर्ति आलोक अराधे, पूर्व मुख्य न्यायाधीश दिल्ली हाईकोर्ट और एएफटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति राजेंद्र मेनन, न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विवेक रूसिया की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम के दौरान रजिस्ट्रार जनरल धर्मिंदर सिंह और रजिस्ट्री के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

उद्घाटन के बाद गणमान्य व्यक्तियों ने उद्यान का भ्रमण किया। हेरिटेज गार्डन में देशी और विरासती पौधों की प्रजातियां, थीम आधारित हरित क्षेत्र, छायादार मार्ग और पर्यावरण को हरियाली और शांति का नया लुक देंगे। उद्यान का ऐतिहासिक महत्व भी विशेष है। यहां 1903 में राजा एडवर्ड सप्तम के राज्याभिषेक पर लगाया गया पीपल का पेड़, भारत की स्वतंत्रता के समय आई.पी.एस. अधिकारी बी.आर. दिवाकर द्वारा निर्मित जयस्तंभ और डिप्टी कमिश्नर बेंजामिन रॉबर्टसन द्वारा कर्नल विलियम हैग की स्मृति में बनाया गया पुराना फव्वारा जैसी धरोहरें मौजूद हैं। ये संरचनाएं उद्यान की ऐतिहासिक पहचान को मजबूत बनाती हैं।

गणमान्य अतिथियों ने उद्यान के विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह हेरिटेज गार्डन न्यायालय में आने वाले लोगों को एक शांत, स्वच्छ और चिंतनपूर्ण वातावरण प्रदान करेगा। हाईकोर्ट परिसर में प्रकृति, विरासत और पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद नहीं दे सकते नियमों को चुनौती

मॉप-अप राउंड में मेडिकल सीट प्राप्त करने वाले छात्रों को राहत नहीं

हरिभूमि जबलपुर।

मेडिकल काउंसलिंग के माप-अप राउंड में सीट प्राप्त करने वाले छात्रों की तरफ से वैकेंसी राउंड में शामिल होने की अनुमति के लिए मप्र हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने याचिका निरस्त करते हुए कहा है कि प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद नियमों को चुनौती नहीं दे सकते है। क्योंकि काउंसलिंग के पहले याचिकाकर्ता छात्रों को नियम की जानकारी थी।

याचिकाकर्ता राजधानी भोपाल निवासी रिधि चंचनी, जय जैन सहित अन्य की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि मेडिकल काउंसलिंग के माप-अप राउंड के फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कुछ छात्रों को सीट आवंटित की गई थी। इसके बाद

उन छात्रों को आवंटित की गई सीट निरस्त कर दी थी। उन्हें भी माप-अप राउंड में सीट आवंटित की गई थी। माप-अप राउंड में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सीट आवंटित नहीं की जाती तो मेरिट के आधार पर उन्हें अपनी पसंद के कालेज में सीट प्राप्त होती। याचिका में राहत चाही गयी थी कि वैकेंसी राउंड में उन्हें शामिल होने की अनुमति प्रदान की जाए।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ताओं को वैकेंसी राउंड में भाग लेने की अनुमति दी जाती है, तो शैक्षणिक सत्र में और देरी होने की संभावना है। याचिकाकर्ताओं ने पहले तीन दौर में सीट पहले ही सुरक्षित कर ली हैं, उन्हें रिक्तियों के दौर में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती। याचिकाकर्ता ने पूरी चयन प्रक्रिया में भाग लिया और नियम अवगत थे।यह स्थापित कानूनी स्थिति है कि भाग लेने वाले प्रक्रिया समाप्त होने के बाद नियमों को चुनौती नहीं दे सकते है।

सर्वोच्च न्यायालय में दायर करेंगे एसएसपी

याचिकाकर्ताओं की तरफ से पैरवी करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने बताया कि इस आदेश के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में एसएलपी दायर की जाएगी। हमारी मांग है कि काउंसिलिंग में मैरिट को प्राथमिकता दी जाना चाहिए।

मूल नियुक्ति से वरिष्ठता मानते हुए प्रमोशन सहित अन्य लाभ दें

हाईकोर्ट का आदेश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक मामले में व्यवस्था दी है कि वरिष्ठता का प्रारंभिक बिंदु मूल नियुक्ति की तिथि है, इसके अलावा और कुछ नहीं है। इस मत के साथ जस्टिस विवेक जैन की सिंगल बेंच ने याचिकाकर्ता की वरिष्ठता उसकी मूल नियुक्ति करकेली से मानते हुए उसे असिस्टेंट ग्रेड-टू के पद पर प्रमोशन सहित सभी अनुषांगिक लाभ प्रदान करें। इसके लिए 45 दिन की मोहलत दी है। याचिकाकर्ता शहडोल निवासी गीता प्रसाद शुक्ला की ओर से दलील दी कि याचिकाकर्ता की मूल नियुक्ति 15 मई,1987 में करकेली, शहडोल में हुई थी। याचिकाकर्ता को 1997 में सोहागपुर में स्थानांतरित किया गया और तभी से उसकी वरिष्ठता की गणना की गई। इस वजह से उससे कनिष्ठ कर्मी को प्रमोशन का लाभ दे दिया गया और याचिकाकर्ता उससे वंचित रह गया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने पाया कि नियमानुसार वरिष्ठता की गणना मूल नियुक्ति तिथि से होनी चाहिए। कोर्ट ने निर्देश दिए कि याचिकाकर्ता की वरिष्ठता भी करकेली में उसकी नियुक्ति की तिथि से उसकी सेवाओं की गणना करके तय की जाए। वरिष्ठता तय करने के बाद उसे प्रमोशन सहित सभी आर्थिक लाभ भी प्रदान करें।

चलती ट्रेन में सुरक्षित प्रसव कराया

जबलपुर रेल मंडल के अधिकारियों और डॉक्टरों ने दिखाई तत्परता

जबलपुर। रेल मदद 139 से मिली सूचना पर शनिवार को जबलपुर रेल मंडल की त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई से गाड़ी संख्या 01143 मुंबई एलटीटी–दानापुर स्पेशल के कोच बी1-17 में यात्रा कर रही 9 माह की गर्भवती महिला संगीता (उम्र 28 वर्ष, निवासी इलाहाबाद) की सुरक्षित डिलीवरी कराई गई।

ट्रेन जबलपुर स्टेशन की ओर बढ़ रही थी तभी महिला को तीव्र प्रसव पीड़ा हुई और स्थिति गंभीर हो गई। सूचना मिलते ही वाणिज्य विभाग के उप स्टेशन प्रबंधक आशीष चड्ढा एवं बलवंत, रेलवे चिकित्सक डॉ. अंकिता सिद्धार्थ, नर्स उषा, उपासना तथा गणेश तत्काल मौके पर पहुंचे। टीम ने पूरी सतर्कता के साथ आउटर के पास ही सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया। डॉ. अंकिता सिद्धार्थ द्वारा कॉर्ड कलेपिंग एंड कंटिग, प्लेसेंटा रिमूवल तथा इमीडिएट पोस्ट-डिलीवरी बेबी केयर सहित सभी आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रियाएँ पूर्ण सावधानी के साथ की गईं। डॉक्टरों के अनुसार मां और नवजात दोनों स्वस्थ हैं।

उपचार के बाद महिला को उसके भाई के साथ आगे की चिकित्सकीय देखभाल हेतु रानी दुर्गावती अस्पताल, जबलपुर भेजा गया। महिला मुंबई एलटीटी से पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन (डीडीयू) की यात्रा कर रही थी। कोच के यात्रियों ने तथा महिला के परिवार ने भी भारतीय रेल की समय पर मिली सहायता के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

शराब पीने के लिये रूपये नहीं देने पर पिता-पुत्रों से मारपीट

जबलपुर। संजीवनीनगर थाना अतंर्गत गंगानगर में शराब पीने के लिए रुपए नहीं देने की बात पर तीन बदमाशों ने एक युवक के साथ मारपीट कर उसे जमीन पर पटक दिया, इसी बीच युवक के पिता व भाई ने बीच बचाव किया तो आरोपियों ने उन पर पत्थर से हमला कर घायल कर दिया। संजीवनीनगर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार मड़फैया संजीवनीनगर निवासी 18 वर्षीय सागर बर्मन गत रात लगभग 9 बजे कपड़ा कारखाना से काम करके घर जा रहा था, तभी गंगानगर में सोनी ट्रेडर्स सीमेंट की दुकान के पास शनि झारिया अपने दो दोस्तों के साथ आया और उससे शराब पीने के लिये एक हजार रूपये की मांग करने लगा, उसने रूपये देने से मना करने पर तीनों ने उसके साथ मारपीट कर जमीन पर पटक दिये जिससे उसके सिर में चोटें आ गयी, उसने मोबाइल से अपने भाई को घटना के बारे में बताया तो उसके पिता राजेश बर्मन, भाई सूजल बर्मन आकर बीच बचाव करने लगे तो शनि और उसके दोनों साथियों ने पत्थर से हमलाकर पिता एवं भाई के सिर में भी चोटें पहुँचा दी तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 119(1), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

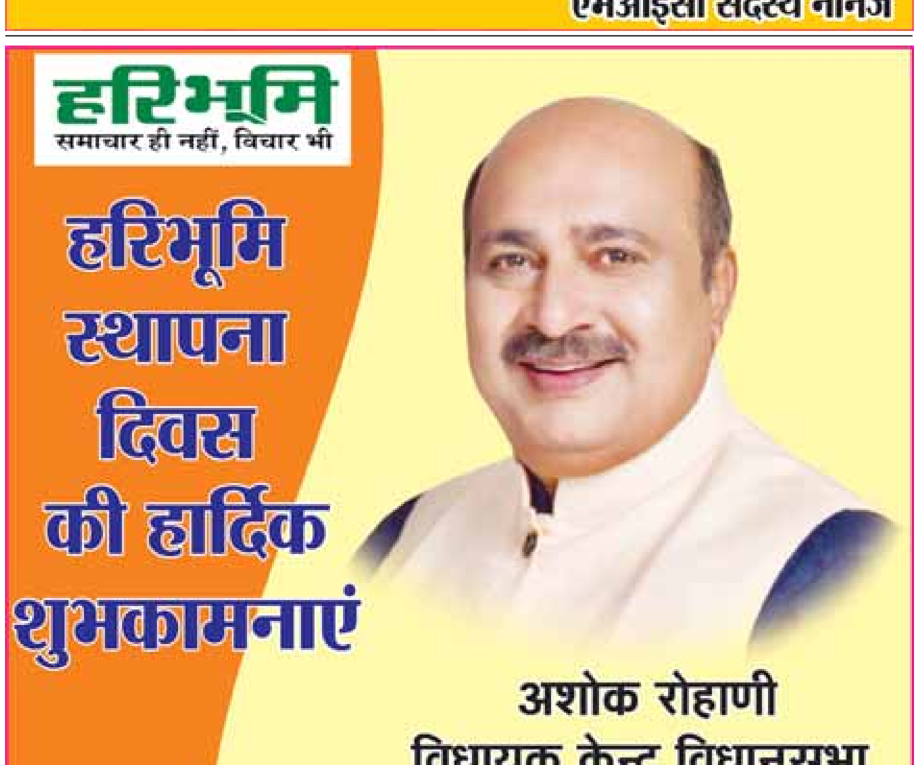

घर पर शराब पीने से मना करने पर भाई-भाभी ने की मारपीट

जबलपुर। हनुमानताल थाना अतंर्गत सिंधी कैंप बड़ी मदार टेकरी में घर में शराब पीने से मना करने की बात पर बड़े भाई और भाभी ने देवर के साथ मारपीट कर पत्थर से हमला कर घायल कर दिया। हनुमानताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंधी कैंप बड़ी मदार टेकरी निवासी 30 वर्षीय रवि चौधरी ने गत रात 8.30 बजे बड़े भाई सुखचैन चौधरी को घर में शराब पीने से मना किया तो, इसी बात से नाराज भाई सुखचैन ने गालीगलौज की, गालियां देने से मना किया तो भाभी दुर्गा चौधरी ने उसके दोनों हाथ पकड़ लिए और सुखचैन ने पत्थर से सिर व हाथ की उंगलियों पर हमला कर चोटें पहुंचा दी। पुलिस ने आरोपी भाई भाभी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296(ए), 115(2), 118(1), 351(3), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240